ISSN 2349-6614

मार्च, 2017

मूल्य : 25 ₹

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

होली राधा-श्याम की, और न होली कोय
जो मन रांचे श्याम रंग, रंग चढ़े न कोय

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 15 अंक 1 Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2015-2017 Posting Date : 27th-28th of Every Month RNI No. : RAJHIN/2003/9297 Posting Office : Shastri Circle, Udaipur

Celebrating Glorious 52 Years

Ranawat Poultry
and
Poultry Beeding Farms

:: Main Office ::
Hiran Magri, Sec.-3, Ph. : 0294-2460559
Farm : Gudli highway, Village - Gudli

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

प्रबन्ध सम्पादक नीरज शर्मा, डॉ. वीणा शर्मा

विपणन प्रबन्धक नितेश कुमार, नन्द किशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

Supreme Designs

कम्प्यूटर ग्राफिक्स विकास सुहालका

मुद्रक पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि.
गुलाब बाग रोड, उदयपुर (राज.) फोन : 2418482, 2410659

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी, कुलदीप इन्दौरा
कृष्ण कुमार हरितवाल, धीरज गुर्जर, अभय जैन
गजेन्द्र सिंह शक्तावत, लाल सिंह झाला
ओम शर्मा, अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमन्त भागवानी, डॉ. राव कल्याण सिंह
अशोक तम्बोली, सुन्दरदेवी सालवी

छायाकार :
कमल कुमावत, जितेन्द्र कुमावत,
ललित कुमावत

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

मार्च
2017
वर्ष 15, अंक 1

प्रत्यूष

अन्दर के पृष्ठों पर...

मूल्य 25 ₹
वार्षिक 300 ₹

6 उपलब्धि
भारत की अंतरिक्ष विजय

7 नीर-क्षीर
सिंहासन पर खड़ाऊ

16 आम बजट
काले धन पर शिकंजा, चन्दे पर चोट

30 आधी दुनिया
अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस विशेष
आकाश तक नारी शक्ति की गूंज

38 वर्ल्ड म्यूजिक फेस्टिवल
विश्व राग पर झूमी झीलों की नगरी

कार्यालय पता : 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष : 0294-2427616, 2414933, 2413477, 2100408-09, फेक्स : 0294-2525499
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
visit us at : www.pratyushpatrika.com, E-mail : pankajkumarsharrma@pratyushpatrika.com
pankajkumarsharma2013@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. गुलाब बाग रोड, उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर से प्रकाशित।

With Best Compliments

ROSAVA make **GANGSAW**

For Marble & Granite Processing

Manufacturer of :

- Gangsaw Machine
- EOT Crane
- Mono Dress
- Gantry Crane
- LD-4
- Holders & Machinery and Spares.

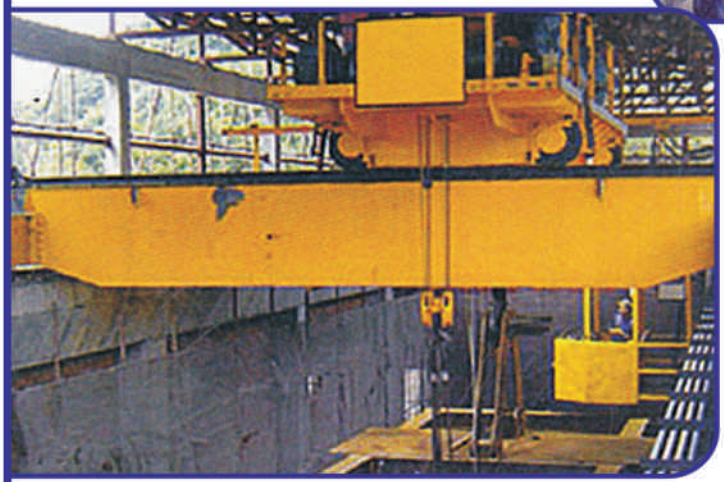

ROSAVA

ENGINEERING COMPANY

Contact Person

C.P.Sharma 9414164090

Rohit Sharma 9602202833

H-363-364, Bhamashah Industrial Area, Kaladwas, Udaipur

Tel:- 0294-2650588, Mob:- 94141 64090. 94141 56484

Email :- rosavagroup@gmail.com

Website :- www.rosava.in

उत्सवमयी नव संवत्सर

भारतीय संस्कृति को सनातन कहा गया है। सनातन, जो अनादि काल से चला आ रहा है। इसके पीछे धारणा है कि यह प्रकृति सापेक्ष है, जो प्रकृति के शाश्वत बदलाव पर आधारित है। मानवीय क्रिया-कलापों में भूल हो सकती है, परन्तु प्रकृति के समय-चक्र में नहीं। पृथ्वी 23.5 डिग्री के झुकाव के साथ सौरमण्डल में परिभ्रमण करती है। वह चौबीस घन्टे में एक परिक्रमा के साथ सौरमण्डल के परिपथ पर निरन्तर चलायमान रहती है, जिसका एक चक्र 365 दिन में पूर्ण होता है। सूर्य स्थिर है। पृथ्वी सहित नवग्रह उसके इर्द-गिर्द सतत् परिक्रभ्रमण करते हैं। इससे ही पर्यावरण, पारिस्थितिकी, जलवायु और मौसम निर्मित होते हैं। नियमबद्धता सृष्टि का शाश्वत सत्य है और अनुरूप चराचर जीवन चलता है, पशु, पक्षी, जलचर सहित पंचतत्व पूरी तरह प्रकृति के नियमों का अनुसरण करते हैं, परन्तु मनुष्य ही ऐसा जीव है जो प्राय: नियमों को अपने हिसाब से गढ़मढ़ करता है। जहां उसे रुचिकर लगता है, वहां नियमों को ओढ़ लेता है और जहां मन न माना उन्हें धकेलने से नहीं चूकता। यही कथित होशियारी मानवीय जीवन की त्रासदी है। उसकी स्वच्छन्दता उसे ही नुकसान पहुंचा रही है। नियमों की पालना को वह अपनी सहजता में बाधा मानता है। जीवन में अधिकांश परेशानियों का सबब भी यही है।

श्रीकृष्ण महाभारत में बार-बार कहते हैं - 'हे मनुज सुन! मैं अपनी भुजा उठा कर कह रहा हूँ कि धर्म का पालन कर! जीवन में आने वाली हजारों विपत्तियां स्वत: टल जाएंगी।' कृष्ण जिसे धर्म कह रहे हैं, वही तो नियम है। प्रकृति जो स्वयं भगवान का दृश्यमान स्वरूप है। जब वह भी अपने धर्म का पालन करते हुए सहजता से चराचर को जीवन प्रदान करती है, तो भला इंसान प्रकृति से कहां भिन्न है। इसमें स्वेच्छाचारिता की कोई गुंजाइश नहीं।

समस्त जीव जगत का प्रकृति से गहरा नाता रहा है। सदियों की गुलामी से भारतीय जनमानस परमुखापेक्षी बन गया। आत्मस्वरूप को खोकर दूसरों की ओर मुंह ताकना उसकी प्रवृत्ति बन गई। पिछले तीन सौ साल से पाश्चात्य सभ्यता के प्रभाव से भी वह समाज, संस्कृति, पुरातन वैभव, परम्पराओं और शाश्वत सिद्धान्तों से पूरी तरह विमुख हो चला है। तभी तो जनवरी में कड़ाके की ठण्ड में भी पश्चिम प्रणीत नववर्ष को मनाने दौड़ पड़ता है। इस समय पूरी प्रकृति जलवायुगत तंद्रा में रहती है। न कहीं उल्लास और न कहीं गरमाहट। फिर भी हम 'हैप्पी न्यू इयर' का राग आलापते नहीं अघाते। पूर्ण वैज्ञानिक मंतव्य, प्रकाश स्तम्भ और सापेक्ष दृष्टिकोण के बावजूद घोर अंधेरी रात में उधार की रोशनी तलाशते हैं। अपने पास सब कुछ होने के बाद भी सोच, चिंतन, भाषा, परिवेश, परिधान, खान-पान, तीज-त्योहार, शादी-ब्याह और रहन-सहन में पाश्चात्य संस्कृति का घालमेल कर दुखी व अभिशप्त जीवन जीने को विवश हैं।

सार्वभौमिक रूप से मान्य भारतीय कालगणना के अनुसार नववर्ष का शुभारम्भ चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रथम तिथि से होता है। इसी दिन वासंती नवरात्र की शुरूआत भी होती है। चैत्र ऐसा माह है, जिसमें सम्पूर्ण वातावरण हर्षोल्लास, नई उमंग, नए प्राकृतिक परिवेश से सराबोर हो उठता है। मधुरस, मादकता, उन्मुक्तता, नवीन जोश व स्फूर्ति का संचार होता है। सूरज नवीन रश्मियों से प्रकृति और प्राणियों को जीवनदान देता है। चैत्र शुक्ला प्रतिपदा के दिन चन्द्रमा अपनी सोलह कलाओं में से प्रथम कला से परिपूर्ण रहता है। जितने भी धर्म और कर्म हैं, उसमें सूर्य के साथ चन्द्रमा का महत्त्वपूर्ण स्थान है। जीवन का आधार तत्व सोमरस चन्द्रमा ही उंडेलता है। भूलोक के परिवेश में विशेष परिवर्तन होने लगता है। जिस तरह बाह्य स्तर पर परिवर्तन दिखलाई पड़ते हैं, ठीक उसी तरह मनुष्य के शरीर और अन्तर्मन में पोषक तत्व और चेतना का संचार होता है। शरीर की शुद्धि के बिना मानस भावनाओं का शुद्धीकरण नहीं हो पाता। इसीलिए चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से आरंभ नवरात्रों में व्रत, उपवास, पूजा-अर्चना सहित विविध अनुष्ठान किए जाते हैं। इससे मानव-जीवन में धर्मनिष्ठा के साथ असीम आंनद प्राप्त होता है, जो हर मानव का अभीष्ट होना चाहिए। आनंद से व्यक्ति के जीवन में तनाव उत्पन्न करने वाले तमाम घटक स्वत: तिरोहित हो उठते हैं। मानव जीवन की समस्त आधि-व्याधियां समीप नहीं आ पाती।

वैज्ञानिक और मनोचिकित्सक भी कहते हैं कि आभ्यंतरिक बीमारियां, जिसे आधि कहा जाता है, वही बाह्य शरीर पर व्याधियां बन कर प्रकट होती हैं। करीब 70 प्रतिशत मानसिक बीमारियां ही शारीरिक बीमारियां बन कर उभरती हैं। चिकित्सक शारीरिक बीमारियों की तो शल्य या द्रव्य चिकित्सा से उपचार करते, परन्तु मानसिक आरोह-अवरोह का वे उपचार नहीं कर पाते। इसलिए वे आरोग्य को भेद कर बार-बार मानव जीवन में प्रकट होती हैं। अफसोस है कि हम मानसिक बीमारियों को नासमझी के कारण स्वयं ही आमंत्रित करते हैं। लोभ, मोह, ममता ईर्ष्या, काम, क्रोध, मत्सर सहित तमाम तरह के भावनात्मक उतार-चढ़ाव ही हैं, जो मानव जीवन में संघातक रोग बन कर यातनापूर्ण जीवन प्रदान करते हैं।

महान सम्राट विक्रमादित्य के नाम से संवत्सर का श्रीगणेश चैत्र शुक्ल-प्रतिपदा से ही आरंभ होता है। मार्च 29 को प्रात: 5 बजकर 47 मिनट पर प्रतिपदा समाप्त होकर द्वितीया भी एक साथ ही प्रारम्भ होगी। सनातन कालगणना की ये तिथियां, सूर्य व चन्द्रमा के बीच प्रति 120 कोणीय दूरी बढ़ने या घटने पर एक-एक कर बदलती हैं। भारतीय काल गणना में बारह माहों का नामकरण वर्ष भर में आने वाली 12 पूर्णिमाओं के नक्षत्रों के अनुसार पूर्ण वैज्ञानिक आधार पर है। पूर्णिमा वाले नक्षत्र के अनुसार माह का नाम निर्धारित है। जैसे चित्रा से चैत्र माह, विशाखा से वैशाख, ज्येष्ठा से जेठ अथवा फाल्गुनी नक्षत्र से फाल्गुन इत्यादि सभी बारह मासों के नाम आधारित हैं। नव संवत्सर के शुभारम्भ के साथ ही भारत के विभिन्न प्रान्तों में प्रचलित तीज-त्योहार, व्रत-पर्व की शुरुआत हो जाएगी। आइए हम नव संवत्सर 2074 के शुभारम्भ पर भारतीय सनातन संस्कृति के सार्वभौमिक मूल्यों के अनुसरण और संरक्षा का संकल्प लें, जिससे तन-मन रोग रहित और परिवार-समाज समृद्धिपूर्ण हो सके। ■

भारत की अंतरिक्ष विजय

इसरो ने 104 उपग्रह अन्तरिक्ष में भेजकर जिस बेजोड़ क्षमता का परिचय दिया है, उससे हर भारतीय का सीना गर्व से फूलना स्वाभाविक है। दरअसल हमारी रॉकेट प्रणाली इतनी विकसित और परिपक्व हो चुकी है कि पूरी दुनिया उस पर आंख मूंदकर भरोसा कर सकती है। इस बड़ी उपलब्धि के लिए मिशन से जुड़ा हर वैज्ञानिक बधाई का हक़दार है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो ने 15 फरवरी को एक साथ एक सौ चार उपग्रह प्रक्षेपित कर दुनिया में अपना विश्व रिकॉर्ड बना लिया। अब सारी दुनिया में इसरो की अपनी ख्याति है और इसकी विश्वसनीयता संदेह से परे है। कई देश अपने-अपने उपग्रहों के प्रक्षेपण की खातिर भारत की ओर रुख कर रहे हैं। अंतरिक्ष अनुसंधान को हमारे यहां कितना महत्व दिया जाता है। इसका अंदाज इस बात से आसानी से लगाया जा सकता कि छोड़े गए उपग्रहों में हमारे मात्र तीन उपग्रह और बाकी एक सौ एक अलग-अलग देशों के थे, जिनमें इजरायल, अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश थे। पहले कभी भारत अपने लिए ही उपग्रहों का प्रक्षेपण करता था लेकिन अब अंतरिक्ष के व्यावसायिक बाजार में अपनी धाक जमाता नजर आ रहा है।

एक साथ 104 उपग्रहों के सफल प्रक्षेपण से पहले तक पीएसएलवी रॉकेट के जरिये इसरो 79 विदेशी और 42 स्वदेशी उपग्रहों को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में स्थापित कर चुका है। अपनी दूसरी सफल उड़ान के बाद पीएसएलवी ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। 104 उपग्रहों में तीन भारतीय और 101 विदेशी उपग्रह हैं। भारतीय उपग्रहों में 714 किलोग्राम वजनी सुदूर संवेदी उपग्रह 'कार्टोसेट-2डी' है। दो नैनो उपग्रह आईएनएस 1ए और 1बी हैं। इनका वजन नौ-नौ किलोग्राम है। सभी उपग्रहों का कुल भार 1378 किलोग्राम है। इसके अलावा अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'प्लेनेट' के 88 उपग्रह हैं जिनमें प्रत्येक का भार पांच-पांच किलोग्राम है। इन्हें 'डोव' या 'फ्लाक-3पी' भी कहा जाता है। इन 88 उपग्रहों का एक साथ प्रक्षेपण भी एक रिकॉर्ड ही है। 'प्लेनेट' ने 15वीं बार अपने डोव उपग्रहों का प्रक्षेपण किया है। इनकी भी स्थापना हमारे रॉकेट(पीएसएलवी-सी 34) ने जून, 2016 को की थी।

उल्लेखनीय है कि भारत ने मई 1991 में जर्मनी और दक्षिण कोरिया के उपग्रहों के साथ अपना पहला व्यावसायिक प्रक्षेपण किया था। हमने अभी तक 226 उपग्रह छोड़े हैं जो कि भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की कुशलता का प्रमाण है। दो महीने के अंदर इसरो द्वारा निर्मित उपग्रहों की संख्या 100 तक पहुंच जाएगी। जीएसएलवी मिशनों के अलावा अगले वर्ष चंद्रयान-2 छोड़ने की तैयारी की जा रही है। इसरो इस समय तमिलनाडु के महेन्द्रगिरि और कर्नाटक के चल्लाकेरे में चंद्रयान-2 के लैंडर का परीक्षण कर रहा है। यह पूरी तरह से स्वदेशी प्रयास है। भविष्य में इसरो बृहस्पति और शुक्र जैसे ग्रहों पर भी अपना मिशन भेजने पर विचार कर रहा है। मंगल के लिए दूसरा मिशन 2021-2022 के आसपास प्रस्तावित है। इसरो की इस प्रगति से सभी खुश हैं। सरकार ने हाल में घोषित वार्षिक बजट में अंतरिक्ष एजेंसी के बजट में 23 प्रतिशत की वृद्धि की है। उम्मीद है कि इसरो के वैज्ञानिक बढ़े हुए बजट का भरपूर लाभ उठाकर देश के लिए और भी अधिक गौरव व प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे।

अंतरिक्ष में व्यावसायिक अभियान से बड़ी मात्रा में राजस्व भी प्राप्त हो रहा है। यह बात सही है कि हम अंतरिक्ष कार्यक्रमों का व्यावसायिक इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके बावजूद सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम दुनिया के फ्रांस, ब्रिटेन जैसे यूरोपीय देशों तथा रूस, चीन और अमरीका से प्रतिस्पर्द्धा को तैयार है ? इसका जवाब यही है कि फिलहाल हम काफी पीछे हैं। यदि अंतरिक्ष प्रक्षेपण व अनुसंधान के क्षेत्र में हमें इन देशों के समकक्ष आना है तो 4500-5000 किलोग्राम वजनी उपग्रहों को अंतरिक्ष की ऊंचाई वाली कक्षा में स्थापित करने की क्षमता हासिल करनी होगी क्योंकि पीएसएलवी 2000 किलोग्राम तक ही पेलोड ले जाने में सक्षम है। यह भी एक तथ्य है कि 5000 किलो पेलोड की क्षमता हासिल करने पर ही हमें उतना राजस्व मिल सकता है जिससे कि अभियान खर्च निकालकर लाभ में आ जाएं। सफलता की जो गौरव गाथा इसरो लिखता ही चला जा रहा है, वह अन्य संस्थानों के लिए भी प्रेरक है। देश के कई सरकारी प्रतिष्ठान 'सफेद हाथी' सिद्ध हो रहे हैं। कामयाबी के इस सफर में उनके भी कदम बढ़ने चाहिए। ■

– नंदकिशोर

वे गईं कारावास सिंहासन पर खड़ाऊ

एक तरफ सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक शुद्धीकरण का ऐतिहासिक फैसला सुनाया, तो दूसरी ओर तमिलनाडु के राज्यपाल के सामने लोकतांत्रिक परम्परा के नाम पर अपशिष्टों के परिवहन की मजबूरी थी। उन्हें भ्रष्टाचार की मुज़रिम साबित हुई शशिकला के विश्वस्त को ही मुख्यमंत्री नियुक्त करना पड़ा। क्या ऐसी गैर-जरूरी परिपाटी का कोई विकल्प नहीं कि राजनैतिक शुद्धीकरण की पूरी प्रक्रिया भविष्य के लिए अर्थपरक संदेश बन सके ?

तमिलनाडु में पिछले वर्ष दिसम्बर से फरवरी 17 तक लगातार सियासी उठापटक जारी रही। 16 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इस दक्षिणी राज्य की राजनीति पूरी तरह उलट-पलट गई है। अदालत ने दूरगामी फैसला लेते हुए अन्नाद्रमुक महासचिव शशिकला नटराजन को भ्रष्टाचार के एक मामले में चार साल की सजा सुनाई। साथ ही उन पर दस करोड़ का जुर्माना भी लगाया है। कहां तो मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की भव्य उम्मीदें सजाए शशिकला के पैर जमीन पर नहीं टिक रहे थे और 10 दिन बाद ही ऐसे दिन फिरे कि वे बैंगलुरू सेन्ट्रल जेल की कैदी नम्बर 9934 बन गई। तमिलनाडु सीएम बनने का सपना बिखर गया, वे जेल में सीएम यानी कैंडल मेकर जरूर बन गई। इससे पहले नाटकीय घटनाक्रम को अंजाम देते हुए शशिकला ने पार्टी महासचिव की हैसियत से दो बड़े फैसले भी लिए तथा निवर्तमान मुख्यमंत्री ओ. पनीरसेल्वम सहित 18 बागियों को पार्टी से बाहर निकाल फेंका। वहीं एआईएडीएमके विधायक दल के मार्फत ई. के.पलानीसामी को विधायक दल का नेता निर्वाचित करवा दिया। उन्होंने भतीजे टी टी वी दिनकरण और दामाद डॉ. वेंकटेश को पुन: पार्टी में प्रवेश करा दिया, ताकि ये लोग उनके जेल में रहते पार्टी और सरकार उनके इशारों पर चला सकें। तमिलनाडु में आने वाले दिनों में क्या होने वाला है, अभी नहीं कहा जा सकता। अन्नाद्रमुक दो धड़ों में बंट चुकी है और इसकी परिणति औपचारिक टूट में भी हो सकती है। एक धड़ा ओ पनीरसेल्वम का है, जिसे परदे के पीछे से डीएमके सहित पूर्ण विपक्ष का समर्थन है। हाल-फिलहाल तो मौजूदा विधायकों का बड़ा हिस्सा शशिकला की खड़ाऊ ई. के. पलानीसामी के साथ दिखलाई पड़ रहा है। शशिकला के जेल पहुंचने के अगले ही दिन 16 फरवरी को राज्यपाल विद्यासागर राव ने ई. के. पलानीसामी को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिला कर कई दिनों से चल रहे संवैधानिक संकट का पटाक्षेप कर दिया। उनके साथ 31 कैबिनेट मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण की। हालांकि निवर्तमान मुख्यमंत्री पनीरसेल्वम ने भी सरकार बनाने का दावा पेश किया, लेकिन वे बहस के लिए पर्याप्त विधायकों का समर्थन पत्र नहीं प्रस्तुत कर सके। पलानीसामी द्वारा 124 विधायकों की सूची सौंपे जाने पर राज्यपाल के पास उन्हें आमंत्रित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उन्हें 15 दिन में बहुमत सिद्ध करना था, परन्तु उन्होंने 18 फरवरी को ही सदन में विश्वास मत जीत लिया। यदि मुख्यमंत्री पर्याप्त समर्थन के बाद भी पार्टी असंतोष थामने में विफल रहे तो अन्नाद्रमुक की टूटन को नहीं रोका जा सकेगा। मई 16 के बाद नौ माह में वहां तीसरा मुख्यमंत्री बना है। राज्य में अन्नाद्रमुक पार्टी का कैडर पनीरसेल्वम के साथ है, वहीं अधिकांश विधायक अभी चुनाव नहीं चाहते और किसी न किसी तरह सरकार बनाए रखना चाहते हैं। अभी चुनाव हो जाए तो अन्नाद्रमुक विरोधी माहौल है। समय बीतने के साथ जैसे-जैसे सरकार और पार्टी में शशिकला अप्रत्यक्ष दखल बढ़ाएंगी। वैसे-वैसे जनमानस उद्वेलित होता जाएगा, क्योंकि शशिकला के पास जयललिता जैसा करिश्माई और लोकप्रिय व्यक्तित्व है ही नहीं। पनीरसेल्वम ने 17 फरवरी को ही मुख्यमंत्री पलानीसामी, शशिकला सहित कई नेताओं को अन्नाद्रमुक से बर्खास्त कर दिया है। अन्नाद्रमुक में 30 साल बाद ऐसा नाजुक वक्त आया है, जिसमें सरकार और पार्टी में दरार स्पष्ट दिख रही है। एमजीआर

की मौत के बाद उनकी पत्नी जानकी देवी व जयललिता के बीच ऐसा ही शक्ति परीक्षण हुआ था, जिसमें जानकी विश्वासमत तो जीत गई, मगर दो माह बाद ही राष्ट्रपति शासन की नौबत आ गई। कुछ-कुछ वैसा ही परिदृश्य बन रहा है, क्योंकि सदन में शक्ति परीक्षण के वक्त गुप्त मतदान की मांग खारिज कर दी गई तथा डीएमके को सदन से बाहर निकलवा दिया था।

योग्यता पर भारी वफ़ादारी

देश की कई दूसरी पार्टियों की तरह अन्नामुद्रक भी ऐसी पार्टी नहीं है कि उसके आम कार्यकर्ताओं को अपना नेता चुनने में तरज़ीह मिलती हो। हाई कमान के नाम पर या तो परिवारवाद होता है अथवा कुछ मुट्ठीभर डिजाइनर नेता। ऐसी व्यवस्था में सिर्फवफादारी सबसे बड़ा फैक्टर माना जाता है, न कि विचारधारा या उस शख्स की काबिलियत। करीबन पांच दशक से तमिलनाडु में द्रमुक व अन्नाद्रमुक के बीच परिवारवाद और वर्चस्व की लड़ाई चल रही है। एम.जी. रामचन्द्रन और करुणानिधि की पार्टियों के बीच सत्ता की अदला-बदली भी होती रही है। एम.जी. रामचन्द्रन ने 1972 में डीएमके से अलग होकर अन्नाद्रमुक बनायी थी। पार्टी में दो ही नेता नेता रहे एम.जी.आर. और जया। एम.जी.आर. की 1987 में मृत्यु हो गई तो उनका साया बनकर रही जयललिता ने भारी उठापटक के बाद अन्ततः सरकार और पार्टी पर एकाधिकार कर लिया।

ई. के. पलानीसामी

पनीरसेल्वम

पिछले वर्ष 5 दिसम्बर को जया की मौत हो गई और अन्नाद्रमुक में अनहोनी की आशंका व्यक्त की गई। इस उठापटक का केन्द्रबिन्दु शशिकला है, जो जयललिता के काफी करीबी रही। जया की छाया कही जाने वाली शशिकला को 20 दिसम्बर 16 को पार्टी महासचिव चुना गया था तथा इस वर्ष 5 फरवरी को अन्नाद्रमुक पार्टी विधायक दल का नेता निर्वाचित कर लिया गया, परन्तु मुख्यमंत्री बनने के अरमां आंसुओं में रह गए।

हावी मन्नारगुड़ी माफिया

1957 में तमिलनाडु के तिरुवासर के निकट मन्नारगुडी में जन्मी शशिकला की मुलाकाल 1980 के दशक में जया से हुई। तीन दशक तक दोनों के बीच दोस्ती परवान पर चढ़ी। उन्हें जया की परछाई कहा जाने लगा। राजनीति में शिखर के साथ गहरी खाइयां भी होती हैं। 1966 में चुनाव में पराजित होने पर जया और शशि के बीच दूरियां बढ़नी शुरू हई जो 2011 में चरम पर जा पहुंची। जयललिता को स्लो पॉइजन देने का आरोप भी शशिकला पर लगा और अम्मा ने शशि और उसके पति नटराजन को पार्टी से अलग कर दिया। मार्च 2012 में लिखित माफी पर जया फिर से सत्ता के गलियारे में आ पहुंची। तब से अम्मा के बेहद करीब रही। हालांकि अन्नाद्रमुक के नेताओं के अनुसार जया व शशिकला परिवार के बीच पिछले सितम्बर में झगड़ा और धक्कामुक्की हुई, जिसमें जया नीचे गिर कर बेहोश हो गई। तभी से जया बेहोश रही तथा मौत अभी भी रहस्यमय है। हालांकि इसका कोई पुख्ता साक्ष्य नहीं है। शशिकला ने अन्नाद्रमुक के किसी भी नेता को अस्पताल में जया के पास नहीं फटकने दिया। यहां तक कि अपनी ही पार्टी के मुख्यमंत्री को भी नहीं। दो माह तक सब ठीक ठाक चलता रहा, परन्तु 4 फरवरी को नाटकीय घटनाक्रम के तहत मुख्यमंत्री पनीरसेल्वम को इस्तीफा देने को मजबूर किया गया। दो दिन बाद शशिकला को अन्नाद्रमुक विधायक दल का नेता चुना गया, जो एक माह पहले ही पार्टी की महासचिव बनी थी। अम्मा के बाद शशिकला चिनम्मा यानी छोटी अम्मा के नए अवतार में सामने आई। चिनम्मा को उम्मीद थी कि वे जल्दी ही मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगी, परन्तु राज्यपाल ने उन्हें डेढ़ सप्ताह तक नहीं बुलाया। इस बीच कार्यवाहक मुख्यमंत्री पनीरसेल्वम की आकांक्षा परवान पर चढ़ी और उन्होनें शशिकला के खिलाफ बगावत का झण्डा उठा लिया। हालांकि शशि ने 131 विधायकों को अज्ञात स्थान पर भेजकर उन्हें बंधक सा बना लिया। इस बीच कार्यवाहक मुख्यमंत्री ने जया की संदेहास्पद मौत की न्यायिक जांच के आदेश दे दिए। आरोप है कि विभिन्न राजनीतिक पार्टियां अपने हित साधने के लिए अन्नाद्रमुक की आंतरिक उठा-पटक को बढ़ावा दे रही हैं। केन्द्र स्तर पर राष्ट्रपति - उपराष्ट्रपति चुनावों को भी इसे जोड़ कर देखा जा रहा है।

अन्नाद्रमुक की सियासत का सबसे बड़ा फैक्टर यह है कि सर्वोच्च न्यायालय में शशिकला पर आय से अधिक सम्पत्ति होने का मुकदमा काफी अर्से से लम्बित था। ज्ञातव्य है कि शशिकला इस मुकदमें में जयललिता, जिनकी मौत हो चुकी है, के बाद आरोपी नम्बर दो हैं। इसी मद्देनजर राज्यपाल ने डेढ़ सप्ताह तक तमिलनाडु में बारहवे मुख्यमंत्री नियुक्त करने का आदेश मुल्तवी रखा। उल्लेखनीय है जयललिता के साथ शशिकला पर भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत 1996 में मुकदमा दर्ज हुआ था। कर्नाटक की विशेष अदालत ने 2014 में दोनों को चार साल की जेल और 100 करोड़ रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई, परन्तु 2015 में कर्नाटक हाईकोर्ट ने इन्हें बरी कर दिया और तब से अपीलीय मामला सुप्रीम कोर्ट के पास था।

उम्मीद न्यायपालिका से ही

यह पूरा मामला लोकतंत्र के लिए युगान्तकारी हो सकता है। पिछले काफी अर्से से देश में लोकतंत्र काफी फूला-फला है, परन्तु सत्ता की राजनीति ही देश का अंतिम सत्य बन गया। न्यायपालिका से आए कई फैसलों से देश के नामी-गिरामी नेताओं को कुर्सी गंवानी पड़ी और उनकी राजनीतिक महत्त्वकांक्षाओं पर ब्रेक भी। कांग्रेस नेता रशीद मसूद को 1990-91 में अयोग्य छात्रों को फर्जी तरीके से एमबीबीएस सीट दिलाने, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस नेता जगन्नाथ मिश्र को चारा घोटाले, जदयू नेता जगदीश शर्मा को चारा घोटाले, राजद नेता व बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को भी चारा घोटाले में कोषागार से धन निकालने और लोकदल नेता व पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला को शिक्षक भर्ती घोटाले में सता के शीशमहल से बाहर का रास्ता दिखाया जा चुका है। शशिकला को हुई सजा का नया मामला जताता है कि भ्रष्ट लोगों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए कानून और न्यायिक प्रक्रिया ही कारगर हो सकती है। यह मामला राजनीति में चल रही धांधली, हेराफेरी, निहित स्वार्थ और आपराधिक गतिविधियों पर लगाम कस सकता है। दूसरा बड़ा सवाल उभरता है कि राजनीतिक शुद्धीकरण का यह प्रयास पूरा होने में 20 साल लग गए। इस दौरान मुख्य अभियुक्त जयललिता दो बार पूरा कार्यकाल पूर्ण कर मुख्यमंत्री रही और तीसरी बार भी धूम-धड़ाके से ताज हथियाने में सफल हो गई। कानून में होने वाली इस देरी ने लोकतंत्र की विश्वसनीयता व ईमानदारी पर भी सवाल खड़े दिए हैं। न्याय में देरी का सीधा मतलब न्याय नहीं मिलना ही कहा जा सकता है। ■

- जगदीश सालवी

fusion

eSolutions

Consulting | Outsourcing | Future ∞

Nominated for "Emerging India Award-2011"
by ICICI, CNBC TV 18 and CRISIL

STRIVING FOR GLOBAL EXCELLENCE

Ranked 5th Best KPO in the entire world in Investment
Research by The Black Book of Outsourcing -
a subsidiary of U.S based Data Moniter Group

THE
BLACK BOOK
OF
OUTSOURCING

H-21, IT Park, MIA Extension, Udaipur, India 313002
Landline: +91.294.325.0240 Email: info@fusionesolutions.com

संजय लीला भंसाली को सही जवाब

'इतिहास' को खण्डित कर अपनी टकसाल न बनाएं

नाहरगढ़ में 'पद्मावती' फिल्म के निर्माता संजय लीला भंसाली शूटिंग के दौरान राजस्थानवासियों के आक्रोश से रूबरू होकर जब मायानगरी की ओर लौटे होंगे तो निश्चित रूप से उनके मन ने भी उन्हें समझाया होगा कि चांदी कूटने के लिए इतिहास को मोहरा बनाना ठीक नहीं।

बॉलीवुड के मशहूर डायरेक्टर संजय लीला भंसाली जयपुर के नाहरगढ़ में पिछले दिनों जब 'पद्मावती' फिल्म की शूटिंग में व्यस्त थे। अचानक राजपूत करणी सेना के करीब दो सौ सदस्य सेट पर आ धमके। उन्होंने न केवल उनके व फिल्म यूनिट के साथ मारपीट की, बल्कि सेट पर तोड़-फोड़ भी की। फिल्म यूनिट ने सामान समेट कर मुंबई का रूख किया। प्रथम दृष्टया कानून हाथ में लेना गैर-वाजिब है और किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है। लेकिन जब किसी समुदाय की जनभावना और ऐतिहासिक तथ्यों में तोड़-मरोड़ की बात हो तो गुस्सा स्वाभाविक है। हालांकि बाद में राजपूत समाज, हिन्दू संगठनों तथा फिल्म डायरेक्टर के बीच बातचीत में एकाध को छोड़ शेष मुद्दों पर सहमति बनी। मुंबई जाते वक्त भंसाली के कान में ये शब्द गूंजते ही रहे कि इतिहास के तथ्यों से छेड़छाड़ हुई तो फिल्म रिलीज नहीं होने दी जाएगी। कथित सेकुलर संगठनों को भले ही यह धमकी लगती होगी, परन्तु यह पहली बार नहीं है कि बहुसंख्यकों की भावनाओं को आहत किया गया है। पहले भी कई दफा ऐसी कारस्तानियां होती रही हैं।

इतिहास को तोड़ना-मरोड़ना अपराध

संजय लीला भंसाली अपनी फिल्म को ऐतिहासिक बता रहे हैं और यही उनकी समस्या है। अगर वे कहते कि यह हिस्ट्री नहीं फिक्शन है, तो शायद ही इतना बवाल मचता। समस्या ही तब खड़ी हुई, जब इसे इतिहास के रूप में पेश किया जा रहा है।

प्राय: फिल्म को पब्लिसिटी दिलाने के लिए ऐसा किया भी जाता है, क्योंकि उनके पास क्रिएटिविटी का लाइसेंस होता है। यहां यही विरोधाभास है। ऐसी बाजीगरी पहली बार नहीं हुई है। फिल्म 'जोधा-अकबर' में भी ऐसा ही हुआ, विरोध के बाद पटकथा में संशोधन करना पड़ा। दीपा मेहता की 'वाटर' की बनारस शूटिंग को रोकना पड़ा। संजय लीला भंसाली 'बाजीराव-मस्तानी' और 'देवदास' में भी ऐसा कर चुके हैं। 'पद्मावती' फिल्म में अभिनेता रणवीर सल्तनतकालीन मुस्लिम शासक अलाउद्दीन खिलजी और दीपिका पादुकोण चित्तौड़गढ़ की रानी पद्मावती के किरदार में है। भंसाली का कहना है कि इतिहास के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की गई है। वे ऐसे किसी दृश्य से भी इंकार कर रहे हैं, जिस पर राजपूत करणी सेना और हिन्दू संगठनों को आपत्ति है। आपत्तिकर्ता संगठनों का कहना है कि फिल्म में रानी पद्मिनी के स्वप्न दृश्य में खिलजी के साथ प्रणय सीन हैं। यदि नहीं है तो फिल्मकार इसका पक्का खुलासा क्यों नहीं करते? आखिर वे देश की युवा पीढ़ी को गुमराह क्यों करना चाहते हैं? इतिहास के साथ छेड़छाड़ तो अपराध ही है और ऐसा करने का हक़ किसी को नहीं। लोकसभा में 9 फरवरी को चित्तौड़गढ़ के सांसद सी.पी. जोशी ने इस फिल्म में ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़मरोड़कर गलत चित्रण पर आपत्ति जताई है।

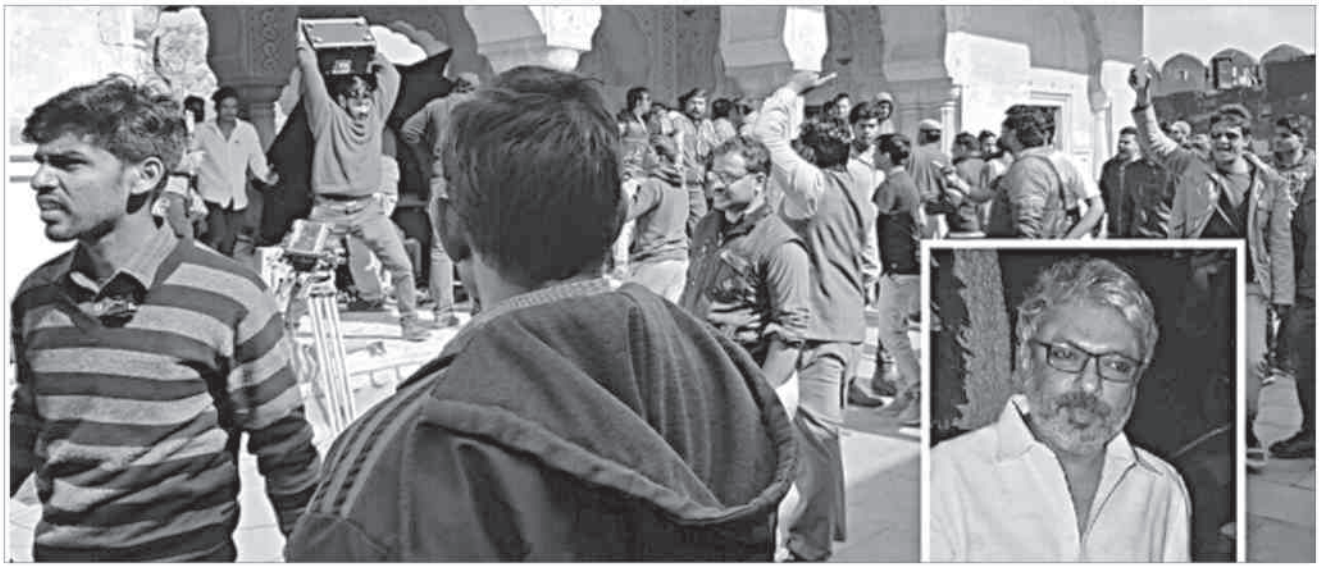

लक्ष्य सिर्फ पैसा कमाना

बॉलीवुड में ऐतिहासिक तथ्यों से छेड़छाड़ और सामाजिक भावनाओं को आहत करने का पुराना ट्रेंड है। गोया कि प्रणय और रोमांस के बिना कोई फिल्म बन ही नहीं सकती। सिर्फ मसालेदार दृश्यों का फिल्मांकन कर आखिर सामाजिक सुधार का कौन-सा प्रयोजन सिद्ध होने वाला है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और फिल्मों में इन दिनों अश्लीलता, कलह, मारधाड़ और भारतीय जीवन मूल्यों के पतनशील दृश्यों की बाढ़ सी आई हुई है। रचनात्मक नजरिये वाली फिल्मों और धारावाहिकों की संख्या नगण्य हैं। इतिहास गवाह है कि भारतीय समाज ने स्वाभिमान, एकता, अखण्डता, संस्कृति की उपेक्षा के कारण ही सैंकड़ों साल की गुलामी झेली। भारतीय समाज में अदम्य साहस, वीरता, राष्ट्रभक्ति और पराक्रम का कतई अभाव नहीं रहा, फिर भी वह कुछ खुदगर्ज व सत्तालोलुपों के कारण विदेशी आक्रांताओं से बार-बार पददलित और गुलामी की जंजीरों में कैद होता रहा। चाहे शक, हूण, मुगल या अंग्रेजों का आक्रमण हो, हर बार भारत मुट्ठी भर आक्रमणकारियों और लुटेरों से परास्त होकर याचक बन गया।

मेवाड़ के बिना शौर्य गाथा अधूरी

मुगलों व अंग्रेजों के समय इतिहास को तोड़ा, मरोड़ा व मन माफिक बनाया गया। इसलिए कहा जा रहा है कि पद्मावती नाम का कोई पात्र खिलजी के समय था ही नहीं। कई लोग साजिशपूर्वक भारतीय परम्पराओं को झूठा बताने से भी नहीं चूकते । गीतकार-संवाद लेखक जावेद अख्तर तो पद्मिनी को इतिहास का हिस्सा ही मानने को तैयार नहीं है। चित्तौड़गढ़ का किला, रानी पद्मिनी का जौहर, अलाउद्दीन का आक्रमण, बाल योद्धाओं के शौर्य सहित सभी तथ्य इतिहासजन्य गौरवपूर्ण दास्तां का अभिन्न हिस्सा हैं। चित्तौड़ के किले का कण-कण उसकी याद आज भी संजायें है। उन्हें कैसे नकारा जा सकता है ? मेवाड़ के चप्पे-चप्पे के जनमानस में इतिहास की घटनाएं चिरस्थायी हैं। महाराणा प्रताप के राष्ट्रप्रेम को भुलाया नहीं जा सकता। पद्मिनी ने सतीत्व रक्षा की खातिर जौहर का वरण कर अपनी आन, बान और शान का परिचय दिया तो सलूम्बर की नवविवाहित हाड़ी रानी ने अपना सिर काट कर पति के पास इसलिए भेज दिया कि दाम्पत्य सुख भोगने से ज्यादा जरूरी राष्ट्र की रक्षा थी। राजस्थानी भाषा के एक वीर रस दोहे में में सास-बहू का संवाद द्रष्टव्य है -

उछल-उछल कर रो रियो सास पालणे बाल,
बहु तू हाथ कटार दे, थम जासी तत्काल।

क्षत्रिय के घर पालने में दोनों हाथ उछाल कर तेजी से रोते बालक को देख बहू सास से पूछती हे कि मैं क्या करूं जो यह रोता-उछलता बंद हो जाए ? सास कहती है करना क्या है ? इसके हाथ में कटार थमा दे वह शांत हो जाएगा, क्योंकि वह शूरवीर का पुत्र जो है।

इसी तरह राष्ट्र रक्षा में जाने वाले पति को क्षत्राणी कहती है -

कंत लखीजे दोहि कुल नथी फिरंती छांह
मुड़िया मिलसी गींदवो, वळे न घण री बांह।

रणक्षेत्र की ओर कूच करते क्षत्रिय को उसकी पत्नी कहती है कि हे पतिदेव ! शौर्य और पराक्रम केवल आपके कुल की ही परम्परा नहीं है, हमारे कुल की भी है। आप दुनिया की चंचल छाया को ही न देखें, क्योंकि यदि आप पीठ दिखा कर घर आ गए तो रात को सोते वक्त तकिया तो मिल सकता है, परन्तु अपनी प्रियतमा की बांह न मिल पाएगी।

ऐसे शूरवीर मेवाड़ की रानी पद्मिनी की यदि आक्रमणकारी खिलजी के साथ रोमांस की मनगढंत कथा दिखाई जाएगी तो प्रतिरोध तो झेलना ही पड़ेगा। सबको पता है कि सन् 1303 में अलाउद्दीन खिलजी ने चित्तौड़गढ़ पर आक्रमण किया, वह भी सिर्फ इस निमित्त कि पद्मिनी को पाना ही है। लेकिन रानी तैयार न हुई और आग में जलकर भस्म हो गई। दिन के उजाले की तरह साफ तथ्यों को नजरअंदाज कर इतिहास और भारतीय परम्पराओं से छेड़छाड़ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का घोर दुरुपयोग है। रानी पद्मिनी हिन्दू समाज के माथे का तिलक है, जिसे मनगढंत प्रेमकथा से कलंकित नहीं किया जा सकता।

इतिहास व जनमानस में पद्मीनी

रानी पद्मावती के साहस और बलिदान की गौरव गाथा इतिहास में अमर है। उसके रूप, यौवन और जौहर व्रत की कथा मध्यकाल से लेकर वर्तमान काल तक गूंजती रही है। गायकों, लोक कलाकारों और आम जनता के बीच पद्मिनी एक आदर्श पतिव्रता, पत्नी तथा भारतीय परम्परा में उत्कृष्ट महिलारत्न के रूप में प्रतिष्ठित है। सिंहल द्वीप के राजा गंधर्व सेन और रानी

चंपावती की बेटी पद्मावती (पद्मिनी) का विवाह चित्तौड़ के राजा रत्नसिंह(रत्नसेन) के साथ हुआ था। कहा जाता है कि पद्मिनी अनिद्य सुन्दरी थी और उसके विवाह के निमित्त स्वयंवर आयोजित हुआ। राजा रत्नसिंह एक विवाहित पत्नी नागमती के होते हुए भी वहां गए और उसे स्वयंवर में जीत कर चित्तौड़ लाए। रानी पद्मिनी की सुन्दरता के चर्चे दिल्ली के सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी तक पहुंचे। पहुंचाने वाला और कोई नहीं, बल्कि राजा रत्नसिंह के ही दरबार में आश्रय पाने वाला संगीतकार राघव चेतन था। एक दिन उसकी हरकतों पर रुष्ट होकर राजा ने उसे राज्य से निष्कासित कर दिया।

अपमान का बदला लेने के लिए वह खिलजी के दरबार में जा पहुंचा। उसने एक तीर से दो निशाने साधे। एक खिलजी से राज्याश्रय पाना और दूसरा रत्नसिंह से प्रतिशोध पूरा करना। उसने खिलजी के सामने रानी पद्मिनी का ऐसा सौन्दर्य चित्र उकेरा, जिसे सुनकर मुगल बादशाह उसे अपने हरम में शामिल करने की ठान बैठा। सेना के साथ वह चित्तौड़ किले की तलहटी में आ धमका। राजपूतों के शौर्य से वह वाकिफ तो था, पर कामान्ध व्यक्ति को न दिन में और न रात में चैन मिलता है। खिलजी ने छलबल का सहारा लिया और राजा रत्नसिंह को समाचार भिजवाया कि वह पद्मिनी को अपनी बहन मानता है और उससे सिर्फ एक बार मिलना चाहता है, उसका प्रस्ताव न माना गया तो युद्ध अवश्यंभावी है। रत्नसिंह राज्य बचाने के इस झांसे में आ गए, पर शर्त रखी कि वह रानी की मात्र जल में ही परछाई दिखाएंगे। पद्मिनी इस शर्त पर ही राजी हुई कि वह कभी उसके सामने नहीं जाएगी। परन्तु धूर्त बादशाह के मन में कुछ और ही था। वह सैनिकों के साथ किले पर आया और सरोवर में रानी की छवि निहार कर और भी पागल हो उठा। उसने तय कर लिया कि रानी को हासिल किए बिना दिल्ली नहीं लौटेगा। शिविर में लौटते वक्त उसने धोखे से रत्नसिंह को बंदी बना लिया और शर्त रखी कि मुक्ति की एवज में पद्मिनी उसे सौंप दे। यह राजपूतों की आन, बान और शान के पूरी तरह खिलाफ और असंभव था।

इधर राजपूत योद्धा गोरा व बादल ने रत्नसिंह को छुड़ाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर योजना बनाई और बादशाह को कहलवाया कि पद्मिनी अपनी सखियों के साथ आपके शिविर में कल सुबह स्वयं आएगी। अंधे के हाट बटेर लगने की उम्मीद जगी और बादशाह बेसब्री से इंतजार करने लगा। चौहान योद्धा गोरा व बादल के नेतृत्व में वेश बदल कर कई सैनिक पालकी में बैठ कर खिलजी के शिविर में पहुंचे। पलक झपकते ही वे खिलजी की सेना पर टूट पड़े और राजा रत्नसिंह को छुड़ा कर ले गए, परन्तु गोरा सहित कई सैनिक शहीद हो गए।पागलों की तरह अलाउद्दीन चीख उठा और किले की घेराबंदी कर दी। किले पर खाद्य आपूर्ति की रुकावट से मजबूर राजा रत्नसिंह ने दरवाजे खोल कर युद्ध करने का निश्चय किया। संग्राम में रत्नसिंह सहित हजारों योद्धा वीरगति को प्राप्त हुए। रानी पद्मिनी जीते जी विधर्मियों के हाथ न पड़ने का दृढ़ निश्चय कर सोलह हजार वीरांगनाओं के साथ चिता की अग्नि में कूद पड़ी। इस जौहर के बाद किले में घुसी मुगल सेनाओं को केवल पद्मिनी की दहकती राख ही देखने को मिली। ■

– **विजय सिंह कच्छावा**

Aashirwad Minerals And Marbles

Manufacturer

Soap Stone Powder (Talc Powder), Calcium Carbonate Powder, China Clay Powder, Silica Powder & Dolomite Powder

Office :
E-93, Pratap Nagar,
Udaipur - 313001
(Raj.) INDIA

Factory :
Jyoti Mineral Industries
Plot No. G-1-80, IID Centre
RIICO Ind. Area, Kaladwas, Udaipur (Raj.)

Telefax : 0294-2490194 | E-mail : ashirwadtalc@yahoo.com | www.ashirwadminerals.com

॥ ॐ श्री श्याम देवाय नमः ॥

JAGAT®

FINEST AUTHENTIC FOODS

SINCE 2000

• चाय पत्ती • मिर्च • हल्दी • धनिया

प्रीमियम रेन्ज : गोल्ड पत्ती चाय, प्रीमियम पत्ती चाय,
तेजा कुट्टी मिर्च, ईरोड हल्दी, प्रीमियम धनिया

दीपक कुमार चेतन कुमार माहेश्वरी

दुकान नम्बर 11, समृद्धि कॉम्पलेक्स, कृषि मण्ड़ी गेट के सामने, उदयपुर

Contact No :- 94142-33490, 98292-92210, 94610-13667

Email:- jagatspices@gmail.com I **Website :-** www.jagatspices.com

महिला उत्पीड़न का शमन सिर्फ दिखावा

सबसे बड़ी विकृति तो महिला सशक्तिकरण की परिभाषा को लेकर भी है। वूमन एम्पावरमेंट की बात में जहां सबसे पहले महिला सुरक्षा पर विचार किया जाना चाहिए। वहां महिलाओं की समाज में बढ़ती भागीदारी को गिना अपनी पीठ थपथपाई जा रही है।

मासूम बच्चियों व युवतियों के साथ होने वाली छेड़छाड़ व उत्पीड़न के प्रकरण सभ्य समाज पर बड़ा कलंक है। दुष्कर्म की घटना के संज्ञान में आते ही विभिन्न प्रकार की प्रतिक्रियाओं के साथ ही विवेचनाएं शुरू हो जाती हैं। संवेदनाओं की बाढ़ आने के साथ ही घटना पुरानी होते ही विस्मृति की भेंट चढ़ जाती है। अपराधी अंजाम तक पहुंचे या नहीं इसका सरोकार पीड़िता व उसके निजी लोगों तक ही सीमित रहता है। घटना जितनी विभत्स होती है उतनी ही संभावना उसकी चर्चाओं में बने रहने की है। भावनाओं का वार कम हो जाता है परन्तु अपराध कम नहीं हो रहे हैं। निर्भया कांड ने जहां पूरे जन-मानस को उद्वेलित कर एकजुट किया था वहीं ऐसी ही अनेकों अभागिनों के साथ होने वाली घटनाओं की चर्चा तक नहीं होती। बलात्कार के मामले मीडिया द्वारा उठाए जाने पर जन समर्थन का निर्माण तो होता है परन्तु एक बार अपराधियों के गिरफ्त में आने के बाद सुध लेने वाले विरले ही रहते हैं।

डॉ. अर्चना शर्मा

आवागमन के पूर्वापेक्षा अधिक सुलभ साधनों, ब्रॉडगेज के विस्तार व शहरों में रोजगार के अवसरों के निर्मित होने के साथ ही सस्ती रहवास व खान-पान की सुविधा ने अन्य प्रदेशों के कामगारों को आकर्षित किया है। शुरूआती दौर में प्रवासियों के लिए रोजगार के अवसर थे, परन्तु उनकी बढ़ती जनसंख्या ने अवसरों को सीमित कर दिया है। रोजगार के अवसर की तलाश में आने वाले अल्प शिक्षित लोग अपोर्चून क्राइम(अवसर की उपलब्धता) को अंजाम देने लगे। इसका सीधा मतलब है कि सोची-समझी वारदात के स्थान पर अवसर की सुलभता उनके कुकृत्य के लिए प्रेरणा देती है। यूं तो अधिकांश मामलों में शोषक निकट परिचित ही पाए गए हैं, वे भी अपोर्चून क्राइम की श्रेणी के ही अपराधी हैं। बस अंतर इतना है कि वे अपनी कुंठा व वासना की पूर्ति के लिए लम्बी प्रतीक्षा के बाद मिले अवसर की तलाश में रहते हैं। इन दो प्रवृत्तियों के लोग सामाजिक व्यवस्था की सबसे बड़ी समस्या हैं और ऐसे अपराध व्यवस्था में कानून बनाए रखने के लिए जिम्मेदारों को घटनाओं की जवाबदेही से बचने के लिए सामाजिक बुराई बताने की सुविधा प्रदान कर रहे हैं।

आदतन अपराधी जो बच्चों व महिलाओं को शिकार बनाते हैं, इनमें भी दो श्रेणियां है - एक, जो मनोवैज्ञानिक तौर पर दुष्कर्म को अंजाम देकर संतोष प्राप्त करते हैं और दूसरे, इस वृत्ति के साथ ही सोने के हाथ व लोहे के पैरों से लैस होने के कारण इसे मनोरंजन का माध्यम मानते हैं। इन घटनाओं की पुनरावृत्ति की निरंतरता इनके प्रति होने वाली संवेदना को कम कर रही है। प्रतिदिन समाचार पत्र ऐसी घटनाओं को छापते हैं जिनमें से कुछ का फोलोअप होता है तो कुछ दब जाती हैं। वैसे भी यह मानवीय प्रवृत्ति है कि एक सी घटनाओं का बार-बार होना उन्में आम बना देता है। शायद स्त्री के अस्तित्व को मृत्यु से भी ज्यादा पहुंचाने वाला कृत्य निन्दनीय अभिव्यक्ति तक सीमित रह गया है।

अपराध करने वालों को कोसने व पुलिस प्रणाली की निन्दा करने तक सीमित हमारा व्यवहार अपरोक्ष रूप से समाज में कैंसर की भांति जड़ें जमाए पाशविक वृत्तियों के उन्मूलन के बारे में विचार के लिए प्रेरणाविहीन है। सबसे बड़ी विकृति तो महिला सशक्तिकरण की परिभाषा को लेकर भी है। वूमन एम्पॉवरमेंट की बात में जहां सबसे पहले महिला सुरक्षा पर विचार किया जाना

चाहिए। वहां महिलाओं की समाज में बढ़ती भागीदारी को गिना अपनी पीठ थपथपाई जा रही है। दावा किया जाता है कि महिला शिक्षा को बढ़ावा दिया गया है, संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहित किया जा रहा है, महिला पोषण के लिए कार्यक्रम संचालित है। लेकिन सच्चाई यह है कि महिला सुरक्षा को लेकर धरातल पर जो संसाधन व इच्छाशक्ति चाहिए उसका वैश्विक तौर पर अभाव है। शिक्षा संस्थान तक जाने वाला रास्ता अश्लील फब्तियों से पटा होने के साथ ही स्टॉकिंग(पीछा) के लिए भी सुलभ है।

शिक्षा के मंदिर कब अपवित्र हो जाएं, अंदाजा लगाना मुश्किल है। प्रतिष्ठित स्कूलों में भी मासूब बच्चियों को शिक्षकों के साथ ही आवागमन करवाने वाले चालकों द्वारा दबोचा जाना असामान्य नहीं है। सरकारी व प्राइवेट दफ्तरों के लिए जारी विशाखा गाईडलाइन्स दिखावा साबित हो रही है। अधिकांश यौन-उत्पीड़न के सम्बन्ध में गठित कमेटियों में निर्धारित मापदण्डों वाले प्रतिनिधि नहीं होते और अधिकांश मामलों में महिला को दोषी ठहराया जाता है। सम्पूर्ण जांच प्रक्रिया के दौरान महिला के चरित्र को लेकर विभिन्न कयास उसके पक्ष में हुए न्याय को धूमिल कर सकता है।

यदि सरकारी एजेन्सियों के आंकड़ों पर गौर किया जाए तो जो तस्वीर सामने आती है वह कानून-व्यवस्था की उस स्याह कहानी को बयां कर रही है जो कानून के राज की समस्त अवधारणा को बेमानी साबित करती है। ये तो वो आंकड़े हैं जो पुलिस में दर्ज होते हैं। जो महिला की हिम्मत के साथ समाज के उस तबके के हौसले का भी परिचायक है जो आगे बढ़कर न्याय के लिए दुहाई लगाता है। देश की पुलिस की प्राथमिकता में शायद यौन-उत्पीड़न के मामलों का अन्वेषण नहीं है। बच्चियों व महिलाओं से हुए दुष्कर्म को स्थापित करने में सबसे महत्वपूर्ण परिस्थितिजन्य साक्ष्य होते हैं जिन्हें यदि घटना के घटित होने के शीघ्र बाद नहीं इकट्ठा किया जाए तो अपराधियों के बच निकलने की संभावना प्रबल हो जाती है।

पुलिस द्वारा गंभीर अपराधों के आंकड़ों को कम दिखाने की प्रवृत्ति भी उन्हें बलात्कार के मामले को आईपीसी की धारा 354 में दर्ज करने के लिए प्रेरित करती है। यौन-उत्पीड़न के मामले के लम्बा खिंचने पर बाहुबल व धनबल का प्रभाव पीड़ित पक्ष को कमजोर बना देता है। ऐसे में अभियुक्तों की रिहाई अपराधियों का हौसला बढ़ाने का काम करती है। समाज में व्याप्त बुराइयों के निदान के लिए कानूनों में परिवर्तन समय-समय पर किए जाते हैं और उनकी अनुपालना आशातीत सफलता भी देती है।

दुखद है कि मानव उत्पत्ति से लेकर अब तक के आधुनिक युग में महिला उत्पीड़न के शमन के लिए लाए गए कानूनी व सामाजिक बदलाव दिखावा साबित हुए है क्योंकि इस समस्या का निदान सीधी रेखा पर चलकर नहीं समाज में व्याप्त समस्त जटिलताओं को केन्द्र बिन्दु में रखकर ही निकाला जा सकता है। पीड़ित, अपराधी और सामाजिक व्यवस्था को दिशा देने वाले लोग, सभी उसी समाज का हिस्सा हैं जो सद्पुरुष और कापुरुष दोनों की उत्पत्ति का मूल है। सामूहिक इच्छा शक्ति ही मानव का मुखौटा लगाकर उत्पीड़न के ठेकेदार दानवों का पर्दाफाश कर सकती है। ■

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

प्रोपराइटर : पंडित लक्ष्मीनारायण गौड़

भारत टैंकर ट्रांसपोर्ट कम्पनी

पंडित एंड संस कोन्ट्रेक्टर्स

सभी प्रकार के एसिड व केमिकल के ट्रांसपोर्टेशन का कार्य टैंकरों द्वारा समस्त भारत में करते हैं।

भारी मशीनरी व एक्सीडेन्टल गाड़ियों को उठाने के लिए क्रेनें हर समय उपलब्ध रहती हैं।

हैवी अर्थमूविंग मशीनें (टाटा-हिटाची, एल.एंड टी.- सीके.-90, पोकलेन, डोजर, डम्पर) किराये पर उपलब्ध हैं

35—ए, सेन्ट्रल एरिया, आवरी माता मंदिर के सामने, उदयपुर (राज.)

दूरभाष : 2584501, 2583334 (ऑ.) 2584502 (नि.) केबल : पंडित जी

ब्रांच : बड़ौदा, वापी, अंकलेश्वर

काले धन पर शिकंजा, चन्दे पर चोट

युवा और कृषि समेत कुछ क्षेत्रों में नई पहल, कुछ उम्मीदें पूरी तो कुछ रहीं अधूरी

– शांतिलाल शर्मा

वित्तमंत्री ने आशा जताई कि इन्फ्रास्ट्रक्चरल खर्च का आधार बनेगा 'इकोनोमिक ग्रोथ' – चुनावी वर्ष फिर भी सस्ती लोकप्रियता का प्रयास नहीं – बहुप्रतीक्षित आयकर छूट से राहत – गांव, गरीब, किसान को प्राथमिकता – मध्यम वर्ग को साधा, अमीरों पर रहम नहीं – रक्षा बजट बढ़ाया – काले धन पर लगाम और राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे पर शिकंजा – अब वित्त मंत्रालय ही चलाएगा रेल – डिजिटल पेमेन्ट बढ़ाया व रोजगार सृजन की जगाई उम्मीदें।

दिशा सही परन्तु क्रियान्वयन कहाँ?

वित्त मंत्री अरूण जेटली ने एक फरवरी 2017–18 का आम बजट ऐसे वक्त पेश किया, जबकि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव सिर पर थे। कांग्रेस सहित सम्पूर्ण विपक्ष ने इसका कड़ा विरोध कर शीर्ष अदालत में याचिका भी दायर की, जिसका लब्बोलुआब यह था कि लोक लुभावन योजनाओं से केन्द्र सरकार चुनाव जीतने की साजिश कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। बजट सरकार के वित्तीय आंकड़ों का वह लेखा–जोखा होता है, जिसमें अगले वित्तीय वर्ष के लिए मंत्रालयों और योजनाओं के लिए धन आवंटन किया जाता है। आजादी के बाद देश की सरकारें ब्रिटिश पैटर्न पर ही फरवरी के अंत तक बजट पेश करती रही। इस लिहाज से प्रचलित लीक को छोड़कर एक फरवरी को ही बजट प्रस्तुत हुआ। अब तक आम बजट और रेल बजट अलग–अलग हुआ करते थे। पहली बार रेल बजट को आम बजट में मर्ज किया गया। हर बजट में नीतिगत और राहत की घोषणाएं होती हैं। इस बार राहत और सुधार के बीच एक संतुलन दिखाई पड़ा। बजट में बीते साल 8 नवम्बर को हुई नोटबंदी का भी प्रभाव नजर आया।

गांव, गरीब और किसान को वरीयता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महंगाई पर लगाम कसने, भ्रष्टाचार को थामने और रोजगार बढ़ाने के वादों के साथ सत्ता में आए थे। बर्ड्स व्यू एंगल से देखें तो महंगाई कुछ नरम है। इस सरकार के अब तक के कार्यकाल में कोई बड़ा घोटाला भी सामने नहीं आया, परन्तु रोजगार बढ़ाने के मोर्चे पर पूरी तरह नाकाम सिद्ध हुई है। रही सही कसर नोटबंदी अभियान ने पूरी कर दी। इसने न केवल लोगों की आय–व्यय क्षमता को प्रभावित किया, अपितु उद्योग, व्यापार, बैंक, बीमा, वित्तीय संस्थानों, शिक्षण व चिकित्सा संस्थानों आदि को भी बुरी तरह झकझोर दिया। रोज कमाने खाने वाले लोगों की तो कमर ही टूट गई। ग्रामीण क्षेत्र में कृषि, व्यापार, लघु एवं कुटीर उद्योग, यातायात, उधारी सहित तमाम क्षेत्रों के पहिए थम गए। इस दृष्टि से बजट में वंचित वर्गों एवं अछूते क्षेत्रों में दिल खोल कर राहत प्रदान की गई। गांव, गरीब और किसान केन्द्रित बजट में कृषि क्षेत्र में किसानों की आय अगले पांच वर्ष में दुगुना करने का वायदा हुआ। अप्रेल से शुरू होने वाले नए वित्तीय वर्ष में 10 लाख करोड़ रुपये की कृषि साख वितरित की जाएगी। बीस हजार करोड़ के दीर्घकालिक सिंचाई कोष बनाने का प्रावधान है, जो पिछले वर्ष के इतने ही बजट से अलग है। कृषि विकास दर को 4.1 प्रतिशत करने का लक्ष्य है। कृषि क्षेत्र के लिए गत वर्ष की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक व्यय यानी कुल 1.87 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान है। मनरेगा के लिए 38.5 हजार करोड़ से बढ़ाकर 48 हजार करोड़ रुपये निर्धारित किए हैं। ग्राम सड़क योजना के लिए 10 हजार करोड़ अलग से खर्च होंगे। वर्ष 2018 के अप्रैल माह तक शत–प्रतिशत ग्रामीण इलाकों का विद्युतीकरण किया जाएगा। ग्रामीण आवास योजना के लिए 23 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान है। बजट ने इस धारणा को तोड़ा है कि सरकारें केवल अमीरों की ही चिंता करती है।

मध्य वर्ग को राहत

आयकर का टैक्स स्लैब पिछले चार साल से नहीं बदला गया था। आम बजट में कर मुक्त आय की सीमा बढ़ाने की बजाय सरकार ने सिर्फ 5 लाख रुपये तक आमदनी वालों को कर दर पर ही राहत प्रदान की है। कर मुक्त आय की सीमा 3.0 लाख रुपये रखी गई है। 3.0 से 5 लाख तक आय पर 5 फीसद की दर से टैक्स देना होगा। 5 से 10 लाख तक आय पर 20 फीसद और 10 लाख से ऊपर आय पर 30 फीसद टैक्स भरना होगा। टैक्स का स्लैब काफी तर्कसंगत बनाया है। इससे नौकरीपेशा और मध्यम टैक्सपेयर्स को काफी राहत मिलेगी। पहली बार रिच यानी 50 लाख से 1 करोड़ की कमाई पर 10 फीसद सरचार्ज और 1 करोड़ से ऊपर की कमाई वाले सुपर रिच पर 15 फीसद सरचार्ज लगेगा। बजट छोटों पर नरमी और बड़ों पर हल्की गरमी वाला है। देश में 3.7 करोड़ लोग आयकर रिटर्न दाखिल करते हैं। इनमें से 99 लाख लोग अपनी आमदनी ढाई लाख रुपये से कम दिखाते हैं, यानी वे आयकर के दायरे से बाहर हैं। डेढ़ करोड़ लोग अपनी आमदनी ढाई से पांच लाख के बीच, करीब 52 लाख लोग पांच से दस लाख के बीच और 25 लाख अपनी आमदनी दस लाख से अधिक दिखाते

यह बजट देश के विकास, भविष्य और नई पीढ़ी के लिए महत्वपूर्ण है जिसमें गांव, गरीब, किसान सभी के हितों का ध्यान रखा गया है।

नरेन्द्र मोदी,
प्रधानमंत्री

यह केवल शेर-शायरी वाला बजट है। बजट में किसानों और युवाओं के रोजगार के लिए कुछ नहीं है। कोई स्पष्ट दृष्टिकोण और सोच नहीं है।

राहुल गांधी,
कांग्रेस उपाध्यक्ष

हैं। पचास लाख से अधिक आमदनी दिखाने वालों की संख्या सिर्फ 1.72 लाख हैं, जबकि पांच सालों में 1.25 करोड़ से अधिक कारें बिक्री और 2 करोड़ लोगों ने विदेश यात्रा की। जाहिर है कि तमाम टैक्स देने में सक्षम होने के बाद भी आयकर नहीं देते। नया स्लैब उनकी मुश्किलात कम करेगा।

लघु-मध्यम उद्योगों व कॉर्पोरेट क्षेत्र को प्रोत्साहन

टैक्स और दूसरे इन्सेंटिव से कंपनियों को 83.492 करोड़ रुपये का लाभ मिलेगा, जो गत वर्ष से 6.63 फीसद अधिक है। एसईजेड में प्लांट लगाने वालों को पूंजीगत निवेश पर 20 फीसद और नॉन-एसईजेड इलाके में 20 फीसद सब्सिडी मिलेगी। कंपनियों के लिए कॉरपोरेट टैक्स की दर को 30 प्रतिशत से घटाकर 25 प्रतिशत करने से करीब 95 फीसद औद्योगिक इकाइयों को फायदा मिलेगा। छोटे उद्योगों और स्टार्टअप के लिए बैंकों से सस्ता ऋण मिल सकेगा और देय इनकम टैक्स में कटौती की गई है। हालांकि छोटे उद्योगों को इनकम टैक्स छूट के बजाय एक्साइज ड्यूटी में छूट बढ़ानी थी। भारतीय अर्थव्यवस्था अभी भी 2012 में शुरू हुई मंदी की गिरफ्त में है। नोटबंदी ने सरकार के भरोसे को और डिगाया है। औद्योगिक क्षेत्र की वृद्धि दर 5.2 फीसद के स्तर पर पहुंच गई है, जो पिछली बार 7.4 प्रतिशत थी। बजट में नए उद्यमियों को प्रोत्साहन की कमी नजर आती है। देश में बीते साल कई स्टार्टअप बंद हो चुके हैं। हालांकि बजट में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए प्रारंभिक लाभ के तहत छूट पांच वर्ष में से तीन वर्ष के स्थान पर सात वर्ष में तीन वर्ष के लिए उपलब्ध होगी। सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि औद्योगिक सेक्टर की मजबूती के बिना देश की ग्रोथ रेट नहीं बढ़ पाएगी। मैन्युफैक्चरिंग में भारत दुनिया का छठा सबसे बड़ा देश बन गया है। इस क्षेत्र में लाखों रोजगार सृजन के अवसर बन सकते हैं। इस ओर ध्यान की जरूरत है।

'समझ' की कसौटी पर 'कौशल' का प्रवाह

शिक्षा और रोजगार में स्किल की मजबूती समय की मांग है। आमतौर पर सरकारें शिक्षा को दोयम दर्जे का मान कर यथास्थिति वाद पर ही चलती है। आम बजट में इसे महत्त्व देकर शिक्षा को सही दिशा देने की कोशिश हुई है। सीबीएसई, एआईसीटीई जैसी प्रमुख संस्थाओं को प्रवेश परीक्षाओं से दूर रखा गया है। 350 ऑनलाइन पाठ्यक्रम उन लोगों के लिए मुफीद हो सकते हैं, जो काम करने के साथ पढ़ने और आगे बढ़ने का सपना पाले हैं। शिक्षा में गुणवत्ता लाने और उसे रोजगारमूलक बनाने पर खासा जोर है। शिक्षा में पिछड़ रहे 3479 ब्लॉकों में नवोन्मेष निधि बनाई जाएगी। रोजगार अभिवृद्धि के लिए 100 अन्तरराष्ट्रीय स्तर के स्किल सेन्टर बनाए जाएंगे, जिनमें प्रशिक्षित युवक विदेशों में भी रोजगार योग्य बन सकेंगे। देश के 600 जिलों में कौशल केन्द्रों का विस्तार होगा, जिनमें 3.5 करोड़ युवाओं को योग्य बनाया जाएगा। विद्यालयों में वार्षिक ज्ञान परिणाम मापने का सिस्टम विकसित होगा। सर्व शिक्षा के लिए 23500 करोड़ और माध्यमिक शिक्षा के लिए 3830 करोड़ रुपये दिए गए हैं। बालिका शिक्षा के लिए भी 320 करोड़ रुपये का प्रावधान है। शिक्षा का कुल बजट 79686 करोड़ का है। सरकारी शिक्षा क्षेत्र की साख बेहद नीचे गिर चुकी है अत: उसे पटरी पर लाना छात्रों के हित में जरूरी भी है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर, रियल स्टेट, हाउसिंग को लगे पंख

सरकार ने आम बजट में ढांचागत सुधार पर विशेष ध्यान दिया है। जनजीवन की जीवन-रेखा इन्फ्रा ही है। अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्व काल में चतुर्भुज सड़क परियोजना के आकार लेने पर पूरे देश की सड़कों का उल्लेखनीय कायाकल्प हुआ था। इस बजट में इसे प्राथमिकता देकर हाईवेज बनाने के लिए 64900 करोड़ का प्रावधान है। वहीं ग्रामीण सड़कों के लिए 19 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। बीकानेर में 4,200 करोड़ रुपये का देश का सबसे बड़ा ऑयल रिजर्व सेन्टर बनेगा। रियल एस्टेट को उबारने के लिए कई फैसले लिए गए हैं। छोटे मकानों पर बिल्डर्स को छूट बरकरार रखी गई है। बिल्टअप एरिया के बजाय कारपेट एरिया गिना जाएगा। अफोर्डेबल हाउसिंग को इन्फ्रा का दर्जा मिला तथा डेवलपर्स अब बिना बिके मकान पर निर्माण के एक साल बाद टैक्स दे सकेंगे। नेशनल हाउसिंग बोर्ड को 20 हजार करोड़ और प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए 23 हजार करोड़ दिए गए हैं। 2019 तक गांवों में एक करोड़ घर बनेंगे। डेवलपर्स को सस्ता कर्ज मिलेगा तथा प्रोजेक्ट पूरा करने की अवधि की शर्त भी बढ़ाकर 5 वर्ष की गई है। केपिटल गेन टैक्स भी घटाया गया है।

स्वास्थ्य और मूलभूत आवश्यकताएं

आम नागरिकों में सरकारी स्तर की स्वास्थ्य व चिकित्सा सेवाओं से असंतोष व्याप्त है। अस्पतालों में डॉक्टरों की भारी कमी है। अधिक डॉक्टर तैयार करने के लिए मेडिकल कॉलेज खोलने और मेडिकल सीटें बढ़ाने की पहल हुई है। दो नए एम्स खोलने और चिकित्सा में 5000 सीटें बढ़ाने की योजना है। बड़े अस्पतालों में डीएनबी पाठ्यक्रम शुरू करने और पीजी शिक्षण मजबूत करने पर बजट घोषणाएं हुई हैं। जानलेवा बीमारियों की रोकथाम तथा उन्हें समूल नष्ट करने का समयबद्ध लक्ष्य तय किया गया है। शिशु मृत्यु दर व मातृ मृत्यु दर कम करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। गरीब तबके को सस्ती जेनेरिक दवाएं दी जाएगी। वरिष्ठजनों, महिलाओं व बालिकाओं के कल्याण की अनेक योजनाएं बनाई गई हैं। महिला सशक्तीकरण के प्रयास होंगे तथा गर्भवती महिलाओं को सीधे 6 हजार रुपये उनके खाते में पहुंचेंगे। गांवों में पाइपलाइनों से शुद्ध पानी पहुंचेगा। 15 माह में देश के सभी गांव बिजली से जगमग होंगे। ब्रॉडबैण्ड की मदद से संपूर्ण देश को डिजिटल करने के प्रयास होंगे। 1.5 लाख गांवों में हाईस्पीड इंटरनेट मिलेगा। देश भर में उन्नत चूल्हे और एलपीजी कनेक्शन का प्रसार होगा।

सरहदों की सुरक्षा

पिछले साल सरहद पार से हो रहे आतंकी हमलों तथा संघर्ष विराम उल्लंघन की हरकतों के मद्देनजर रक्षा बजट में 16 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की गई है। कुल 2.74 लाख करोड़ के सुरक्षा बजट के बाद सरहदें काफी सुरक्षित होने का अनुमान है। पुलिस बलों का आधुनिकीकरण और सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम

संचालित होगा। सुरक्षा बजट बढ़ाना देश की मजबूरी है। हालांकि रक्षा जितना खर्च स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास पर हो तो देश का काया पलट हो सकता है, क्योंकि इसकी वजह से बुनियादी जरूरतें दरकिनार हो जाती है। भारत में एग्रीकल्चर पर महज 2.40 प्रतिशत ही मिला है। अमरीका, चीन और ब्रिटेन रक्षा पर खर्च करने वाले विश्व में तीन शीर्ष देश बने हुए हैं। वहीं इस बार भारत का चौथा सबसे बड़ा रक्षा बजट है।

वित्त मंत्रालय चलाएगा रेल

आम बजट के साथ रेल बजट प्रस्तुत कर वित्त मंत्री ने 93 साल पुरानी परम्परा को किनारे कर दिया। रेलवे बजट के लिए एक लाख इकत्तीस हजार करोड़ का प्रावधान रखा गया है। इसमें 3,500 किलोमीटर नई रेल लाइन बिछेगी। एक लाख करोड़ रुपये की धन राशि से राष्ट्रीय रेल सुरक्षा कोष का सृजन होगा। 25 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास भी होगा। रेल किराया व भाड़ा में बदलाव के संकेत नहीं है। रेलवे के ई-टिकिटिंग पर टैक्स नहीं लगेगा। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए बजट में विशेष प्रावधान है। पिछली परम्परा में रेल मंत्री अपने प्रदेश और क्षेत्र में सर्वाधिक रेल बजट लगाते थे। इससे देश के कई क्षेत्र आजादी के 70 साल बाद भी रेल सुविधा से महरूम रहे हैं। पहली बार राजस्थान के मेवाड़ क्षेत्र को रेलवे का 'प्रसाद' मिला है। नीमच-बड़ी सादड़ी और मावली-मारवाड़ आमान परिवर्तन योजना को मंजूरी मिली है। वहीं वागड़ में बरसों से लम्बित मांग पूरी होने से हर्ष है। अब मेवाड़, मारवाड़, वागड़, मालवा तथा गुजरात संस्कृति एकाकार होकर देश के कई प्रमुख शहरों से जुड़ने का सपना पूरा होने के आसार बने हैं। उदयपुर-अहमदाबाद आमान परिवर्तन के लिए भी पर्याप्त फंड दिया गया है।

अल्पसंख्यक व आरक्षित वर्ग तथा अन्य कल्याणकारी प्रोजेक्ट

2.44 लाख करोड़ प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के लिए प्रस्तावित है, जिससे कृषि भूमि को उर्वरा बनाया जाएगा। बजट में जनजातियों, दलितों, पिछड़े, वर्गों, अल्पसंख्यकों और महिलाओं को उद्यम ऋण के लिए प्राथमिकता होगी।

हम अनौपचारिक से औपचारिक अर्थव्यवस्था की ओर जा रहे हैं। सरकार को अब सार्वजनिक धन के विश्वसनीय संरक्षक के रूप में देखा जा रहा है। इसी कड़ी में नोटबंदी एक साहसिक कदम था।

- अरुण जेटली, वित्त मंत्री

अनुसूचित जातियों एवं अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए 52,393 करोड़ का प्रावधान किया गया है। सामाजिक न्याय के लिए 7,353 करोड़ मिले हैं। गरीबी दूर करने के लिए मिशन 'अंत्योदय' शुरू किया जाएगा। भ्रष्टाचार तथा घोटालों में फंसे राजस्व की उगाही कर उसका जनकल्याण कार्यों में उपयोग होगा। उम्मीद है इससे गरीबी उन्मूलन की दिशा में अच्छा काम हो सकेगा। एनपीए से खस्ताहाल बैंकों को इन्द्रधनुष योजना के तहत 10 हजार करोड़ का फंड मुहैया कराया जाएगा।

जीएसटी से टैक्सों में होगा सुधार

वित्तमंत्री ने बजट में सेवा कर में वृद्धि नहीं की है। गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) लागू होने पर सर्विस टैक्स में वृद्धि हो सकती है। इस समय देश की लगभग 55 प्रतिशत आय सेवा क्षेत्र से आ रही है। इसमें तमाम सेवाएं शामिल हैं, जैसे रेल यात्रा, रेस्तरां में भोजन करना, सॉफ्टवेयर को बनाना इत्यादि। सेवा क्षेत्र में ही नए रोजगार उत्पन्न हो रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि जुलाई के बाद जीएसटी लागू हो जाएगा। तब सरकार के पास ऐसी जानकारी आनी शुरू हो जाएगी, जिससे टैक्स चोरी को रोका जा सकेगा। जीएसटी के साथ नकदी रहित लेन-देन का ढांचा बनाना इसी कड़ी का हिस्सा है। जीएसटी की अहम् बैठक 18 फरवरी को वित्तमंत्री अरूण जेटली की अध्यक्षता में उदयपुर में सम्पन्न हुई। इसमें जीएसटी को अंतिम रूप दिया गया। अब इसे लागू करने की औपचारिकता मात्र बाकी है। इससे व्यापारियों के साथ आम उपभोक्ताओं को खासा फायदा मिलने की उम्मीदें हैं। कर चोरी करने वालों को सामने लाने के साथ ही सरकार राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे को भी साफ-सुथरा बनाने की दिशा में अग्रसर हुई है। दो हजार रुपये से अधिक के चंदे के स्रोत की घोषणा को अब अनिवार्य किया गया है। पहले यह सीमा बीस हजार रुपये थी। नि:संदेह सरकार ने देश की आर्थिक दिशा को अधिक स्पष्ट करने के लिए आम बजट के रूप में मिले अवसर का भरपूर लाभ उठाया है। 2016-17 के लिए जीडीपी वृद्धि दर 6.5 से 6.75 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है। नोटबंदी के असर से इसमें दो फीसद गिरावट का अंदेशा भी व्यक्त किया जा रहा है। ■

समाचार पत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से सम्बन्धित विवरण

घोषणा पत्र फार्म-4

1. प्रकाशन स्थल	उदयपुर
2. प्रकाशन अवधि	मासिक
3. मुद्रक का नाम	आशीष बापना
क्या भारत का नागरिक है	हां
पता	पायोराईट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. गुलाबबाग रोड, उदयपुर
4. प्रकाशक का नाम	पंकज शर्मा
क्या भारत का नागरिक है	हाँ
पता	रक्षाबंधन, धानमण्डी, उदयपुर
5. सम्पादक का नाम	विष्णु शर्मा हितैषी
क्या भारत का नागरिक है	हाँ
पता	हितैषी भवन, सूरजपोल अन्दर, उदयपुर
6. उन व्यक्तियों के नाम व पते, जो समाचार पत्र के स्वामी हो तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार हो	पंकज शर्मा रक्षाबंधन, धानमण्डी, उदयपुर

मैं पंकज शर्मा एतद् द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य है।

दिनांक : 1 मार्च, 2017 **पंकज शर्मा**

स्थान : उदयपुर **प्रकाशक**

क्या आप विक्रम समान उदार हैं?

राजा भोज के शासनकाल में एक किसान के खेत पर बोलते बिजूका के स्थान से जमीन खोदने पर एक सिंहासन निकला, जिस पर बत्तीस पुतलियां निर्मित थीं। राजा उसे अपने महल ले गए। साज-सज्जा के बाद जैसे ही वे उस पर बैठने लगे कि सभी पुतलियां खिलखिलाकर हंसने लगी। कारण पूछने पर उन्होंने बार-बारी से इस सिंहासन से संबंधित बत्तीस प्रसंग सुनाए। दो पुतलियों ने जो कहा वह पिछले अंकों में आप पढ़ चुके हैं, ***प्रस्तुत है तीसरी पुतली का कथन –***

हे राजन! यदि आप सम्राट विक्रमादित्य के समान उदारता आदि गुणों से युक्त हों, तो सिंहासन के उत्तराधिकारी बन सकते हैं। उनकी उदारता का एक प्रसंग सुनाती हूँ।

विक्रमादित्य की सभा में एक बाजीगर आया और बोला राजन आप संपूर्ण कलाओं के ज्ञाता हैं, अत: मेरे विद्या के चातुर्य को भी प्रसन्न होकर देखिए। राजा ने कहा- अभी तो फुर्सत नहीं, कल देखूंगा। अगली सुबह वह बाजीगर तो आया नहीं, परन्तु एक भीमकाय व्यक्ति हाथ में नंगी तलवार लिए पहुंचा, साथ में एक सुन्दर स्त्री थी। नतमस्तक प्रणाम कर वह महाकाय व्यक्ति बोला। राजन! मैं इन्द्र का सेवक हूँ, स्वामी से अभिशप्त होकर भूलोक में भटक रहा हूँ। आज ही मेरे स्वामी इन्द्र पर संकट आन पड़ा है। देवता और दानवों के बीच घोर युद्ध छिड़ गया है और स्वामी की रक्षा के निमित्त मैं युद्धक्षेत्र पहुंचने को उद्यत हूँ। आप न्याय के देवता समान हैं, अत: अपनी पत्नी आपके संरक्षण में छोड़ कर जाना चाहता हूँ। बात पूरी करते ही वह अर्न्तध्यान हो गया। कुछ ही देर बाद आसमान में मारो-काटो की आवाजें गर्जने लगी। सभा में बैठे सभासद आकाश की ओर कुतूहल से देखने लगे। चन्द क्षणों में राजसभा के मध्य खून सनी तलवार सहित कटी बांह आ गिरी। सभी चिल्ला उठे, ओह! इस सुन्दरी का पति युद्ध में मारा गया। इतने में एक नरमुण्ड गिरा, अगले ही पल धड़ाम से एक धड़ भी आ गिरा। सभा में हाहाकार मच गया। मृतक की पत्नी विलाप करते बोली हे महाराज! मेरे लिए एक पल भी जीवित रहना नामुमकिन है। मेरे पति युद्ध में मारे गए हैं और तलवार, बांह, सिर और धड़ भी उन्हीं का है। मैं इसी वक्त अग्नि में जलकर पतिव्रता धर्म निभाऊंगी। दुखी मन से राजा ने चन्दन की चिता तैयार करवाई और राजा से आज्ञा पाकर पति की पार्थिव देह के साथ वह महिला अग्नि प्रवेश कर गई। इसके तुरन्त बाद सूर्यास्त हो गया। अगले दिन विक्रमादित्य के सानिध्य में राजदरबार में शोकसभा हुई। शोकाभिव्यक्ति के बीच ही वही पुरुष चमचमाती तलवार लिए उपस्थित हुआ। सब आश्चर्य चकित थे। उसने आते ही राजा विक्रम को निशानी के तौर पर कल्पवृक्ष के पुष्पों की मनोहर माला अर्पित की। बिना रुके वह वीभत्स युद्ध की घटनाएं धारा प्रवाह सुनाने लगा। सभा भय मिश्रित आश्चर्य से सिहर उठी। युद्ध का पूरा वृतांत सुनाने के बाद उस महाकाय पुरुष ने कहा, हे राजन! अब मेरे स्वामी मुझ पर प्रसन्न हैं और उन्होंने मेरा शाप भी वापस ले लिया है, अत: अब मुझे पृथ्वीलोक पर रहने के बजाय इन्द्रलोक प्रस्थान करना है। आप धर्म, मर्म और कर्म के सिरमौर हैं, मेरी पत्नी वापस कीजिए, ताकि मैं इन्द्रलोक जा सकूं। विक्रम मूर्तिवत खामोश बैठे रहे। वीर पुरुष ने कहा आप चुप क्यों है? मेरी अमानत मुझे लौटाते क्यों नहीं? राजा तो कुछ बोल नहीं पाए, परन्तु सभासदों ने कहा, 'तुम्हारी पत्नी अग्नि में प्रवेश कर गई।' उसने कहा किसलिए? विक्रमादित्य साहस जुटा कर बोले, 'हे नायक आपके सिर, धड़ को देखकर हमने समझा कि आप युद्ध में मारे गए हैं। मेरी और सभासदों की अनुमति से मृत शरीर के साथ आपकी पत्नी अग्नि में प्रवेश कर गई।' नायक ने कहा, 'हे राजन! आपने उसे अपने महलों में छिपा लिया है, क्योंकि वह रूपवान है।' सभासदों की गवाही पर भी वह पुरुष नहीं माना और तलवार हाथ में लिए महलों की ओर लपका। अगले ही क्षण वह अपनी सुन्दर स्त्री को हाथ पकड़े सभा में ले आया। घूंघट हटा कर कहा, 'यह रही मेरी पत्नी।' सभी घोर विस्मय के साथ फटी आंखों से देखने लगे। अगले ही पल उस पुरुष ने हंसते हुए कहा, 'महाराज विक्रम मैं वही बाजीगर हूँ। मैंने अपनी इन्द्रजाल विद्या का यह कमाल दिखाया है।' उसी वक्त विक्रम के भंडार अध्यक्ष ने आकर राजा को सूचना दी कि पांड्य देश के राजा ने श्रीमान के लिए कर के रूप में नजराना भेजा है, जिसमें अठारह करोड़ स्वर्ण मुद्राएं, तिरानवे तोला मोती, पचास हाथी और तीन सौ घोड़े हैं। विक्रमादित्य तपाक से बोल पड़े, यह समस्त संपदा इस बाजीगर को भेंट की जाए। कहानी सुना कर पुतली बोली – 'हे राजन! यदि आप में ऐसी ही विलक्षण उदारता हो तो इस सिंहासन पर बैठिए। राजा भोज ने इस वृतांत को सुन कर सिर झुका लिया।' ■

क्रमश:

आलेखों में नयापन

सेन्टर पेज पर ऋतुराज वसंत का विवरण मन को भाया। प्रस्तुतीकरण श्रेष्ठ रहा, परन्तु कलर कॉम्बीनेशन में सुधार की गुंजाइश है। कवर पेज में भी कलर का फीकापन साफ नजर आया। मुद्रण सम्बंधी सुधार की जरूरत है। कलर पेजों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए।

- डॉ. देवश्री छापरवाल

पाठक-पीठ

महिला अत्याचार व उत्पीड़न

हमारा समाज इक्कीसवीं सदी के पूर्वार्द्ध को पूरा कर विकास, समानता, आधुनिकता और शिक्षा की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इधर, नैतिकता, धर्म, परम्परा व सदाचार की लगातार दुहाई दी जा रही है। बाहरी तौर पर महिलाओं को सशक्त बनाने के प्रयास भी हो रहे हैं। लेकिन समाज, संस्कृति और देश के हालात देख कर नहीं लगता कि अपेक्षित सुधार हो रहा है। महिलाओं व बच्चियों को लगातार शोषण का शिकार बनाया जा रहा है। 'प्रत्यूष' के फरवरी अंक में 'गुलशन में कैसे-कैसे कैक्टस' पढ़ कर आत्मा सिहर उठी।

- डॉ. सिमी सूद

रोचक और ज्ञानवर्द्धक

सिंहासन बत्तीसी का आख्यान काफी रोचक लगा। यह सही है कि अधिकांश लोग प्रारब्ध द्वारा दिए जा रहे बेशुमार अवसरों को आलसपन में गंवा देते हैं। यानी प्रारब्ध के साथ जो हमें लब्ध हुआ उसे सहेजना भूल जाते हैं। इसी कारण व्यक्ति उपेक्षित और वंचित जीवन जीने को अभिशप्त हो जाता है। राजनीतिक आलेखों की टिप्पणियां काफी सटीक रही। ड्रेजर्ट फेस्टीवल और बेणेश्वर के लोकोत्सव की अच्छी जानकारी दी गई है।

- महावीर जैन

होली पर हो कुछ खास मीठा

- पुष्पा जांगिड़

होली के दिन की शुरूआत रंगों के साथ तो होगी ही, यदि वह मिठास और रसभरी भी बन जाय तो यह त्योहार अधिक यादगार और खूबसूरत बन जाएगा।

गाजर बर्फी

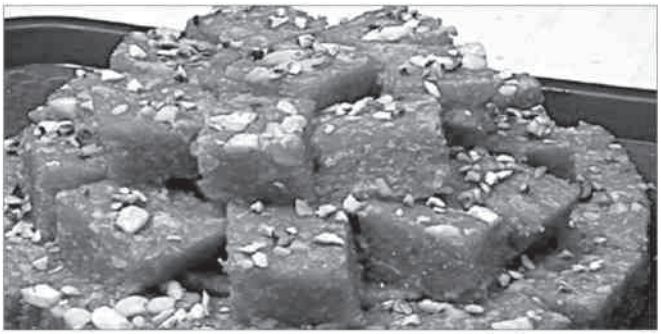

क्या चाहिए : 250 ग्राम गाजर, 100 ग्राम शक्कर, 500 मिली दूध, 1 चुटकी इलायची पाउडर, 10 ग्राम घी, 10 ग्राम पिस्ता बारीक कटा।

ऐसे बनाएं : गाजर धोकर, कीस लें। कटी हुई गाजर को दूध में आधी हो जाने तक पकाएं। शक्कर डालकर तब तक पकाएं, जब तक गाजर बर्तन के किनारे छोड़ने लगे। इसमें घी, इलायची पाउडर मिलाएं और अच्छी तरह चलाते हुए पकाते रहें। पकने पर इसे किसी ट्रे में निकालें और ठंडा करें। कटे हुए पिस्तों से सजावट करें। मनचाहे आकार में काटें और सर्व करें।

गोले की पीली बर्फी

क्या चाहिए : 250 ग्राम मावा, 500 ग्राम गोले का बूरा, 600 ग्राम चीनी, 1 कप पानी, 2 छोटे चम्मच इलायची पाउडर, 1 छोटा चम्मच घी थाली पर चुपड़ने के लिए, एक चुटकी मीठा पीला रंग, 15 पिस्ते, 10 बादाम, 15 काजू, कुछ चांदी के वर्क

विधि : सबसे पहले मावे को हाथों से खोलकर फैला दें। एक कड़ाही में आंच पर चाशनी बना लें, जब चाशनी बन जाए तो उसमें मीठा पीला रंग मिलाकर नीचे उतार लें और हल्का ठण्डा कर लें, फिर उसमें खोला हुआ मावा व गोले का बूरा डाल दें। ध्यान रहे मावा कच्चा ही रहेगा। हां अब अच्छी तरह मिलाकर घी लगी थाली में बर्फी जमा दें। ऊपर से पिसी इलायची व बारीक कटे हुए मेवे, चांदी के वर्क लगाकर सजा दें। गोले की पीली बर्फी तैयार है, खाएं और खिलाएं भी।

सिंघाड़ा हलवा

क्या चाहिए : 150 ग्राम सिंघाड़े का आटा, स्वादानुसार शक्कर, 1/4 छोटा चम्मच दूध में भीगी हुई केसर, 10-12 घी में तले हुए काजू, बादाम व पिस्ते, 15 मुनक्के, 3 अंजीर के टुकड़े, 1 छोटा चम्मच इलायची पाउडर, 50 ग्राम राजगीरे का आटा, 150 ग्राम घी, 50 ग्राम नारियल का बूरा।

ऐसे बनाएं : कड़ाही में घी गर्म कर उसमें नारियल का बूरा, सिंघाड़े व राजगीरे का आटा डाल सुनहरा होने तक पका लें। इलायची पाउडर, केसर, काजू, मुनक्का, अंजीर के टुकड़े, पिस्ते, बादाम व शक्कर डालकर अच्छी तरह मिलाएं और पकने दें। तैयार सिंघाड़े के हलवे पर केसर इलायची पाउडर एवं मेवे सजाएं।

साबूदाना केसर रबड़ी

क्या चाहिए : 800 ग्राम दूध, 1/4 छोटा चम्मच दूध में भीगी हुई केसर, स्वादानुसार शक्कर, 1 छोटा चम्मच इलायची पाउडर, 100 ग्राम साबूदाना।

ऐसे बनाएं : कड़ाही में दूध गर्म करने रखें। दूध उबालते रहें, जब तक एक-चौथाई न रह जाए। साबूदाने को धोएं और एक घंटा पानी में भिगोकर रखें। दूध में साबूदाना, शक्कर, इलायची पाउडर व केसर डालकर अच्छी तरह पका लें। तैयार रबड़ी पर इलायची पाउडर व केसर सजाकर ठंडा करें। ■

(सामग्री परिवार के सदस्यों के अनुसार घटाई-बढ़ाई जा सकती है।)

Ravi Kalra
Sandeep Kalra

Cell : 9680511711
9414155258

G.S Traders

Auth. Dealer :

Nice, Rock, FIT-WIT
Bairathi, Lakhani, Sumoto

Gurmukh Kalra
Rahul Kalra

Cell : 9001714646
9929022680

G.S FOOTWEAR

L.L.L GED

hot springs

25, Dhanmandi School Road, Udaipur (Raj.) 313 001

दहशतज़दा

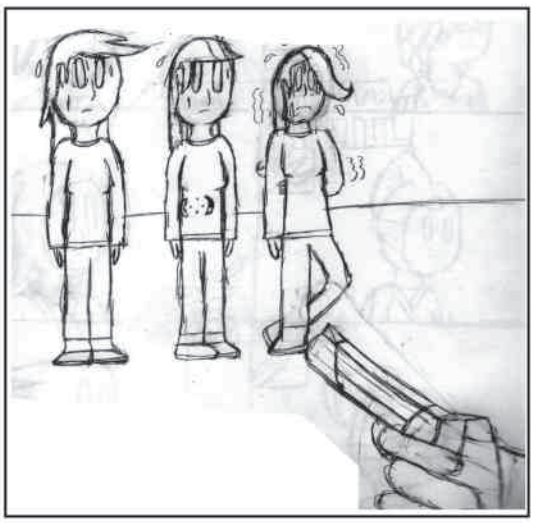

पेशे से वरिष्ठ वैज्ञानिक मुम्बई के माधव सक्सेना 'अरविंद' कथा जगत में एक हस्ताक्षर हैं। उन्होंने कुछ समय तक 'कथाबिम्ब' नामक पत्रिका का सम्पादन भी किया, जिसका 'आमने-सामने' स्तंभ काफी लोकप्रिय हुआ। उन्हीं की एक चर्चित और प्रसिद्ध कहानी प्रस्तुत है - जिसमें उन्होंने महानगर मुम्बई की चकाचौंध भरी ज़िंदगी के बीच एक आम इन्सान के दर्द को शिद्दत से महसूस किया और बना लिया कहानी का हिस्सा।

मेरे पास अपने काम के लिए लोग आते रहते थे। छोटे से छोटा और बड़े से बड़ा। छुट्टी वाले दिन तो लोगों का ताँता लगा रहता। जहां तक बन पड़ता मैं लोगों की मदद करता। समाज सेवक के रूप में मेरी एक खास पहचान बन गई। हर तबके के छोटे-बड़े लोगों से साबका जो पड़ता था। शायद वह रविवार का दिन था। एक विचित्र-सा वाकिया सामने आया। जब सारे लोग निपट गए, मैंने देखा कि एक सरदार और एक औरत फिर भी खड़े हुए थे। जब सब लोग चले गए तो एकांत पाकर आदमी चुपचाप मेरे सामने आकर बैठ गया। वे दोनों कब से वहां खड़े थे, मुझे नहीं मालूम। बात औरत ने शुरू की, 'साहब जी, मेरा मर्द टैक्सी चलाता है। मगर चार दिन से घर के बाहर नहीं निकला

माधव सक्सेना 'अरविंद'

है। बोल न, तू ही बोल। सर को बता!' 'सर मैं बहुत मुसीबत में हूँ। समझ में नहीं आता क्या करूं। बिना टैक्सी चलाए घर का खर्च नहीं निकल पा रहा है। तीन-तीन बच्चे हैं - बाहर निकलता हूं तो जान का खतरा है। आप ही बताइए, हम क्या करें ? पुलिस में जाना चाहिए या नहीं ? वे मेरी बात सुने बगैर मुझे अंदर कर देंगे। मैं जो कुछ बताऊंगा उस पर कोई यकीन नहीं करेगा, मारेंगे-पीटेंगे अलग।' आदमी बुरी तरह से सहमा हुआ था। उससे ठीक से बोला भी नहीं जा रहा था। बीच-बीच में औरत बात को आगे बढ़ाती। उन दोनों की बातें सुनकर पूरी घटना कुछ इस तरह से उभरकर सामने आई।

सरदार रामसिंह रात नौ बजे बांद्रा टॉकीज के पास भाड़े के इंतज़ार में टैक्सी में बैठा था। तभी तीन आदमी आए और टैक्सी माहीम ले चलने को कहा। माहीम बस डिपो के पास टैक्सी थोड़ी देर रुकी रही। वहां से एक और आदमी टैक्सी में चढ़ा। अब वे चार हो गए। उन लोगों ने टैक्सी कला नगर की ओर ले जाने के लिए कहा। वे आपस में कभी जोर से तो कभी फुसफुसाते रहे। बातों से लगा उनके नाम रम्या, पक्या, अब्दुल और मुन्ना थे। उन्होंने टैक्सी हाई-वे पर चलाते रहने को कहा। ड्राइवर ने सोचा पूछ लेना चाहिए कि आखिर जाना कहां है ? अचानक ड्राइवर की गर्दन पर किसी ठण्डी चीज का स्पर्श हुआ। वे बोले 'चुपचाप टैक्सी चलाता जा, जिधर को बोले उधर चल। ज्यादा बात नईं करने का।' अंधेरी रात और हल्की बारिश में भी ड्राइवर को पसीना छूटने लगा। उसे लगा वह किसी शिकंजे में आ फंसा है। भाड़े के पैसे मिले या न मिले किसी तरह बस जिंदा बच जाए तो काफी।

बारिश और तेज हो गई। टैक्सी चलाना मुश्किल, पर जैसे ही टैक्सी

हाई-वे छोड़कर एक झोंपड़पट्टी में आ गए। एक जगह उन लोगों ने टैक्सी रोक देने और इंजन चालू और डिक्की खुली रखने को कहा। बारिश थम चुकी थी। उनमें से पिस्तौल वाला आदमी टैक्सी में बैठा रहा। शेष तीनों दौड़ते हुए पास की एक चाल के माले पर जा पहुंचे। घंटी दबाने पर एक आदमी ने दरवाजा खोला। सारा दृश्य फिल्म सरीखा था, जो ड्राइवर को दिखाई पड़ रहा था। तीनों ने अपना चेहरा ढंक लिया और उस आदमी का कत्ल कर डाला।

थोड़ी धीमी होती गर्दन छूती पिस्तौल का दबाव बढ़ जाता। उससे ठीक से बोला नहीं जा रहा था। टैक्सी ने सांताक्रूज, विले पार्ले, अंधेरी को पार किया - अब वह जोगेश्वरी की तरफ बढ़ रही थी। हाई-वे छोड़कर एक झोंपड़पट्टी में आ गए। एक जगह उन लोगों ने टैक्सी रोक देने और इंजन चालू और डिक्की खुली रखने को कहा। बारिश थम चुकी थी। उनमें से पिस्तौल वाला आदमी टैक्सी में बैठा रहा। शेष तीनों दौड़ते हुए पास की एक चाल के माले पर जा पहुंचे। घंटी दबाने पर एक आदमी ने दरवाजा खोला। सारा दृश्य फिल्म सरीखा था, जो ड्राइवर को दिखाई पड़ रहा था। तीनों ने अपना चेहरा ढंक लिया और उस आदमी का कत्ल कर डाला। वे लोग उसे घसीटते हुए सीढ़ियों के नीचे ले आए और टैक्सी की डिक्की में डाल दिया। ड्राइवर ने बाहर निकल कर डिक्की बंद की और सीट पर आ बैठा।

चारों लोग इत्मीनान से कार के अंदर आ बैठे। टैक्सी फिर चल पड़ी, ड्राइवर उनके इशारे पर चलाता रहा। वे लोग उसे एक ऐसी सुनसान जगह ले आए, जहां सड़क पर पुलिया थी और नीचे बरसाती नाला। टैक्सी सड़क किनारे लग चुकी, वे चारों बाहर उछल पड़े। लाश को डिक्की से निकाल कर नाले में फेंक दिया। ड्राइवर को हुकम दिया चलो। उनके चेहरे पर अब तक छाया पाशविक जुनून थोड़ा-सा रिलैक्स हो चुका था। एक आदमी ने ड्राइवर की पीठ पर हाथ मारते हुए कहा, 'ओये, सरदार दा पुत्तर!' पहले चल कुछ खाना-वाना हो जाए। तेरा भाड़ा भी मिलेगा। जो हुआ उसे भूल जा। अच्छी तरह समझ ले, तूने कुछ देखा ही नहीं।' ड्राइवर किसी तरह चुंगल से छूटकर भागना चाहता था।' पर वे उसे छोड़ने को तैयार ही नहीं थे। इधर-उधर घुमाने के बाद

सांताक्रूज-कालीना के पास, एक ढाबे पर उन्होंने टैक्सी रुकवाई। ड्राइवर की गर्दन पर हाथ धर कर ढाबे में ले गए। सबके लिए दारू का ऑर्डर किया। ड्राइवर ने बड़ी कातरता से हाथ जोड़ कर मना कर दिया कि उसने कभी दारू नहीं पी। वह खाना भी खा चुका है। गनीमत रही कि उन्होंने जबरदस्ती नहीं की। आराम से खाना-पीना निपट जाने के बाद अचानक गैंग लीडर बोल पड़ा, 'देख सरदार!' तू टैक्सी चलाता है। जैसे तेरा यह धंधा, वैसे ही हमारा भी। हमारा कोई धर्म नहीं, कोई जांत-पांत नहीं, पूरी तरह सेकुलर हैं। हमारे लिए सब बराबर हैं। हम सुपाड़ी भी उठाते हैं। जितने ज्यादा मर्डर हम करते, भाई की साख उतनी बढ़ती। शेयर बाजार सरीखा उछाल वहां चलता। वह आदमी जिसे हमने खलास किया, पहले हमारे साथ काम करता था। वह भाई को छोड़ पुलिस का मुखबिर बन गया। हम कुछ भी करते पुलिस को पहले मालूम पड़ जाता। सालों को पैसा बराबर पहुंचता पर कभी-कभी ऊंच-नीच हो जाती है। मुंबई के भाई लोगों के अपने नियम-कायदे हैं। पहले केवल एक भाई था। अब वह समंदर पार, वहीं से सब कुछ संभलता है। उनके साथ काम करने वालों ने कुछ नए गैंग बना लिए हैं। ओये, कुछ सुन भी रहा है या हम बके जा रहे हैं।

हम सब अच्छे घरों के हैं। सभी पढ़े-लिखे हैं, लेकिन अब बहुत दूर निकल गए जहां से लौटना संभव ही नहीं। हममें से पहला बीए कियेला है, सात साल तक नौकरी ढूंढता रहा। मजबूरन भीख तक मांगनी पड़ी, तब भाई ने सहारा दिया। दूसरा वाला दिल्ली से भाग कर फिल्मों में हीरो बनने आया, मां के जेवर चुरा कर। हाथ कुछ काम लगा नहीं, भूखों मरने की नौबत आन पड़ी। जेबकतरा बन गया। तीसरा वाला छोरा कम्प्यूटर सीखता था, टाडा में पकड़ा गया। आंखों के सामने ही तीन पुलिसवालों ने, लॉक-अप में उसकी बहन के साथ मुंह काला किया। और मैं जो तुम्हारे सामने बक-झक कर रहा हूँ। मेरी घड़ियों की दुकान थी, उसी में बीवी और अपने दुंधमुंह बच्चे के साथ रहता था। पड़ोस के होटल में सिलेंडर फटा और सब तहस-नहस हो गया। पागल की तरह महीनों सड़कों पर भटकता रहा। अचानक फरिश्ते की तरह भाई से मेरी मुलाकात हो गई और ढंग से पेट भरने का जुगाड़ हो गया। जो कुछ भाईजान हुक्म देते, हम सिर्फ ताबेदारी करते हैं। अपनी अक्ल कहीं नहीं लगाते, भाई का कहा हमारे लिए ऊपर वाले के फरमान जैसा है। दहशत फैलाना, आगजनी, तस्करी, दंगे कराना, हफ्ता वसूलना, नश्तर चलाना यह सब हमारा रोज का काम है। जितना हम यह सब करते, उतना ज्यादा पैसा मिलता। नेता, पुलिस और गुंडे एक-दूजे पर आश्रित, जिनका अभेद्य महा-त्रिकोण है। हमारा काम एक मकड़जाल है, जिसमें एक बार जो फंसा, वह मरते दम तक बाहर नहीं आ सका। हम चाहें तो तेरा काम इसी वक्त खलास कर सकते हैं, पर नहीं, तूने हमारी मदद की है। ये लो गांधीछाप नोट रख ले और भाग यहां से। तेरा टैक्सी नंबर हमारे पास है। पुलिस में गया तो समझ ले क्या होगा। वह तूने अपनी आंखों से देखा है। अब चल फूट। थोड़ी देर के लिए ड्राइवर सरदार रामसिंह जैसे सांस लेना भूल गया। झट से ढाबे के बाहर आया, टैक्सी स्टार्ट की और पूरी स्पीड से भगाता हुआ घर आकर लगा। वह दिन और आज का दिन, घर से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं हुई।

'सर, बार-बार मेरा मन करता है कि पुलिस को जाकर सच बता दूं।' लेकिन दूसरे क्षण परिणाम सोचकर कांप जाता हूँ। आप बताओ क्या करूं? इस प्रश्न ने मुझे हिलाकर रख दिया, जिसकी दहशत मुझ पर भारी होती जा रही थी। इसका मेरे पास कोई समाधान नहीं। समाज और सरकार तय करे कि इस हादसे का सोल्यूशन क्या हो सकता है? ■

AUTHORISED DEALER FOR :

m-seal® 3M Unique™ CABLES HPL

minilec® KAYCEE KI

Schneider Electric

COOPER Bussmann

METRAVI

connectwell Empire CABLES ascon

INDUSTRIAL ELECTRICALS

'J.H. Chambers' 9-Delhi Gate - Bapu Bazar, UDAIPUR-313001 (Raj.)
Ph. : 2422742, 5100430, 2411879, Telefax : 0294-2420479
e-mail : info@industrialelectricals.com **website :** www.industrialelectricals.com

कीचड़ उछालना लेटेस्ट 'सत्कर्म'

आज इतने सत्कर्म प्रचलित हैं कि आदमी अपनी सामर्थ्य एवं योग्यता के आधार पर कोई भी चुन कर सुख भोग सकता है। इस लोक को सुखी बना लिया तो परलोक की कैसी चिन्ता। परलोक देखा भी किसने है। इह लोक सुधारो, परलोक अपने आप सुधर जाएगा। सो भइया, अपनी सामर्थ्य और योग्यता के अनुसार इस संसार के सत्कर्मों को चुन कर उन पर गंभीरता से अमल करना शुरू कर दो।

कलियुगी संसार में बहुत से सत्कर्म धड़ल्ले से हो रहे हैं। जिनसे मनुष्य धन एवं यश का भागी बन कर मरणोपरान्त मोक्ष भी प्राप्त कर लेता है। मरने के बाद

डॉ. देवेन्द्र इन्द्रेश

उसको मोक्ष मिलता है या नहीं, इसका तो हमें पता नहीं, मर के देखें तो पता चले। अगर सत्कर्म से मोक्ष मिला होता तो दिवंगत हुआ कोई तो यह अवश्य कहता कि सत्कर्म से हमें मोक्ष मिल गया है। सो भईये, मरने की तो हम नहीं कहते, हाँ जीवित रहते हुए सत्कर्म करने से उसका फल अवश्य मिल जाता है, और ऐसा मिलता है कि अगले के वारे-न्यारे हो जाते हैं। धन सम्पदा तो मिलती ही है साथ में कीर्ति के थर्मामीटर का पारा भी बढ़ जाता है। इसीलिए कहा गया है कि दुर्लभ मानव जन्म यदि मिल जाए तो सत्कर्म अवश्य करना चाहिए।

हमारे माता-पिता ने प्रभु से तिकड़म बैठा कर हमें मानव रूप में धरा धाम पर अवतरित किया, क्योंकि आधुनिक संसार में बिना तिकड़म के इच्छित फल की प्राप्ति नहीं होती। अब चूँकि हम मानव रूप में अवतरित हो ही गए हैं तो हमें भी कुछ सत्कर्म कर जीवन की सार्थकता सुनिश्चित कर लेनी चाहिए। पर हम कन्फ्यूज हैं कि हम किस तरह का सत्कर्म करें, जिससे गद्‌गद् हो जाएं। लोगों का मानना है कि समय के बदलाव के साथ सत्कर्म भी बदल गए हैं। आजकल ओल्ड मॉडल सत्कर्म सत्य, ईमानदारी, परोपकार, दया, सहानुभूति का चलन तो समाप्त प्राय: हो गया है। पोथी, पुराणों में वर्णित सत्कर्म इस जमाने में आउट ऑफ डेट माने जाने लगे हैं। इनकी आज न तो कोई मांग है और न ही कोई वैल्यू। इन दिनों एक-दूसरे पर उछालने के किस्म-किस्म के ब्रांडेड लेटस्ट सत्कर्म यानी कीचड़ चलन में हैं। जिनकी काफी डिमाण्ड है। मसलन बात-बात पर झूठ, पराया माल अपना, गरज में गधे को भी बाप बना लेना, रिश्वती शर्बत से तर रहना, धोखाधड़ी और घोटाले आदि... आदि.... । कहां तक गिनाएँ? आज इतने सत्कर्म प्रचलित हैं कि आदमी अपनी सामर्थ्य एवं योग्यता के आधार पर किसे भी चुन कर सुख भोग सकता है। इस लोक को सुखी बना लिया तो परलोक की कैसी चिन्ता। परलोक देखा भी किसने है। इह लोक सुधारो, परलोक अपने आप सुधर जाएगा। सो भइया, अपनी सामर्थ्य और योग्यता के अनुसार इस संसार के सत्कर्मों को चुन कर उन पर गंभीरता से अमल करना शुरू कर दो। बिना मरे ही स्वर्ग की सीढ़ियां नाप लोगे।

मुझे मालूम है कि आप ये जरूर पूछेंगे कि भैया, आजकल सबसे लेटेस्ट सत्कर्म कौन सा है जिसको करने में अधिक मेहनत भी ना लगे और लाभ ही लाभ हो, अर्थात् हींग लगे न फिटकरी और रंग भी चोखा आए। सो जब आप पूछ ही रहे हैं तो हम आपको बताते हैं कि इस समय सबसे लेटेस्ट सत्कर्म कीचड़ उछालना है। चुनाव का मौसम है और इसमें इस सत्कर्म की मांग अधिक रहती है। कारण यह है कि इस सत्कर्म को करते हाथ और मुँह अवश्य गंदे होते हैं लेकिन यह है बड़ा आनन्ददायक और प्रभावी। जब तक आपके शरीर में दम है और वाणी में जोश है, तब तक उछालते रहिए कीचड़ दूसरों पर और मौज मांडते रहिए। दूसरी बात यह है कि कीचड़ उछालने के सत्कर्म का क्षेत्र बहुत व्यापक है। आप जिसके ऊपर जब भी चाहें कीचड़ उछाल सकते हैं। यहाँ पुरुष स्त्री समान है, यह सत्कर्म दोनों ही कर सकते हैं। पर एक बात अवश्य ध्यान देने योग्य है कि कीचड़ उछालने के बाद अगले पर उसका शारीरिक तथा मानसिक प्रभाव क्या होता है, दूर से ही अवलोकते हुए आसुरी आनन्द प्राप्त करें। इस सत्कार्य में आपको जो आनन्द प्राप्त होगा, वह अवर्णनीय है। आप जितना कीचड़ उछालेंगे, अगला उतना ही भुनभुनाएगा। वह जितना भुनभुनाएगा आपको उतना ही परमानन्द मिलेगा। पर आपसे यह विशेष निवेदन है कि यह सत्कर्म प्रत्यक्ष में ना करें वरना आपका भी क्रियाकर्म हो सकता है। क्योंकि सावधानी हटी और दुर्घटना घटी। सावधानी रखते हुए आप जितना चाहें दूसरों पर कीचड़ उछाल सकते हैं। उछालते रहिए और मुस्कुराते रहिए। ■

AADHAR PRODUCTS
डिसाइड
वाशिंग पाउडर, डिटर्जेंट टिकिया, बर्तन बार
Decide
Dishwash Bar
Mfd. & Mktd. by :
AADHAR PRODUCTS PVT. LTD.
F-264, RIICO IND. AREA, GUDLI, UDAIPUR (RAJ.) For Trade Enquiry 09001577492
Tel.: +91 294 2655636 / Fax: +91 294 2655635 / Email : aadharproducts@rediffmail.com

MIRAJ GROUP
तन भी शुद्ध, मन भी शुद्ध... तो वस्त्र क्यों रहे अशुद्ध !
मिराज शुद्ध
ऑयल सोप
100% पशु चर्बी रहित
MIRAJ
Family Pack
MIRAJ TRADECOM PVT. LTD.
Miraj Campus, Nathdwara - 313 301 (Raj.) India / Email : fmcg@mirajgroup.in / Web: www.mirajgroup.in
Contact us at : 88759 92317, 88759 33370

ब्रज की सोभा फ़ाग
ब्रज ते सोभित फ़ाग

विष्णु शर्मा हितैषी

हमारे ऋषि-मुनियों ने जो भी परम्पराएं निर्धारित की, वे काफी सोच-समझ के साथ की। होलिका पर्व भी न केवल सांस्कृतिक दृष्टि से, बल्कि शरीर विज्ञान, भौतिक विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान की कसौटी पर ऐसा ही खरा उतरने वाला पर्व है। जिसे ऋषि-मुनियों ने नव संवत्सर के यज्ञीय पर्व के स्वरूप में स्थापित किया था। भारत कृषि प्रधान देश है। अन्न देवता पहले यज्ञीय ऊर्जा से संस्कारित हों, फिर यह अन्न समाज के उपयोग में आए। यही वजह है कि होलिका दहन पर नवशस्येष्टि यज्ञ की प्राचीन परम्परा आज भी विद्यमान है। इस त्योहार को सभी धर्म, सम्प्रदाय और पंथ के लोग ऊंच-नीच, अमीर-गरीब का भेद छोड़कर पूर्ण सद्भाव के साथ मिलकर मनाते हैं। यह रंगों का त्योहार है। जिसके माध्यम से लोग अपने सभी गिले-शिकवे भुलाकर एकता की मिसाल कायम करते हैं। रंगों का यह त्यौहार बसंत ऋतु का भी संदेश वाहक है, जो वसंत पंचमी से ही शुरू हो जाता है। यह केवल परस्पर रंग मलने, गाने-नाचने का ही त्योहार नहीं है बल्कि देश की विविधता में एकता, अखण्डता, सार्वभौमिकता, प्यार-दुलार, सहयोग व सद्भाव का त्योहार भी है।

एक पुराण कथा के अनुसार क्रूर राजा हिरण्यकश्यपु ब्रह्माजी के चातुर्यपूर्ण दिये गये अमरत्व के अभिमान में इस कदर बौरा गया कि उसने अपनी प्रजा को बजाय किसी देवता की उसकी पूजा के लिए बाध्य कर दिया। किन्तु उसका पुत्र प्रहलाद भगवान श्रीहरि (नारायण) का भक्त था और राजा 'नारायण' का कट्टर विरोधी। प्रहलाद 'नारायण' को ही सर्वशक्तिमान मानते हुए उनका नामोच्चार करता था। क्रोधित राजा ने उसे समझाने के बाद मरवाने के कई उपक्रम भी किए किन्तु भक्त अपने भगवान की कृपा से हर बार बच गया। क्रोधित राजा ने अग्नि को सहन करने से युक्त बहिन होलिका को अपनी वेदना बताई। होलिका अपने भाई के विरोधी किन्तु ईश्वर भक्त पुत्र को गोद में लेकर अग्निकुण्ड में बैठ गई। होलिका जल गई, प्रहलाद सुरक्षित रहा। अर्थात् हिरयकश्यपु की स्थूलता पराजित हुई और भक्ति और श्रद्धा जीत गई। अन्त में हिरण्यकश्यपु को नारायण के 'नृसिंह अवतार' के हाथों मरना पड़ा।

राजस्थान का शेखावाटी इलाका होली के दिनों में चंग और गिंदड़ लोकनृत्यों के रस से सराबोर रहता है। गिंदड़ और चंग नृत्यों के साथ गाए जाने वाले लोकगीतों में विरह, सौंदर्य और वीर रस के गहरे भाव होते हैं। खाटू में श्याम बाबा का महोत्सव देखने भीड़ उमड़ पड़ती है। श्रीकृष्ण-राधा की ब्रजभूमि के गांवों में तो होली की धमाल माघ पूर्णिमा से शुरू होकर रंग पंचमी(फाल्गुन कृष्ण पंचमी) तक रहती है। मथुरा के आसपास नंदगांव, बरसाना, गोकुल, लोहबन और बलदेव जैसे गांवों में यह त्योहार एक सप्ताह पूर्व ही परवान चढ़ जाता है। बरसाने की लट्ठमार होली प्रसिद्ध है। नंदगांव के कृष्ण सखा 'हुरिहारे' बरसाने में होली खेलने आते हैं। जहां भगवती राधा की सखियां लाठियों से उनका स्वागत करती हैं। वृन्दावन के मंदिरों में रंगोत्सव देखते ही बनता है।

ब्रजवासी स्वभाव से ही मस्तमौला होते हैं, उस पर वसंत की मादकता उनकी मस्ती को चौगुना कर देती है। भक्त कवि नागरीदास की ये पंक्तियां उस माहौल पर खूब चरितार्थ होती हैं - 'ब्रज की सोभा फागते/ब्रज ते सोभित फाग।' एक ही उत्सव अलग-अलग इलाकों में अनेक रूपों में उद्घाटित होता है। उत्तर भारत में होली तो बिहार में 'फगुआ' और पश्चिम बंगाल में वह दोल यात्रा के स्वरूप में मनाया जाता है। गुजरात में जिस स्थान पर होलिका-दहन होता है, वहां जमीन में गड्ढा कर एक मटके में चना, मूंग व मूंगफली भर दबा दिया जाता है। होलिका दहन वाली पूरी रात वह ताप से पकता रहता है और दूसरे दिन प्रसाद रूप में वितरण होता है। गुजरात में इस दिन देसी घी में बने सत्तू के लड्डू खाने का भी रिवाज है, जिसे 'साथवो' कहा जाता है। यहां आदिवासियों के होली मनाने का तरीका बिल्कुल भिन्न है। जिसे 'डांग दरबार' कहते हैं। स्वतंत्रता के बाद देश के सभी रजवाड़ों का एकीकरण हुआ और उनके परिवारों के भरण-पोषण के लिए प्रिवीपर्स(सालाना गुजारा भत्ता) सरकार की ओर से दिया जाने लगा किन्तु 1970 के दशक में इसे बंद कर दिया गया। लेकिन 'डांग' राज्य से सम्बद्ध ठिकानेदारों को यह आज भी मिलता है। डांग राज्य पांच भागों में विभक्त था, जिसे ब्रिटिश सरकार अपने अधीन नहीं कर सकी। थककर ब्रिटिश सरकार के प्रतिनिधि सर ओटम लारा ने इन ठिकानेदारों अथवा राजाओं के साथ वन पैदावार के हक़ के लिए एक करार किया। सरकार इनके मान-सम्मान को बरकरार रखने के लिए न केवल इन्हें पेंशन देती है बल्कि अपने खर्च से होली पर 'डांग दरबार' के नाम से सांस्कृतिक आयोजन भी करती है। इस आयोजन को ग्राम कौशल विकास से भी जोड़ा गया है। जिसमें ढोल-नगाड़ों की लय-ताल पर आदिवासी समूहों का विशिष्ट शैली नृत्य दर्शकों को मंत्र-मुग्ध कर देता है। मेवाड़ महाराणा के उदयपुर स्थित महल के माणक चौक में आज भी होलिका दहन का निर्वाह परम्परागत ढंग से होता है। होलिका दहन से एक माह पूर्व माघ पूर्णिमा को होलिका का विधिवत रोपण होने के साथ ही गांवों के टेवटों(चौक) में होलिका रोपण आरंभ हो जाता है। महाराणा फतह सिंह और भूपाल सिंह पूरे लवाजमे के साथ वैदिक मंत्रों के बीच जब होलिका रोपण की परम्परा का निर्वाह करते थे, पूरा माहौल मस्ती से झूम उठता था। धूलंडी के दिन तो महल गैर-नृत्य और गाल गायन के बीच गुलाल के गुबार से भर उठता था। इस परंपरा को उनके वंशज भी भूले नहीं है, आज भी माणक चौक में इस दिन गहमा-गहमी रहती है।

जिस दिन अमीर खुसरो अपने पीर हजरत निजामुद्दीन औलिया के मुरीद बने, संयोगवश वह दिन होली के त्योहार का था। वे इस दोहरी खुशी में झूमते हुए गाने लगे - 'हजरत ख्वाजा संग खेलिए धमाल, बाइस ख्वाजा मिल बन बन आए।' इस गीत में वो अपने उस्ताद(गुरु) के साथ सूफियों का रक्से धमाल और होली एक साथ खलते प्रतीत हो रहे हैं। इसके बाद सूफियों ने परस्पर गुलाल-अबीर लगाकर खूब होली खेली। खुसरो बाद में मस्त चाल में अपनी हिन्दू माता दौलतनाज उर्फ मायादेवी से आशीर्वाद लेने घर पहुंचे। माता ने उनके गालों पर गुलाल मला और मुंह मीठा कराया। तभी वे मां के सामने ही झूमते हुए 'राग बहार' में गा उठे - 'आज रंग है, ऐ मां रग है री, मोरे महबूब के घर रंग है री/अरे अल्लाह तू है हर, मोरे महबूब के घर रंग है री।.....' रंग' शब्द के दो मायने हैं। पहला गुरु के मिलने के जश्न का दिन और दूसरा रंगभरे होली के त्योहार का दिन। भारत में मुगलिया शासन के दौरान भी इस त्योहार को रंगों की बहार व आमोद-प्रमोद में मनाया जाता रहा। वस्तुत: होली का त्योहार देश को एकता के रंग में रंगने और पारस्परिक सहयोग व सद्भाव बढ़ाने वाला होकर एक राष्ट्रीय पर्व बन गया है।

The Arjun Bagh

Dr. Arjun Singh Chundawat
M.D.

Krishan Pal Singh Chundawat
Director

www.thearjunbagh.in

Email :- thearjunbagh@gmail.com

Breakfast | **Lunch** | **Dinner** | **Parties**

Rann Jamboree

A Fine Dinning Experience

Kickoff

Lets booze up!

Restro Bar

Near Royal Raj Vilas,DPS Road, Shobhagpura Circle, Udaipur, Rajasthan-313001

Call 9983492222
9829270339
9413663426

ग्रेनाइट के कारोबार में बड़ा नाम
रॉक्स फोरएवर

उदयपुर के कलड़वास स्थित भामाशाह औद्योगिक क्षेत्र स्थित रॉक्स फोरएवर कम्पनी को पिछले 9 साल से लगातार स्पेशल एक्सपोर्ट अवार्ड मिल रहा है। कंपनी एक्सपोर्ट कारोबार कर देश की विदेशी मुद्रा में बढ़ोतरी भी करती रही है, जिसे देखते हुए सरकार द्वारा अधिकृत नोडल एजेंसी केपेक्सिल द्वारा वर्ष 2006 से कंपनी को लगातार स्पेशल एक्सपोर्ट का अवार्ड दिया जा रहा है। वर्ष 2011 में स्पेशल एक्सपोर्ट हाउस का अवार्ड भी इसे मिल चुका है। राजस्थान की अरावली पहाड़ियों में खनिज संपदा के अकूत भंडार हैं। जिनके दोहन से निकलने वाले मिनरल्स से कई नए उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं और उन पर आधारित राज्य तथा राज्य के बाहर अनेक उद्योग तेजी से विकसित हो रहे हैं। प्रदेश में निकलने वाली भू-संपदाओं में मार्बल, ग्रेनाइट व अन्य मिनरल्स की गुणवत्ता श्रेष्ठ है। अनेक उद्यमी इन मिनरल्स से विभिन्न उत्पाद तैयार करने की विधा को कारोबार के रूप में अपनाकर नई ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। लोकेश त्रिवेदी (42) ने उदयपुर के अन्य तीन साझेदारों चिन्मय वर्द्धमान, हैदराबाद के राजेश रायडू व श्रीनिवास पामेदी के साथ मिलकर वर्ष 2006 में ग्रेनाइट एक्सपोर्ट कारोबार शुरू किया था। दो-तीन वर्षों की कड़ी मेहनत, उच्च क्वालिटी उत्पादों की डिलीवरी के बाद देशभर के ग्राहकों का विश्वास अर्जित किया। इसके बाद चारों साझीदारों ने 2009 में कलड़वास स्थित भामाशाह इण्डस्ट्रीयल एरिया में रॉक्स फोरएवर के नाम से कंपनी का शुभारंभ किया। देशी-विदेशी ग्राहकों की मांग बढ़ने के साथ ही नेचुरल स्टोन का निर्यात भी शुरू किया। शुरुआती दौर में कंपनी ने टर्की, यू.के., ईरान, कोरिया व यूरोप के कुछ देशों में उच्च क्वालिटी के ग्रेनाइट का निर्यात कर कारोबार को गति प्रदान की। वर्ष 2011 में विदेशों में भी कारोबार को नई ऊंचाइयां देने के लिए लंदन में कंपनी का आउटलेट शुरू करके यूरोप के शहरों में कंपनी का शुभारंभ किया। वर्ष 2012 में आन्ध्रप्रदेश के ओंगोल शहर के सेज में भी रॉक्स फोरएवर की इकाई शुरू की। यहां कंपनी ने इटालियन टेक्नोलॉजी का समावेश कर ग्रेनाइट की प्रोसेसिंग एवं निर्यात कार्य शुरू किया। वर्ष 2013 तक सभी साझेदारों की कड़ी मेहनत, उच्च क्वालिटी उत्पादों की ट्रेडिंग एवं निर्यात का परिणाम यह हुआ कि कंपनी का सालाना टर्नओवर 100 करोड़ रुपए पार कर गया, जो वर्तमान में करीब 110 करोड़ रुपए है। वर्ष 2014 में इंदौर व विजयवाड़ा के साथ अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका के मियामी-फ्लोरिडा में कंपनी का एक आउटलेट शुरू किया गया। कंपनी द्वारा कुल उत्पादन के करीब 90 प्रतिशत उत्पाद निर्यात किए जाते हैं। कंपनी राजस्थान के जालोर व देवगढ़ तथा मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा से उच्च क्वालिटी के ग्रेनाइट ब्लॉक्स मंगवाती है, जिन्हें प्रोसेसिंग के बाद देश-विदेश में भेजा जाता है। त्रिवेदी बताते हैं कि उन्होंने वर्ष 1998 में एम.कॉम एवं मास्टर ऑफ इन्टरनेशनल बिजनेस करने के बाद शिपिंग कंपनी में कार्य किया। पेसिफिक में मार्केटिंग के साथ बैंगलुरु यूनिट का कार्य भार संभाला। इसके बाद शहर में ही एक शिपिंग कंपनी में भी काम किया। बचपन से ही उनका ग्रेनाइट एवं मिनरल उद्योग में जाने का लक्ष्य रहा। आखिरकार उन्हें ग्रेनाइट कारोबार में तीन उत्साही और विश्वसनीय सहयोगियों का साथ मिला और उनका स्वप्न साकार होता चला गया।

लोकेश त्रिवेदी

भावी योजना : त्रिवेदी ने बताया कि भारत का दूसरा व राजस्थान का पहली फुली ऑटोमेटिक इंजीनियरिंग क्वार्ट्ज प्लांट का शुभारंभ नेशनल हाईवे-76 स्थित देलवाड़ा में किया जाएगा। इस प्लांट में इंजीनियरिंग क्वार्ट्ज स्टोन का कार्य होगा, जिसकी अमेरिका, लंदन व यूरोप में व्यापक मांग है।

बड़े प्रोजेक्ट्स : टर्की के इस्ताम्बुल में निर्मित एयरपोर्ट में 25000 स्क्वायर मीटर कश्मीर व्हाइट ग्रेनाइट पत्थर एवं साथ ही अज़रबेजान के बाकू शहर में मेट्रो स्टेशन में भी कंपनी के ग्रेनाइट का उपयोग किया जा रहा है। उच्च क्वालिटी के ग्रेनाइट के दम पर कंपनी ने देश-विदेशों में सबसे अलग हटकर पहचान कायम की है। ■

- नितेश

गज़ल
चलते तो हम हैं

बाज़ार को निकले हैं लोग बेच के घर को,
क्या हो गया है जाने आज मेरे शहर को।
कितने हैं मेहरबान यहां के बहेलिये,
कहते हैं परिंदों से - 'उड़ो' काट के पर को।
गीला हैं कहीं सुबह की खुशियों का क़हक़हा,
चुप-चुप कोई रोया है रात के पिछले पहर को।
चूल्हों में है बुझी हुई जलती है जिगर में,
कैसी अजीब आग मिली है ज़िंदगी भर को।

ठहरी हुई है भीड़ एक ऊबती हुई,
लगता है कोई रहनुमा निकला है सफ़र को।
चेहरों में कई चेहरे दिखाई मुझे देते,
यह कौन-सी नज़र है लगी मेरी नज़र को।
कहते हैं वे कि रुकिए नहीं, चलते जाइए,
चलते तो हम हैं, चल के मगर
जाएं किधर को।

- डॉ. रामदरश मिश्र

आकाश तक नारी शक्ति की गूंज

आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी मौजूदगी दर्ज करा रही हैं। बिजनेस साइंस, टेक्नोलॉजी, शिक्षा नेविगेशन और ऐसे हर उन्नत क्षेत्र में वे शीर्ष पदों पर आसीन हैं और सफलता का परचम भी फहरा रही हैं।

शिल्पा नागदा

भारत के पूर्व राष्ट्रपति स्व. एपीजे अब्दुल कलाम प्राय: अपने व्याख्यान-भाषण में कहा करते थे कि 'सपने उन्हीं के सच होते हैं, जो सपने देखते हैं'। उनका यह कथन आधी आबादी और उसकी सफलता को दर्शाता है। देश-विदेश की महिलाओं ने विपरीत सामाजिक परिवेश में भी न केवल सपने देखें बल्कि उन्हें साकार कर आकाश को भी छुआ। भारत के संदर्भ में बात करें तो स्वतंत्रता संग्राम हो या उसके बाद राष्ट्र निर्माण का कार्य, महिलाओं ने अपने योगदान की छाप छोड़ी है। राजनीति के मौजूदा परिवेश को देखें तो सोनिया गांधी, सुषमा स्वराज, सुमित्रा महाजन, मायावती, ममता बनर्जी, शशिकला और मानवाधिकारों की रक्षा के क्षेत्र में शर्मिला इरोम सहित कुछ महिलाओं ने विशेष छाप छोड़ी है। बिजनेस वर्ल्ड में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की एमडी-सीओ चित्रा रामकृष्णन् टीसीएस की कार्यकारी निदेशक आरती सुब्रमण्यम्, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की चेयरपर्सन अरूंधति भट्टाचार्य, बालाजी टेलीफिल्मस की एमडी एकता कपूर के कार्यकौशल, कर्मठता और परिणाममूलक क्षमता की याद हो आती है। एक समय था जब सैन्य क्षेत्र को महिलाओं के अनुकूल नहीं माना जाता था लेकिन आज महिला फायटर का पहला बैच मोहना सिंह, अवनि चतुर्वेदी और भावना कांत के रूप में देश की रक्षा, एकता व अखंडता के लिए जूझने को तैयार खड़ा है।

खेलों की दुनिया में भी महिलाओं ने देश का ध्वज बड़ी शान से ऊंचा किया है। टेनिस में सानिया मिर्जा, बेडमिंटन में पी. वी. संधु, पहलवानी में साक्षी मलिक, जिम्नास्टिक में दीपा करमाकर, क्रिकेट में स्मृति मंधना, मिताली राज, गोला फेंक में दीपा मलिक, कृष्णा पूनिया और पिछले वर्ष देश की बहुप्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षा(यूपीएससी) में टीना डाबी का टॉप करना सुर्खियों में रहा है। फिल्मों में प्रियंका चौपड़ा, दीपिका पादुकोण ने बॉलीवुड से हॉलीवुड तक छलांग लगाई है। न्यूयॉर्क में भारत की एसिड अटैक पीड़िता रेशमा कुरैशी ने फैशन शो में भाग लेकर इतिहास रच दिया।

हरियाणा में महिला पुलिस वालंटियर योजना में एक हजार महिलाओं ने शामिल होकर अपने मज़बूत होसले का परिचय दिया है। आधी आबादी के इस सशक्तीकरण अभियान से निश्चित रूप से देश गौरवान्वित हुआ है।

आज के दौर की महिला सफल भी है और सशक्त भी। लेकिन अब सवाल ये उठता है कि एक सफल और सशक्त महिला में ऐसी कौन सी बातें या विशेषताएं होती हैं जो उसको भीड़ से अलग करती हैं। सफल महिला अपनी भीतरी इच्छा शक्ति का उपयोग कर स्वयं के लिए अनेक संभावनाओं का निर्माण करती है। फिर चाहे घर हो या दफ्तर। इस बारे में आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर कहते हैं कि जो सफलतापूर्वक चुनौतियों का प्रबंधन व सामना करता है। वह जीवन के पथ पर खुशहाली पूर्वक अग्रसर होता है।

मल्टीटास्कर

इस बात में कोई सन्देह नही कि महिलाओं में एक साथ कई काम करने का गुण प्राकृतिक होता है। मल्टीटास्किंग बिल्कुल आसान काम नहीं है। इसके लिए कड़ी मेहनत एकाग्रता और कुशलता की जरूरत होती है। क्योंकि सफल होना ही सब कुछ नहीं, सफलता को बनाए रखना ज्यादा महत्वूर्ण है। जो वे बड़ी खूबी के साथ कई कामों को एक साथ कर इस बात को सिद्ध करती हैं।

त्याग के लिए तैयार

सफल व सशक्त महिलाएं कितनी ही कठिनाइयों का सामना करती हैं और सफलता के लिए उन्हें कई कुर्बानियां भी देनी पड़ती हैं। कई बार महिलाएं अपने सपनों को जीने के लिए अपनी पूरी जिंदगी को बदलने तक की कुर्बानी भी देती हैं।

थकान को जीतना

हर इंसान का दिमाग और शरीर एक समय पर थक जाता है। महिलाओं को सफल होने के लिए अपनी थकावट को भूलना पड़ता है। और ये सफलता के रास्ते की बड़ी कठिनाई होती है। इन महिलाओं को भी काम का दबाव और दूसरी तरह के तनाव होते हैं, बावजूद इसके वे किसी तरह का समझौता नहीं करती।

टीम वर्क

जीवन के पथ पर अकेले चलकर अधिक सफल नहीं हो सकते जबकि यदि टीम द्वारा समग्र रूप से आगे बढ़ा जाए तो निश्चित तौर पर थोड़े समय में सफलता हासिल की जा सकती है। सफल महिलाओं में सहयोग व योगदान की भावना देखी जा सकती है।

उदाहरण बनना

एक सफल व सशक्त महिला न केवल आपको रास्ता बताती है बल्कि उस रास्ते पर चलकर भी दिखाती है। वो कठिन समय में मौन रहती है, क्योंकि जीवन के कठिनतम क्षणों में मौन ही हालात को बेहतर समझने की शक्ति व साहस प्रदान करता है।

सामंजस्य की कला

महिलाओं को सफलता के पथ पर चलते समय परिवार, काम और रिश्तों के बीच ठीक प्रकार से सामंजस्य बिठाना पड़ता है। इसलिए वे व्यक्तित्व को बहुआयामी स्वरूप देते हुए आसानी से इन सभी चीजों के बीच सामंजस्य स्थापित कर आगे बढ़ने का रास्ता खोज लेती हैं।■

ट्रम्प के रूप में नई विश्व व्यवस्था का ब्लू प्रिंट

शीतयुद्ध की जिस मानसिकता से अमेरिका को बहुत पहले ही निकलना था, अब वह मार खाकर निकल रहा है। रूस की ओर ट्रम्प की दोस्ती का हाथ नई विश्व व्यवस्था का आगाज़ है।

दुनिया की उम्मीदों के विपरीत अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति बने। इस घटना ने अब तक की परंपरागत बौद्धिक मान्यताओं एवं अनुमानों को बुरी तरह झुठला दिया। मध्यम एवं उच्च वर्गों के हितों एवं विचारों पर आधारित व्यवस्था को दरकिनार कर एक नई व्यवस्था के प्रति आकांक्षा का प्रकटीकरण हुआ। अभी हाल ही में अमरीका के राष्ट्रपति ट्रंप ने सात मुस्लिम देशों के नागरिकों के लिए अपने दरवाजे बंद कर दिए। कारण बताया गया कि इन देशों के लोग अमेरिका के लिए खतरनाक नुकसानदेह हैं। प्रतिबंध वाले देश हैं ईरान, इराक, लीबिया, सोमालिया, सूडान, सीरिया और यमन। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, मिश्र और पाकिस्तान सहित कई देशों को अभी छूट प्राप्त है। हालांकि अमरीका में 9/11 के हमलों में इन्हीं देशों के नागरिक शामिल थे। पाकिस्तान को पूरा विश्व आतंक की फैक्टरी मानता है, जिसे अभी प्रतिबंध से बाहर रखा गया है। हालांकि संकेत है कि पाकिस्तान पर भी बैन लग सकता है। डोनाल्ड ट्रंप ने पद संभालने के सात दिन में छह कार्यकारी आदेश जारी कर जता दिया कि वे अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने को कृत संकल्प हैं। इन फैसलों में सबसे ज्यादा विवाद 'प्रोटेक्टिंग द नेशन फ्रॉम टेररिस्ट्स : एन्ट्री इन टू द यूनाइटेड स्टेट' पर शुरू हुआ। इसके खिलाफ 16 अमेरिकी राज्य विरोध में खड़े हुए और एक अमरीकी अदालत ने आव्रजन आदेश पर अस्थाई रोक तक लगाई। अमरीकी न्याय मंत्रालय ने इसके खिलाफ फेडरल कोर्ट में अपील की। अपील कोर्ट ने ट्रंप के प्रशासकीय आदेश पर लगाई रोक हटाने से इनकार कर दिया है। अमेरिका की दिग्गज और तकनीकी क्षेत्र की माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल, गूगल समेत 97 कंपनियों ने भी राष्ट्रपति के कार्यकारी आदेश के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर की है। ट्रंप ने संघीय अदालतों के फैसलों को देश की सुरक्षा के प्रतिकूल करार देते हुए कहा कि अगर कोई अप्रिय घटनाएं होंगी तो जिम्मेदारी जज और न्यायिक सिस्टम पर रहेगी। हालांकि ट्रंप ने कहा कि इसे मुस्लिमों पर पाबंदी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, यह सिर्फ मुस्लिम आतंकवाद को रोकने का एक उपाय है। ट्रंप के आदेश का अमरीका सहित दुनिया भर में विरोध है। गौरतलब है कि 2011 में कुवैत ने सीरिया, इराक, ईरान, पाकिस्तान, अफगानिस्तान के लोगों पर प्रतिबंध लगाया था तो कहीं कोई विरोध नहीं हुआ। कुवैत ने ट्रंप के आदेश के बाद एक और सख्त कदम उठाते हुए इस वर्ष फरवरी में पाकिस्तान पर भी बैन लगा दिया है। यहां तक कि 16 मुस्लिम देशों ने इजराइल पर स्थाई रोक लगा रखी है, पर सब चुप्पी साधे हैं। हालांकि आइएसआइएस के उभार को सिर्फ रोकने के नाम पर किसी धर्म विशेष के सभी लोगों को संदिग्ध नजरिए से देखा जाना न्यायोचित नहीं कहा जा सकता। फिर भी कुछ बरस पहले स्विटजरलैण्ड, लंदन व पेरिस सहित कई देशों में हुए आतंकी हमलों और दुनिया में बढ़ती आतंकी वारदातों से कई देशों के कान खड़े हो गए हैं। पिछले साल दिसम्बर में रूस के राजदूत की तुर्की में हुई हत्या और जिस तरह आतंकी द्वारा आइएसआइएस व सीरिया समर्थित नारे लगाए गए उसे कम खतरनाक कैसे माना जा सकता है। जनवरी के अंतिम दिनों कनाडा की मस्जिद में आतंकियों ने निर्दोषों को गोलियों से भून दिया। जबकि ट्रंप की आव्रजन नीतियों की खिलाफत करने वाले कनाडा के प्रधानमंत्री ने घटना के दो दिन पहले ही कहा था कि आप्रवासियों का स्वागत है और उनके लिए दरवाजे खुले हैं। सीरिया, इराक इत्यादि मुस्लिम देशों में मची मारकाट व जातीय हिंसा से तबाह होकर कई मुस्लिम शराणार्थी यूरोपीय राष्ट्रों में पहुंच रहे हैं। ध्यान देने वाली बात है कि मुस्लिम परस्त कहे जाने वाले किसी भी देश ने इन्हें शरण नहीं दी थी। भारत का कश्मीर पिछले सात दशक से आतंकवाद का दंश भोग रहा है। देश के कई हिस्सों में 26/11 के मुम्बई हमले जैसी अनेक वारदातें हो रही हैं। अब जाकर ट्रंप के दबाव में इन घटनाओं के एक मास्टर माइंड हाफिज सईद पर दिखावे के तौर पर शिकंजा कसा गया है, जो पाकिस्तान में आतंकी नेटवर्क चला रहा है। दरअसल दुनिया भर में हो रही आतंकी वारदातों में पाकिस्तान का कोई न कोई कनेक्शन जरूर होता है। इस्लामी जेहादी विधर्मियों से सख्त नाराज हैं और विश्व संपदा, शक्ति और सैन्यबल के सभी केन्द्रों पर पश्चिमी जगत के ईसाई प्रभुत्व देखकर चिढ़ते और उस प्रभुत्व को समाप्त करने के लिए हिंसा का सहारा लेते हैं। वैसे ही भारत की निरंतर प्रगति, लोकतांत्रिक संसदीय व्यवस्था की सफलता, यहां के सामाजिक बहुलतावाद और सैन्य व आर्थिक शक्ति के रूप में उदय को वे इस्लाम के लिए बड़ा खतरा मानते हैं। पिछले सात दशक से

पाकिस्तान भारत के पीछे पड़ा है। हालांकि पाकिस्तान इसमें कभी सफल न हो पाया और हर बार उसे मुंह की खानी पड़ी, फिर भी वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा। भारत के बाहर इस्लामी और ईसाई ताकतें एक दूसरे के सामने खड़ी हैं, लेकिन अब तक का इतिहास गवाह है कि भारत में जिहादी आतंकवाद के विरुद्ध दोनों ने हाथ मिलाए रखा था। भारत के प्रति विद्वेष की आग और वैश्विक आतंकवाद अंतत: न केवल पाकिस्तान, बल्कि सारे मुस्लिम देशों को अपनी आग की चपेट में लेता जा रहा हैं और आश्चर्य तो यह है कि दुनिया में सबसे ज्यादा मुसलमान स्वयं मुसलमानों द्वारा ही मारे जा रहे और आम मुस्लिम दर-दर की ठोकरें खा रहा है। 2017 में विश्व राजनीति में आधारभूत परिवर्तन की दस्तक सुनाई पड़ रही है। इसे समझने के लिए उस दौर को याद करना होगा, जब दूसरे विश्वयुद्ध के बाद दुनिया दो ध्रुवों में बंट गई थी। चर्चिल की 'फुल्टन स्पीच' के बाद अमरीका व मित्र राष्ट्रों तथा सोवियत संघ के बीच लगभग पैंतालीस बरस तक लंबा शीत युद्ध चला। समय के अंतराल पर पश्चिमी कूटनीति के आगे सोवियत संघ बिखर गया। समाजवाद के शून्य को इस्लामी जिहाद की विचारधारा ने भरना शुरू किया। अमेरिका प्रेरित तालिबान अचानक अलकायदा के अवतार में आ गया। अमेरिकी अभिमान के प्रतीक ट्विन टॉवरों के ध्वस्त होने पर पश्चिमी जगत ने अफगानिस्तान, इराक, लीबिया में जबरन सत्ता परिवर्तन करवाये। इसमें पाकिस्तान अमरीकी मोहरा बना और बेतहाशा इमदाद झटकता रहा। शीतयुद्ध की जिस मानसिकता से अमेरिका को बहुत पहले ही निकल आना था, अब वह मार खाकर निकल रहा है। अमेरिका के नए राष्ट्रपति ने पिछले एक दशक में फिर से काफी ताकतवर बन गए रूस की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। रूसी राष्ट्रपति ने तो अमेरिकी चुनाव से पहले ही कहा था कि डोनाल्ड ट्रंप अगर राष्ट्रपति नहीं बने तो अमरीका तीसरे विश्वयुद्ध जैसे हालात के लिए तैयार रहे। डोनाल्ड ट्रंप जीत गए तो सबसे ज्यादा खुशी रूस में देखी गई। अब ट्रंप ने टिलर्सन को विदेश मंत्री बनाकर रूस को खुशियों की सौगात दी है, क्योंकि वे पुतिन समर्थक हैं। रूस पिछले दशक में आर्थिक ही नहीं अपितु सैन्य संसाधनों के बल पर फिर से दुनिया में बड़ी ताकत बन चुका है। इधर विस्तारवादी नीतियों और वैश्विक अर्थव्यवस्था में साम्यवादी चीन के वर्चस्व तथा धौंस के चलते कई देश चिंतित हैं, जिसमें भारत भी एक है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप चीन की कुटिल रणनीति को पराजित करने के लिए ही रूस से दोस्ती बढ़ा रहे हैं। दक्षिण चीन सागर के द्वीपों पर बीजिंग के दावों से जापान सहित कई पड़ोसी देश मोर्चो संभाले हैं। वैश्विक बदलाव और चीन से तनातनी के चलते जापान, दक्षिण कोरिया भी अमरीकी खेमे में आ गए हैं। यूरोप में काफी अर्से से अमरीकी दबदबा कायम है। मध्य एशिया के सुन्नी मुस्लिम बहुल देश सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात व अफगानिस्तान पहले ही अमरीका के पाले में खड़े हैं। सीरिया, इराक की धरती आइएसआइएस की हिंसा से लहुलूहान है। इसने विश्व भर में आतंक व हिंसा मचा रखी है, जो अमेरिका की हिट लिस्ट में है। इस्लामी कट्टरवाद समूची मानवता के लिए खतरा बना हुआ है। पिछले वर्ष अकेले यूरोप में विभिन्न शहरों पर दस आतंकी हमले हुए। आशंका जताई जा रही है कि यूरोप ने शरणार्थियों के लिए जो रास्ते खोले थे, उसके साथ कई आतंकी भी वहां प्रवेश कर चुके हैं। अब वहां भी ट्रम्प के आदेश की तरह मुस्लिमों पर प्रतिबंध की मांग उठ रही है। जियादी आतंकवाद को रोकने और बेलगाम चीन के विश्व पटल पर तेजी से उभार के मद्देनजर चार महाशक्तियों, अमेरिका, रूस, जापान और भारत का चौगुट आकार ले सकता है। ये सभी परिस्थितियां भारत के लिए अनुकूल मानी जा रही हैं। ■

- सनत जोशी

Kailash Agarwal
9414159130

Pankaj Agarwal
9414621211

YUVRAJ PAPERS

Yuvraj Papers

Papers | Printing | Stationery

11-A, Indira Bazar, Nada Khada, Near Bapu Bazar,
Udaipur - 313001 Phone :- + 91-294-2418586

email : info@yuvrajpapers.com

With Best Compliments From

Lalit Paneri
Chief Executive Officer

T-1262
T-1502

ENGINEERS RL LABORATORY

URS is a member of Registrar of Standards (Holdings) Ltd.
ISO 9001:2008

Rahul Engineers Laboratory

An ISO/IEC 17025 : 2005 and ISO 9001:2008 Certified Laboratory

NABL ACCREDITED APPROVED BY GOVT. OF INDIA (DST)

:: Facilities ::

Testing of all Construction Materials, Ores, Minerals, Chemical Analysis, Mix Design, Establishment of Q.C. Laboratory, Calibration of Equipments, Project Preparations, R & D Work, Geotech Investigation, Mining Exploration, Core Drilling, Environment Impact Assessment

Head Office. :-
5-A, Chitrakut Nagar,
Bhuwana, Udaipur (Raj.)
313001, INDIA
Telefax : +91-294-2440317, 2440613

E-mail : rahul.labudr@gmail.com
lkpaneri@yahoo.co.in
website : www.rahulengineers.com

954 करोड़ का भूमिगत केबल घोटाला

जेल में बंद मुख्य अभियंता की 19.92 करोड़ की सम्पत्ति जब्त

नोएडा विकास प्राधिकरण के पूर्व मुख्य अभियंता यादव सिंह मामले की जांच में तेजी, फरार पत्नी व ठेकेदार की सम्पत्ति भी कुर्क

उमेश शर्मा

नोएडा समेत ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण के पूर्व मुख्य अभियंता यादव सिंह की गिरफ्तारी के एक साल बाद प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) ने अपनी जांच के तहत इसी साल जनवरी में आरोपी की 19.92 करोड़ की सम्पत्ति जब्त कर ली है। जांच एजेन्सी ने अपनी कार्रवाई में यादव सिंह के परिवार व उनके करीबी रिश्तेदारों के नाम से चल रही चार अलग-अलग कम्पनियों के खिलाफ कदम उठाया है। निदेशालय इस मामले की जांच उच्च न्यायालय के आदेश पर कर रहा है। यादव सिंह डासना जेल में बंद हैं। यहां उल्लेखनीय है कि इसी मामले में फरार चल रही यादव सिंह की पत्नी कुसुमलता और ठेकेदार पंकज जैन की आंशिक सम्पत्ति सीबीआई ने दिसम्बर 2016 में ही जब्त कर ली थी। मेसर्स कुसुम गारमेंट्स यादव सिंह की पत्नी के नाम पर है। ईडी ने जब्त की गई कुलिया सम्पत्ति की रिपोर्ट अदालत को प्रेषित कर दी है। निदेशालय के अधिकारियों के अनुसार जांच में सामने आया कि जिन कम्पनियों के खिलाफ कार्रवाई की गई, उनमें मेसर्स एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर ने तो उसे ठेका आवंटित होने के बहुत पहले से ही काम करवाना आरंभ कर दिया था। जो यह साबित करता है कि आरोपी कम्पनी और यादव सिंह में कोई आपराधिक मिलीभगत थी।

जांच में यह भी सामने आया कि इनमें से तीन कम्पनियों ने ठेके हासिल करने के वास्ते जो अमानत राशि जमा कराई, वह एक दूसरी कम्पनी के फिक्सड डिपॉजिट खातों से हुई, जिससे इनमें परस्पर सांठगांठ स्पष्टत: परिलक्षित होती है। ईडी के मुताबिक 19.92 करोड़ की जो सम्पत्ति जब्त की गई है, उनमें मैसर्स तिरूपति की 5 करोड़ 11 लाख, मेसर्स एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर की 4 करोड़ 52 लाख, मेसर्स जेएसपी की 9 करोड़ 97 लाख और मेसर्स कुसुम गारमेंट्स की 50 लाख रुपए की सम्पत्ति है। यादव सिंह मामले पर भाजपा सांसद किरीट सोमैया ने कुछ वर्ष पहले यादव सिंह की अकूत सम्पत्ति और फर्जी कम्पनियों के नाम पर घोटालों के दस्तावेज बतौर साक्ष्य मुहैया करवाए थे। जिनमें उल्लेख था कि महज कुछ लाख की पूंजी से शुरू हुई कम्पनियां कैसे कुछ ही महीनों और साल में करोड़ों का मुनाफा दिखाकर काले धन को सफेद करने में जुटी हैं।

नोएडा प्राधिकरण में 954 करोड़ रुपए के भूमिगत इलेक्ट्रिक केबल घोटाले की जांच से पकड़ में आए यादव सिंह 2007-12 के बीच तत्कालीन मायावती सरकार में नोएडा के सबसे ताकतवर अफसर थे। उन पर चहेते ठेकेदारों को करोड़ों-अरबों रुपए के ठेके देने के अलावा किसानों के भूखण्डों में भी अरबों रुपए के फर्जीवाड़े के आरोप लगे। नोएडा में 1980 में कनिष्ठ अभियन्ता से मुख्य अभियंता तक के सफ़र में बसपा सरकार की नजदीकी का खामियाजा 2012 में सपा सरकार आने के बाद ही यादव सिंह को झेलना पड़ा। उत्तर प्रदेश में सपा सरकार बनने के बाद प्राधिकरण के तत्कालीन चेयरमैन और सीईओ संजीव सरन ने यादव सिंह के खिलाफ थाना सेक्टर-20 में मामला दर्ज कराया था। सीबीसीआईडी की जांच में वे दोषी साबित नहीं हो पाए। इसके तुरन्त बाद उन्हें पुन: नोएडा के मुख्य अभियंता के रूप में नियुक्त किया गया, जिसकी सपा समर्थकों में तीखी प्रतिक्रिया हुई। लेकिन उनकी इस नाराजगी को दरकिनार करते हुए कुछ महीनों बाद उन्हें न सिर्फ नोएडा बल्कि ग्रेटर नोएडा

और यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण का इंजीनियरिंग प्रभारी भी बना दिया गया। माना जा रहा है भ्रष्टाचार के इस आरोपी को सपा सरकार में उच्च पद पर स्थापित करने में उन्हीं प्रो. राम गोपाल यादव की अहम भूमिका थी, जो हाल ही में पार्टी को दो फाड़ करने वाले नायकों में से एक हैं। पार्टी विभाजन के घटनाक्रम के दौरान ही सपा मुखिया मुलायम सिंह ने यादव सिंह मामले में प्रो. रामगोपाल यादव पर सार्वजनिक टिप्पणी कर सभी को चौंकाया भी था। सूत्रों के मुताबिक यादव सिंह से जुड़ी एक कम्पनी में प्रो. रामगोपाल के बेटे अक्षय और बहू की हिस्सेदारी भी थी। यादव सिंह की पत्नी कुसुमलता 2013 तक इस कम्पनी में निदेशक रही। मायावती के भाई आनंद की करीब 1300 करोड़ रुपए की सम्पत्ति भी इसीलिए केन्द्रीय जांच एजेन्सियों के निशाने पर है। ■

कर्नाटक... जयचंद्रा की संपत्ति जब्त

बेंगलूरु : प्रवर्तन विभाग(ईडी) ने 31 जनवरी 17 को राजमार्ग विकास विभाग के पूर्व परियोजना अधिकारी एसएसी जयचंद्रा की करीब 25 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त कर ली। इसमें तीन विशाल कृषि भूमि और एक फार्म हाउस और कई आवासीय संपत्तियां शामिल हैं। जयचंद्रा के खिलाफ नोटबंदी लागू होने के बाद दर्ज धनशोधन के मामले की जांच चल रही है। ■

झारखंड... पूर्व मंत्री को 7 साल की कैद

रांची : मनी लांड्रिंग एक्ट अस्तित्व में आने के बाद देश में पहली बार इसके तहत किसी को सजा हुई है। झारखंड के पूर्व मंत्री हरिनारायण राय को अवैध तरीके से 3.72 करोड़ की अर्जित संपत्ति रिश्तेदारों के नाम पर निवेश करने के मामले में सात साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है। प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) की विशेष अदालत ने उन पर 5 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया। ■

'प्रत्यूष' में यूआईटी अध्यक्ष का अभिनंदन

उदयपुर। नगर विकास प्रन्यास के अध्यक्ष रविन्द्र श्रीमाली का 22 फरवरी को श्यामनगर भुवाणा स्थित प्रत्यूष कार्यालय में अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने उदयपुर में नगर विकास प्रन्यास द्वारा वर्तमान एवं भावी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे राज्य सरकार के सहयोग से स्मार्ट सिटी की आधारभूत संरचना एवं शहर को हरा-भरा रखने के प्रति कृत संकल्पित हैं। प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी ने उनका स्वागत-अभिनंदन किया। इस अवसर पर उप सम्पादक शांतिलाल शर्मा, प्रबंधक नन्द किशोर जांगीड़, ग्राफिक विभाग के जगदीश सालवी व मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव नितेश कुमार भी उपस्थित थे।

Rajesh Sainani
Director

Phone :- 0294-3253071

MEWAR

Transport Co. (Regd.)

Honouring Commitments Since 1960

Logistics-Packers & Movers, Transport, CHA, ODC Services

Head Office.:- 1-266 Sainani Mension, C Class Housing Board Colony, Pratapnagr, Udaipur (Rajasthan)

info@mewartransport.com, mewartra@gmail.com
www.mewartransport.com

उदयपुर सम्भाग में पहली बार प्रत्येक ग्राहक के लिए 91.6 हॉलमार्क ज्वैलरी होलसेल रेट में

* होलसेल-रिटेल व्यापारी * शुद्धता की गारण्टी * होलसेल रेट (बिना गढ़ाई)
* सोने के सिक्के होलसेल भाव में * सम्पूर्ण स्टॉक 100: हॉलमार्क

नायाब और बेमिसाल स्वर्णाभूषणों की शानदार विशेष श्रृंखला

महावीर गोल्ड पैलेस

25 वर्षों से उदयपुर सम्भाग में गोल्ड ज्वेलरी के होलसेल में अनुभवी

91.6 रिटर्न की गारण्टी

159, ICICI बैंक के सामने, घण्टाघर, उदयपुर
Tel. : (S) 2413511, Mobile : 9414166511
web : www.mahaveergoldpalace.com I E-mail L mahaveergoldpalace511@gmail.com

विश्व राग पर झूमी झीलों की नगरी

झीलों की नगरी उदयपुर में 10 से 12 जनवरी 2017 तक महाराणा भूपाल स्टेडियम व फतहसागर की पाल पर सम्पन्न वर्ल्ड म्यूजिक फेस्टिवल में 150 से अधिक देशी-विदेशी कलाकारों ने विभिन्न वाद्य यंत्रों की धुनों पर सुरों की तान छेड़ी तो हर दिल झूम और हर पांव थिरक उठा। वंडर सीमेंट और राजस्थान टूरिज्म के सहयोग से हिन्दुस्तान जिंक द्वारा आयोजित इस त्रिदिवसीय फेस्टिवल की प्रथम सर्द शाम का आगाज मकदूनिया के जिप्सी बैण्ड कलाकार कोकानी आर्केस्ट्रा की प्रस्तुति से हुआ। उनके मोनोस्विज बैण्ड ने सुर और ताल से ऐसा समा बांधा कि पूरा स्टेडियम झूम उठा। 'सांग्स ऑफ नेचर' प्रस्तुति में मकदुनियाई संगीत के साथ ही जैज, फॉम म्यूजिक की जुगलबंदी खूब पसंद की गई। इसके बाद कनाडा के नियाज और ईरान के आजम अली की ख्यातनाम सूफी संगीत जोड़ी ने तो अपनी धुन और तान से जैसे दर्शकों पर जादू ही कर दिया। गीत-संगीत के इस इन्द्रधनुषी आयोजन का उद्घाटन राजस्थान के गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया और सहर संस्थान के निदेशक संजीव भार्गव ने किया। सिंथेसाइजर, गिटार व हारमोनियम पर सुरों के उतार-चढ़ाव और अफ्रीकी कबिलियाई नृत्य मुद्राओं पर बार-बार वाह !वाह ! के शोर में पूरा वातावरण भी अलमस्त था।

संगीत प्रेमियों के दिलों की धड़कन और पद्मश्री सम्मान के लिए चुने गए पार्श्वगायक कैलाश खेर ने सादगी से हौले-हौले चलकर मंच को नमन किया तो दर्शकों ने उनका नाम पुकारते हुए हाथ उठाकर जोश खरोश से अभिवादन किया। उन्होंने 'मोहे सुध-बुध ना रही तन की, ये तो जाने दुनिया सारी' गीत से आवाज का जादू बिखेरना शुरू किया। इसके बाद 'मैं तो तेरे प्यार में दीवाना होगया....., आज मोरे पिया घर आवेंगे.....,' सखी मंगल सजाओरी....., आवोजी म्हारा चतुर सुजान आदि नगमों से वर्ल्ड म्युजिकल फेस्टिवल को यादगार बना दिया।

फेस्टिवल में दूसरे दिन कबीर की कविताओं में आधुनिक संगीत का मिश्रण जब रुहानी हवाओं के साथ बहा तो दिलों के तार झंकृत हो उठे। बातों में गीत, गीतों में बातें, किस्से और कहानियों के बीच जीवन दर्शन की खरी-खरी बातें दिल को छू गई। कहत कबीर सुनो भाई साधु, सांसों की सांस में, मोको कहा ढूंढे मैं तो तेरे पास में ना मंदिर में ना मस्जिद में, ना काबै कैलाशा में, मन लाग्यो यार फकीरी में, चदरिया झीनी झीनी, हल्के गाड़ी हांको मेरे राम, जैसे छंदों ने धूम मचा दी।

फतहसागर की पाल पर कबीर कैफे की प्रस्तुति में देश के अलग-अलग हिस्सों के छह म्यूजिशियन के अनूठे बैंड ने पाल पर गुनगुनी धूप के बीच प्रस्तुतियां दीं। बैंड के नीरज आर्य ने बताया कि 2006 में उन्होंने कबीर की रचनाओं को गाना शुरू किया। उसके बाद मुकुंदराय स्वामी, रमन अय्यर, वीरेन सोलंकी, उब्रीटो केसी भी साथ जुड़े और उनके बैंड कबीर कैफे की शुरूआत हुई। इससे पहले सैनेगल से आए अबलेए और कॉन्सेंटिनोपल बैंड की प्रस्तुति ने सेनेगल व कनाडा के लोक गीतों व मौखिक परम्पराओं को आवाज दी। मडिंगो किंग्डम के महाकाव्यों से लिए गए अनूठे उद्गार और साज व आवाज की मीठी नोंकझोंक व जुगलबंदी का जादू सबके सिर चढ़कर बोला। उनके साज में 21 तारों के कोरा इंस्ट्रूमेंट सबके आकर्षण का केन्द्र बने।

इसी दिन शाम को स्टेडियम में कार्यक्रम की शुरुआत परवाज बैंड की प्रस्तुति से हुई। परवाज के खालिद अहमद ने गिटार पर धुनें छेड़ी तो मीर कासिफ इकबाल ने गिटार के साथ जुगलबंदी करते हुए सुर दिए। फिडेल डिसूजा ने बास पर रिद्म दी तो सचिन बनंदूर ने ड्रम व परकशन पर संगीत को नई ऊंचाइयां दीं। भारत के सुप्रसिद्ध व टॉप-5 हिन्दी बैंड के कलाकारों ने अपनी कंपोज की गई बेपरवाह, अबकी यह सुब, सोचना दिल, गुल गुलशन गुल गुलफाम जैसी कंपोजिशन सुनाई तो श्रोताओं का दिल बाग-बाग हो गया। दूसरी प्रस्तुति टॉप अल्ट्रो फॉक बैंड दक्षिणी अफ्रीका के हॉट वाटर बैंड की थी, जिसमें डोनोवेन कॉप्ले, टीम रेनकिन, बेंडाइल बोम्बोबेला, गे कोलिंन्ज, ग्जोल्सिवा टॉम डांस व फीट वोकल व एडिडान ब्रांड एकॉर्डिन आइकोनिंग अफ्रीकन स्टाफ ने

थिरकने पर मजबूर कर दिया है। सुरों में देहाती रंग भी मिले तो अपनों से बिछड़ने वालों के सुर भी। साज और साजिंदों में तारतम्य बस देखते ही बना। तीसरी प्रस्तुति स्वरात्मा की रही। वासू दीक्षित, पवन कुमार, संजीवन नायक, जिश्नुसादास गुप्ता, वरुण मुराली और जॉल मिलन बेपटिस्ट के इस ख्यातनाम फॉक रॉक बैंड ने संगीत को नई ऊंचाइयां दीं। फेस्टिवल के अंतिम दिन दोपहर को फतहसागर पाल पर देश-विदेश के कलाकारों की प्रस्तुतियों से मौजूद सैंकड़ों संगीत रसिक झूम उठे।

दिल्ली के आठ युवाओं के इंडियन क्लासिकल फ्यूजन बैण्ड अद्वेता ने कॉक स्टूडियो के प्रसिद्ध गीत 'घिर-घिर आए बदरिया कारी....' में राग मल्हार के साथ क्लासिकल मिक्स फ्यूजन ने कमाल कर दिया। उनके एलबम 'ग्राउंडेड इन स्पेस' और 'द साइलेंट सी' के मिक्स लाइव रिद्म पर हर आमोख़ास ने ताल से ताल मिलाया। हिन्दुस्तानी संगीत को नएपन के साथ परोसने के मकसद से इस बैंड ने राग दुर्गा व राग यवंती में निबद्ध बंदिशों की खुशबू बिखेरी और 'जा.. जा रे मंदिरवा.....' भीम पलासी बंदिश में राग यवन को शामिल कर संगीत की मस्ती का तूफान मचाया।

गिटार पर अभिषेक माथुर, अमन ड्रम पर, अनिंदो बोस की बोर्ड पर, चयन अधिकारी वोकल व गिटार, गौरव चिंतामणि बेस पर मोहित लाल परकशन व तबला, सुहेल युसूफ खान सारंगी वोकल व उवल नागर ने हिन्दुस्तानी वोकल पर नए सुरों की सौगात दी।

इससे पहले ब्राजील के गीत अफ्रीकी-क्यूबाई लय स्वीस क्यूबा के जाज़ संगीतकार यीलीयन केनीलजरेज़ की प्रस्तुति बहुत खास रही। क्यूबा वर्ल्ड म्यूजिक की टॉप-5 हस्तियों में शुमार यीलीयन के पारम्परिक फ्रेंच गीत 'ये.. ये... ये..., 'दा.. दी... दा... दा' पर दर्शकों का खूब साथ मिला। स्टेडियम में महोत्सव के समापन की शाम कई विश्व संगीत सितारों के नाम रही। शुरुआत इटली के बैण्ड आफी सीना की मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुति के साथ हुई। सिनीजिया मारजो ने वोकल, फ्ल्यूट व परकशन पर डोंटेलो पिजानेला ने मेंडोला पर, ल्यूगी पेनिका ने गिटार, सिलिविया गैलोन ने वोकल व परकशन पर साथ दिया। उनके संगीत ने म्यूजिकल थैरेपी का जादू जगाया। उन्होंने ट्रांस कंटेपरेरी म्यूजिक, लिरिक्स को परम्परागत और मौलिक गीतों में पिरोया।

इसके बाद देश और विदेश के ख्यातनाम कलाकारों से जुगलबंदी करने वाले भारतीय गिटार संगीत सितारे ध्रुव घाड़ेकर के नये प्रोजेक्ट ध्रुव वॉयज़ की प्रस्तुतियों ने दिलों के तारों को झंकृत कर दिया। साथ ही बॉम्बे बॉयज द्रोणा, व्हाइट नॉइज के गीतों ने तो मन की गांठें खोल कर रख दीं। वर्ल्ड कंटेपरेरी जैज, एक्सपरीमेंटल संगीत में डूबी प्रस्तुतियों ने समापन अवसर को खास बना दिया। इसके बाद लंदन से आए गिरजाघर कलाकारों फ्यूजन ऑफ गोसपेल विद फंक, जैज एंड रैगे ने आधुनिक ताल व लय के संयोजन की बारी थी। अरबन म्यूजिक अवार्ड-बेस्ट यूके गोसपल अवार्ड प्राप्त इस बैंड में रेवरेंड, ब्रेजिल मेडे, लॉरेन जॉनसन, डेलरॉय पॉवेल और जॉन फेंसिस सहित साथियों के साथ सुर मिलाए और संगीत के इस महाकुंभ का रुहानी समापन हो गया। उनके पारम्परिक गीत-संगीत और बीच-बीच में स्विंग बीट्स, रिद्म ने नई ऊर्जा का संचार किया। ■

- रिपोर्ट : मनीष उपाध्याय

भंवरलाल खटीक
एम.डी.
94141-67281

हेमेन्द्र खटीक
डायरेक्टर
9887111453

धर्मेश खटीक
डायरेक्टर
9829511888

0294-2522108 (ऑफिस)
0294-2416281 (निवास)

प्रगति रियल मार्ट प्राइवेट लिमिटेड
भंवर सेवा संस्थान
स्व. सुशीला देवी खटीक चेरिटेबल ट्रस्ट
7, गुलाबेश्वर मार्ग, गली नम्बर 5, हाथीपोल, उदयपुर (राज.)

भविष्यफल मार्च 2017

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

आत्मविश्वास में वृद्धि, प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त होगी, स्वयं की सूझबूझ से लिये गये निर्णय दूरगामी परिणाम देने वाले होंगे, स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, जीवन साथी से चिन्ता, व्यापार, कारोबार में बेहतर प्रस्ताव मिलेंगे। सन्तान पक्ष मध्यम, पुराने मित्रों से लाभ मिलेगा।

वृषभ

वक्री शुक्र असमंजस की स्थिति पैदा करेगा। संगीत एवं कला से जुड़े जातकों को विशेष सफलता प्राप्त होगी। आय पक्ष सुदृढ़, रूकावटों के साथ कार्य सिद्ध होंगे। स्वास्थ्य ठीक, दाम्पत्य जीवन में मधुरता, सन्तान पक्ष से शुभ समाचार। धन सम्बन्धित मामलों में सावधानी आवश्यक।

मिथुन

कार्य क्षेत्र की वृद्धि परन्तु अवरोध भी आएंगे। किसी के भी सामने अपनी कार्य योजना प्रकट न करें। साझेदारी सफलता दिलायेगी, बड़े बुजुर्गों का सहयोग प्राप्त होगा, स्वास्थ्य उत्तम, दाम्पत्य जीवन श्रेष्ठ, सन्तान की ओर से चिन्ता मुक्त होंगे। विरोधियों पर विजय।

कर्क

राजकीय एवं न्यायिक मामले पक्ष में रहेंगे तथा कार्य क्षेत्र में पूर्ण सफलता। भाग्य भी सहयोग करेगा। विरोधियों को पक्ष में कर लेंगे, पूंजी निवेश सोच समझ कर करें, भावनाओं में बहने से बचें, स्वास्थ्य सामान्य, जीवनसाथी को नये रोग का सामना करना पड़ सकता है, सन्तान पक्ष श्रेष्ठ।

सिंह

माह का पूर्वार्द्ध सुकून भरा है। प्रणय सम्बन्धों में अधिक निकटता, भाग्य साथ देगा, कार्य क्षेत्र सामान्य, माह का उत्तरार्द्ध आय पक्ष को प्रभावित करेगा, निवेश के लिए समय अनुकूल, स्वास्थ्य पक्ष उत्तम, सन्तान पक्ष सामान्य, भौतिक सुखों में वृद्धि की संभावनाएं।

कन्या

10 मार्च से आत्मविश्वास में कमी महसूस करेंगे। आमोद-प्रमोद एवं मनोरंजन में समय व्यतीत होगा, नये सम्पर्क से लाभ, लम्बित विवादों का निस्तारण सम्भव, श्रेष्ठजनों से लाभ, स्वास्थ्य उत्तम, जीवन साथी का पूर्ण सहयोग, सन्तान पक्ष सामान्य, खर्च की अधिकता।

तुला

कोई अल्पकालिक रोग उभरे एवं शत्रु तथा विरोधी पक्ष सक्रिय होकर क्षति पहुंचाने की फिराक में रहेगा। अपने आप को असहाय महसूस करेंगे। जीवन साथी के पूर्ण सहयोग से स्थिति में थोड़ा सुधार। कर्म क्षेत्र सामान्य, भाग्य मिश्रित फल देगा, संतान पक्ष सामान्य, लोग आपकी उदारता का फायदा उठायेंगे, नई कार्य योजना एवं यात्राओं को टालें।

वृश्चिक

अतिउत्साह में कुछ भी कर बैठेंगे, विचारों में सामंजस्य आवश्यक है। राजकीय एवं शासकीय कार्यों में उलझनें, कार्य क्षेत्र से भी चिन्ता रहेगी, नई योजनाओं की शुरूआत कर सकते हैं, साझेदारी में लाभ, स्वास्थ्य श्रेष्ठ, जीवन साथी से मधुरता, संतान पक्ष में हर्षोल्लास, सामाजिक मान-प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी।

धनु

संतान से शुभ समाचार मिलेंगे। माता के स्वास्थ्य की चिन्ता, कार्य क्षेत्र में वृद्धि एवं बेरोजगारों को स्थिर रोजगार की प्राप्ति, माह का उत्तरार्द्ध स्वास्थ्य की दृष्टि से कष्टकारी, रचनात्मक कार्यों में सफलता प्राप्त, आय पक्ष श्रेष्ठ एवं आय के नये संसाधन प्राप्त होंगे। जीवन साथी से कटुता।

मकर

धार्मिक यात्राओं में खर्च बढ़ेगा, परिवारजन से पूर्ण सहयोग, प्रसन्नता बनी रहेगी, कला के क्षेत्र में पूर्ण सफलता एवं नयी योजना, राजपक्ष से लाभ तथा व्यावसायिक विवादों का शमन होगा, लम्बी बीमारियां खत्म होगी, आय पक्ष मजबूत बनेगा, जीवनसाथी से सामान्य व्यवहार।

कुम्भ

माह का पूर्वार्द्ध विचारों के उठा-पटक में व्यतीत होगा, राजकीय एवं शासकीय कार्यों में पूर्ण सफलता, कार्य क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे, दाम्पत्य जीवन खटास, लोग आपके कार्यों की प्रशंसा करेंगे, संतान पक्ष मिश्रित, भाग्य पूर्णतया साथ देगा, साझेदारी से दूर रहें, पैतृक सम्पति सम्बन्धित मामले सुलझ सकते हैं।

मीन

पूर्व में किये गये कार्यों का अच्छा परिणाम, जिससे आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। भाग्य पूर्ण सहयोग करेगा जिससे स्थाई सम्पत्ति में भी वृद्धि होगी। व्यवसायिक यात्राएं फलदायी रहेंगी, आकस्मिक खर्चों में वृद्धि सम्भव, माह का उत्तरार्द्ध व्यथित करेगा, अनुभवी लोगों का सहयोग मिलेगा, स्वास्थ्य सामान्य, सन्तान पक्ष सामान्य।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

विवेकानन्द कॉलेज ऑफ टीचर्स एजूकेशन

धूणीमाता रोड, डबोक, उदयपुर

एड. कमलेश दाणी
प्रबन्ध निदेशक

गुणात्मक उत्कृष्टता के सर्वोच्च शिखर पर

डॉ. वसीम खान
प्रबंध निदेशक

Email Address
vivekanand_college_2006@yahoo.com

Contact Number
0294-6451477

प्रत्यूष समाचार

सिटी पैलेस पर आधारित पुस्तक का विमोचन

अरविन्द सिंह मेवाड़, डॉ. जेम्स कुनो, डॉ. शिखा जैन एवं वनिका अरोड़ा पुस्तक का विमोचन करते।

उदयपुर। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के तत्वावधान में मेवाड़ की जीवंत विरासत के संवर्द्धन, संरक्षण एवं उत्थान पर किए जा रहे कार्यक्रमों के तहत 2 फरवरी को प्रकाशित पुस्तक 'लिविंग हेरिटेज ऑफ मेवाड़' का विमोचन, यू.एस.ए. की नामी गेटी ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. जेम्स कुनो एवं एमएमसीएफ के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी अरविन्द सिंह मेवाड़ ने मुंबई के ताज महल पैलेस होटल में आयोजित समारोह में किया। कार्यक्रम समन्वयक एमएमसीएफ के उपसचिव डॉ. मयंक गुप्ता ने बताया कि अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित पुस्तक 'लिविंग हेरिटेज ऑफ मेवाड़-आर्किटेक्चर ऑफ द सिटी पैलेस उदयपुर' की लेखिका ड्रॉन फाउण्डेशन की डॉ. शिखा जैन एवं वनिका अरोड़ा है। इस रंगीन 175 पृष्ठों की पुस्तक में सिटी पैलेस, उदयपुर के बेहद दुर्लभ 165 फोटोग्राफ के साथ ही 58 चित्र प्रकाशित किए गए है। करीब 18वीं सदी से अब तक सिटी पैलेस में किए गए विस्तृत कार्यों की जीवंत विरासत के अलावा सदियों पुराने बहीड़ों एवं एकंत्रों को भी इसमें प्रकाशित किया गया है।

एकलिंगगढ़ सैन्य छावनी के वरिष्ठ अधिकारियों की पत्नियों सोनाली पाटिल व गीतांजलि शर्मा ने सेना के जवानों के साथ पिछले दिनों तारा संस्थान के वृद्धाश्रम का अवलोकन किया।

अलख नयन मन्दिर में नए ऑपरेशन थियेटर का उद्घाटन

नवनिर्मित ऑपरेशन थियेटर का उद्घाटन करते सिंघानिया ग्रुप के भृर्तहरि सिंघानिया, डॉ. रघुपति सिंघानिया, विनीता सिंघानिया, हर्षपति सिंघानिया, विक्रमपति सिंघानिया, अलख नयन मंदिर की ट्रस्टी डॉ. लक्ष्मी झाला एवं डॉ. एल. एस. झाला।

उदयपुर। जिस ट्रस्ट का नाम ही मंदिर हो, उसमें पूजा और सेवा-भावना के अतिरिक्त कुछ हो नहीं सकता। अलख नयन भी ऐसा ही मंदिर है जहां नि:स्वार्थ भाव से बिना भेदभाव मरीजों का उपचार किया जाता है। ये विचार सिंघानिया ग्रुप के जे. के. सीमेन्ट के चेयरमैन भृर्तहरि सिंघानिया ने पिछले दिनों प्रतापनगर एक्सटेंशन स्थित अलख नयन मंदिर में व्यक्त किए। श्रीमती वीना सिंघानिया की स्मृति में वीना सिंघानिया चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से अलख नयन मंदिर में 1 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक मशीनों से लैस ऑपरेशन थियेटर के लिए 53 लाख रुपए का सहयोग दिया गया। सिंघानिया ने कहा कि काम के प्रति स्व. डॉ. एच. एस. चूण्डावत का समर्पण ही था, जिन्होंने निजी चिकित्सालय को मंदिर (ट्रस्ट) में परिवर्तित कर अपना सम्पूर्ण जीवन मानवता को समर्पित कर दिया।अलख नयन मंदिर ट्रस्टी लक्ष्मी झाला ने भावुक होते हुए कहा कि स्व. डॉ. चूंडावत का यही मानना था कि मैं रहूं या नहीं लेकिन हॉस्पिटल में काम निरंतर रहना चाहिए। उन्होंने संस्थान की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि महात्मा भूरी बाई के आशीर्वाद से वर्ष 1984 में स्व. चूंडावत द्वारा आरंभ अलख नयन चिकित्सालय में वर्ष 1997 में अलख नयन मंदिर में परिवर्तित हुआ जिसके बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। प्रतिमाह 22-23 शिविर आसपास के गांवों में लगाए जाते हैं जहां मरीजों की पहचान कर उन्हें यहां लाने के बाद पूर्ण उपचार किया जाता है। आरंभ में डॉ. अरूण जकारिया ने कहा कि डॉ. चूंडावत ने सम्पूर्ण मानवता के लिए काम किया। मेडिकल डायरेक्टर डॉ. एल. एस. झाला ने अत्याधुनिक मशीनों के बारे में बताया कि बिना चीर-फाड़ के कम से कम समय में फेको पद्धति से यहां आंखों के ऑपरेशन किए जा सकेंगे। उन्होंने ऑपरेशन थिएटर में 53 लाख रुपए का सहयोग देने पर वीना सिंघानिया चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह में सिंघानिया ग्रुप के जे. के. टायर के चेयरमैन डॉ. रघुपति सिंघानिया, विनीता सिंघानिया, हर्षपति सिंघानिया, विक्रमपति सिंघानिया भी मौजूद थे।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन सोलर एनर्जी कार्यक्रम

सोलर एनर्जी कार्यक्रम का उद्घाटन करते गीतांजली ग्रुप के वाईस चेयरमैन कपिल अग्रवाल।

उदयपुर। गीतांजली इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल स्टडीज डबोक में तीन महीने के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन सोलर एनर्जी कार्यक्रम का उद्घाटन 30 जनवरी को हुआ। कार्यक्रम में मिनिस्ट्री ऑफ न्यू एवं रिन्यूएबल ऊर्जा और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोलर एनर्जी के अंतर्गत सूर्य मित्र सोलर स्किल डेवलपमेंट विषयें पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि गीतांजली ग्रुप के वाईस चेयरमैन कपिल अग्रवाल थे। संस्थान के डायरेक्टर डॉ. के. एन. सेठ ने छात्रों को सौर उर्जा के भविष्य में बदलती हुई संभावनाएं एवं जीवन को सरल बनाने की जानकारी दी।

संगीतायन' का विमोचन

स्मारिका का विमोचन करते कलक्टर रोहित गुप्ता, परिषद् अध्यक्ष सज्जन सिंह राणावत, मानद सचिव डॉ. यशवन्त कोठारी एवं अन्य।

उदयपुर। महाराणा कुम्भा संगीत परिषद् द्वारा प्रकाशित स्मारिका संगीतायन 2016 का विमोचन कलक्टर रोहित गुप्ता ने किया। परिषद् के मानद् सचिव डॉ. यशवन्त सिंह कोठारी ने बताया कि संगीत विषय पर प्रकाशित होने वाली राजस्थान की यह एक मात्र स्मारिका है जिसमें संगीत के विभिन्न विषयों पर जानकारी है। परिषद् के अध्यक्ष सज्जन सिंह राणावत ने बताया कि प्रतिवर्ष परिषद् की ओर से कुंभा संगीत समारोह आयोजित किया जाता है। जिसमें अन्तराष्ट्रीय स्तर के संगीत कलाकार भाग लेते हैं। इस अवसर पर सुशील कुमार दशोरा, महादेव दामानी, नितिन कोठारी भी उपस्थित थे।

शोरूम का उद्घाटन

शोरूम का फीता काटते एल. पी. श्रीवास्तव एवं अन्य।

उदयपुर। जेके टायर स्टील व्हील सत्यनाम एसोसिएट्स का उद्घाटन 3 फरवरी को प्रतापनगर में हुआ। जेके टायर कांकरोली के प्लांट हेड एलपी श्रीवास्तव ने उद्घाटन किया। शोरूम पर विक्रय एवं सर्विस की सुविधाएं दी जाएंगी। वाहनों का एलायनमेंट, बेलेंसिंग आदि कार्य मशीनों से होगा।

मोदी सरकार श्रम विरोधी : संजीव रेड्डी

उदयपुर। डबोक के पास धूणीमाता मेला ग्राउण्ड पर 1 फरवरी को श्रम शक्ति महासम्मेलन को संबोधित करते हुए इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जी. संजीव रेड्डी ने मोदी सरकार की नीतियों पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का एक ही मिशन है, तुम झाड़ू ले लो, पैसे मुझे दे दो और मेहनत करो। विमुद्रीकरण के बाद किसान और मजदूर वर्ग की रोजी-रोटी संकट में है। दो करोड़ लोग बेरोजगार हो गए, दुकानदारों का धंधा चौपट हो गया है।

इंटक के प्रदेशाध्यक्ष जगदीशराज श्रीमाली की श्रम शक्ति पदयात्रा के समापन पर उदयपुर सीमेंट मजदूर संघ की ओर से आयोजित इस महासम्मेलन में रेड्डी ने कहा कि वर्ल्ड बैंक के अनुसार भारत के लोगों जैसी बचत की आदत दुनिया में कहीं नहीं है। पूरी अर्थव्यवस्था बाहर के आघातों को इसी दम पर झेल रही थी मगर मोदी ने सत्ता में आते ही लोगों को झाड़ू थमा दिया, गृहणियों का संचित धन छीन कर बैंकों में जमा करने पर मजबूर कर दिया ताकि उस पैसे को ऊंची दरों पर उद्योगपतियों को दिया जा सके। जगदीश राज श्रीमाली ने कहा कि सीटू, एटक, बीएमएस, एचएमएस को एक करके श्री रेड्डी ने मजदूरों व किसानों के हित में पूरे देश में एक मंच से आवाज बुलंद करने का भागीरथ प्रयास किया है।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास ने कहा कि मेवाड़ की धरा पर शुरू हुआ संघर्ष का यह सिलसिला लगातार जारी रहेगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व विधायक डॉ. महेन्द्रजीत सिंह मालवीया, पूर्व मंत्री मांगीलाल गरासिया, जिला कांग्रेस प्रभारी नारायण सिंह बडोली, नेशनल सीमेंट वर्क्स फैडरेशन के महामंत्री देवराज सिंह, किशन त्रिवेदी आदि ने भी सम्बोधित किया। स्वागत भाषण अध्यक्ष केशूलाल सालवी ने किया।

पूर्व मंत्री गरासिया को पी.एच.डी

उदयपुर। जिले के आदिवासी बहुल विधानसभा क्षेत्र गोगुन्दा से तीन बार विधायक रहे पूर्व मंत्री मांगीलाल गरासिया को सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने

''गोगुन्दा विधानसभा क्षेत्र में विकास योजनाओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन'' विषय पर पी.एच.डी. उपाधि प्रदान की है। उन्होंने राजनीति विज्ञान विभाग के आचार्य डॉ. संजय लोढ़ा के निर्देशन में यह शोध पूरा किया। उन्होंने क्षेत्र की 77 ग्राम पंचायतों में कई को एक समान मानते हुए 14 ग्राम पंचायतों में से 20 परिवारों के 280 लोगों पर स्टडी की। उन्होनें बताया कि हालांकि विकास से हालात बदले हैं और जीवन स्तर में भी सुधार हुआ है, परन्तु आज भी शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी और परिवहन जैसी अहम सुविधाओं को लेकर लोग जूझते दिखाई देते हैं।

विद्यालय का शिलान्यास

शिलान्यास समारोह में मंचासीन शिक्षाविद् जगमोहन हूमड़, यश हूमड़, यूआईटी चेयरमैन रवीन्द्र श्रीमाली, शांतिलाल वेलावत एवं अन्य।

उदयपुर। श्री दिगम्बर जैन शिक्षा समिति की ओर से संचालित श्री दिगम्बर जैन बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की नवीन शाखा का शिलान्यास एवं भूमि पूजन समारोह हिरणमगरी सेक्टर 14 स्थित एफ ब्लॉक में सम्पन्न हुआ।

मुख्य शिलान्यासकर्ता भारतीय मूल के कनाडा के शिक्षाविद् जगमोहन हूमड़, श्रीमती यश हुमड़, मुम्बई के व्यवसायी विनोद कुमार जैन, यूआईटी चेयरमैन रवीन्द्र श्रीमाली, समाजसेवी शांतिलाल वेलावत, अजीत मिण्डा, देवेन्द्र छाप्या, कला करणपुरिया, पारस चित्तौड़ा, सुन्दर डागरिया, भंवरलाल मुण्डलिया थे। प्रधानाचार्या कला करणपुरिया ने विद्यालय की विकास यात्रा एवं प्रगति विवरण प्रस्तुत किया। समाजसेवी शांतिलाल वेलावत ने इस अवसर पर नवीन परिसर निर्माण के लिए उनकी ओर से हर सम्भव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का संचालन अनिल मेहता ने किया जबकि धन्यवाद की रस्म महेन्द्र चित्तौड़ा ने अदा की।

शपथ ग्रहण समारोह

उदयपुर। सुहालका संगिनी महिला मंडल का शपथ ग्रहण समारोह सुहालका भवन, सेक्टर 14 में हुआ। इसमें संरक्षक सुनिता सुहालका, अध्यक्ष लक्ष्मी सुहालका, उपाध्यक्ष चंदा सुहालका, सचिव नीलू सुहालका, कोषाध्यक्ष अनुराधा सुहालका आदि ने शपथ ली। मुख्य अतिथि प्रो. विजयलक्ष्मी चौहान एवं विशिष्ट अतिथि शोभा कारवा थी।

यूसीसीआई में सम्मानित हुए उत्कृष्ट उद्यमी

सम्मानित उद्योगपतियों के साथ सलिल सिंघल, वी.पी. राठी, अरविंद सिंघल, हंसराज चौधरी।

उदयपुर। उदयपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री का 52वां स्थापना दिवस समारोह यूसीसीआई भवन के पी. पी. सिंघल ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। बजाज समूह के चेयरमैन शिशिर बजाज मुख्य अतिथि थे। स्थापना दिवस समारोह का मुख्य आकर्षण यूसीसीआई एक्सीलेन्स अवार्ड रहे। निर्माण क्षेत्र में उल्लेखनीय औद्योगिक उपलब्धि के लिये लघु, मध्यम, मिड कॉर्पोरेट एवं वृहद क्षेत्र के उद्योगों तथा सामाजिक उत्तरदायित्व में उल्लेखनीय कार्य करने वाले उद्योगों को यूसीसीआई एक्सीलेन्स अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। स्मॉल स्केल एन्टरप्राईज अवार्ड - मैसर्स जी. जी. वॉल्वज प्रा. लि., उदयपुर को प्रदान किया गया। मेवाड़ हाईटेक मिडियम स्केल एन्टरप्राइज अवार्ड-मैसर्स मधुसूदन मार्बल्स प्रा. लि., उदयपुर को प्रदान किया गया। आर्कगेट मिड कॉर्पोरेट एन्टरप्राईजेज अवार्ड-मैसर्स राजस्थान बैराईट्स प्रा. लि., उदयपुर को प्रदान किया गया। पायरोटेक टेम्पसन्स लार्ज एन्टरप्राईज अवार्ड-मैसर्स नितिन स्पिनर्स प्रा. लि. भीलवाड़ा को प्रदान किया गया। सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए हिन्दुस्तान जिंक सीएसआर अवार्ड, मैसर्स जे. के. टायर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज लि., कांकरोली को प्रदान किया गया। अवार्ड प्राप्त करने वाले उपक्रमों की व्यावसायिक उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हुए सभी अवार्डी एन्टरप्राईजेज की लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। जीवन पर्यन्त उद्योग एवं व्यवसाय के विकास हेतु उल्लेखनीय योगदान देने के लिए यूसीसीआई लाईफ टाईम अचीवमेंट अवार्ड लक्ष्मी निवास झुनझुनवाला को प्रदान किया गया। अवार्ड प्रायोजित करने वाले उपक्रम मैसर्स सिंघल फाउण्डेशन, मैसर्स मेवाड़ हाईटेक इंजीनियरिंग प्रा. लि., मैसर्स आर्कगेट, मैसर्स पायरोटेक टेम्पसन्स समूह एवं मेसर्स वेदान्ता हिन्दुस्तान जिंक के प्रतिनिधियों का भी अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम में यूसीसीआई की 'पार्टनरिंग द ग्रोथ' अवार्ड बुकलेट का विमोचन भी हुआ।

माँ पद्मा देवी प्रतिमा की प्रतिष्ठा 5 मई को

उदयपुर। आदिनाथ मानव कल्याण समिति कविता(उदयपुर) द्वारा आगामी 5 मई को महावीर धाम कविता में श्रीसुधर्म सागर जी महाराज के सान्निध्य में मां श्री पद्मावती देवी की प्रतिमा का प्रतिष्ठा समारोह आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी संस्था के अध्यक्ष अशोक सेठ व उपाध्यक्ष रणजीत सिंह मेहता ने दी।

डॉ. छाबड़ा को वोकेशनल सर्विस अवॉर्ड

अवार्ड प्राप्त करती डॉ. स्वीटी छाबड़ा ।

उदयपुर। रोटरी क्लब मीरा की पूर्वाध्यक्ष डॉ. स्वीटी छाबड़ा को रोटरी अंतरराष्ट्रीय ने व्यावसायिक सेवा, रोटरी की प्रतिबद्धता को बढ़ावा देने के लिए जयपुर में आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया।

नया ट्रांसपोर्ट नगर विकसित होगा

निर्देशिका का विमोचन करते गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया, रविन्द्र श्रीमाली, चन्द्रसिंह कोठारी, पारस सिंघवी, दिनेश भदादा, नितिन सेठ एवं अन्य।

उदयपुर। उदयपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित 'प्रगति के पथ पर' निर्देशिका का विमोचन शौर्यगढ़ में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया, विशिष्ट अतिथि यूआईटी चेयरमैन रवीन्द्र श्रीमाली, चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष पारस सिंघवी, समारोह अध्यक्ष उद्यमी राज भीमनमल तलरेजा व सम्पादक नितिन सेठ ने किया। गृहमंत्री ने कहा कि शहर में शीघ्र एक और ट्रांसपोर्ट नगर विकसित किया जाएगा। स्वागत एसोसिएशन अध्यक्ष चन्द्रसिंह कोठारी ने किया। सचिव संजय नलवाया ने वर्ष भर का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सूरजमल मोगरा, ओमप्रकाश गहलोत, गुरप्रीत सिंह, दिनेश भदादा, नरेश नागदा, गजेन्द्र जैन आदि उपस्थित थे।

प्रियंका को पी.एच.डी.

उदयपुर। सुखाड़िया विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय की शोधार्थी प्रियंका चौहान को ''महिला अधिकारों के प्रति जागृति एवं महिला सशक्तिकरण'' विषय पर पी.एच.डी. की उपाधि प्रदान की गयी। उन्होंने 'वागड क्षेत्र का अनुभवमूलक अध्ययन' विषय पर डॉ. जैनब बानू के निर्देशन में शोध किया

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओं पर स्लोगन स्पर्धा

स्लोगन प्रतियोगिता के अवसर पर चेयरमैन डॉ. अजय मुर्डिया, क्षितिज मुर्डिया, मनीष खत्री, आशीष लोढ़ा, हॉस्पीटल स्टाफ एवं अन्य।

उदयपुर। इंदिरा आईवीएफ एंड टेस्ट ट्यूब बेबी हॉस्पीटल में राष्ट्रीय बालिका दिवस पर महिलाओं के लिए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ स्लोगन प्रतियोगिता हुई। इसमें हॉस्पीटल के स्टाफ के साथ गर्भवती महिलाओं और डॉक्टर्स ने भाग लिया। महिलाओं ने नारी है तो कल है, महिला के बिना सृष्टि की कल्पना नहीं की जा सकती, जीने का उसको भी अधिकार, चाहिए उसे थोड़ा सा प्यार, बेटी कुदरत का उपहार, उसका नहीं करो तिरस्कार, जो बेटी को दे पहचान, माता-पिता वही महान आदि हृदयस्पर्शी स्लोगन लिखे। चेयरमैन डॉ. अजय मुर्डिया ने कहा कि बालिकाओं की सेहत, पोषण व पढ़ाई जैसी चीजों पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। ग्रुप के मेडिकल डायरेक्टर क्षितिज, एम्ब्रियोलॉजी डायरेक्टर नितिज, डायरेक्टर ऑपरेशन्स मनीष खत्री, डायरेक्टर आशीष लोढ़ा आदि मौजूद थे।

आरनॉल्ड जिम व राजीव सुरति डांस फेक्ट्री की शाखाएं शुरू

जिम का शुभारम्भ करते मुकेश कुमार गहलोत, रोसावा समूह के घनश्याम शर्मा, चन्द्रप्रकाश, बिन्दु शर्मा एवं अन्य।

उदयपुर। हिरणमगरी सेक्टर 11 स्थित आरनॉल्ड जिम का शुभारंभ मिस्टर इंडिया मुकेश कुमार गहलोत ने एवं इसी जिम में बॉलीवुड कोरियाग्राफर राजीव सूरति ने राजीव सूरति डांस फेक्ट्री का श्रीगणेश किया। गहलोत ने कहा कि फिजिक को मेंटेन करने के लिए निरंतर अभ्यास जरूरी है। कोरियाग्राफर सूरति ने बताया कि यह ऐसा पहला जिम है जहां जिम के साथ योगा व डांस का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिम के संस्थापक घनश्याम शर्मा हैं। जिम प्रमोटर बिन्दू शर्मा ने बताया कि जिम में आधुनिक तकनीकी की मशीनें लगाई हैं। करीब 36 सौ वर्गफीट में फैले जिम में पुरुष-महिलाओं के लिए अलग स्टीम बाथ व मसाज सुविधा है। इस अवसर पर नगर निगम मेयर चंद्रसिंह कोठारी, रोसावा समूह के राजेन्द्र शर्मा, जानकीलाल, चंद्रप्रकाश, देवेन्द्र शर्मा, डॉ. अरविंदर सिंह, मुकेश माधवानी, संतोष कालरा आदि भी मौजूद थे।

डॉ. अरविंदर सिंह ने दिया व्याख्यान

उदयपुर। अर्थ डायग्नोस्टिक के सीईओ डॉ. अरविंदर सिंह ने भारत के अग्रणी क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज वेलौर में व्याख्यान दिया। डॉ. सिंह राजस्थान से एकमात्र पैथोलॉजिस्ट थे, जिन्होंने पैथोलाजी लेवल के आटोमेशन की कार्यप्रणाली पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि डिजीटल तथा नैनो तकनीक द्वारा मरीजों की बीमारियां प्रारंभिक स्तर पर ही डायग्नोज हो सकती है। डॉ. सिंह ने रिसर्च पेपर भी प्रजेंट किया। इस मौके पर प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष मौजूद थे।

सीए प्रकोष्ठ के अध्यक्षों की घोषणा

उदयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सचिन पायलट की स्वीकृति से प्रदेश सीए प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विजय गर्ग ने राजस्थान के सभी जिलों के लिए अध्यक्षों की घोषणा की। उदयपुर शहर में सीए शैलेन्द्र कुणावत तथा उदयपुर ग्रामीण में सीए दीपक स्वर्णकार को अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

शैलेन्द्र कुणावत

दीपक स्वर्णकार

लाडिया को लाइफटाइम अचीवमेन्ट अवार्ड

लाइफ टाइम अचीवमेन्ट अवार्ड प्राप्त करते राजस्थान सिन्टेक्स चेयरमैन डॉ. विनोद कुमार लाड़िया।

उदयपुर। श्री राजस्थान सिन्टेक्स लि. के चेयरमैन डॉ. विनोद कुमार लाडिया को मुंबई में आयोजित एक समारोह में वस्त्र मंत्रालय की सचिव रश्मि वर्मा ने लाईफ टाईम अचीवमेन्ट अवार्ड से सम्मानित किया। लाडिया को उक्त सम्मान भारत में वस्त्र उद्योग के विकास और विशेष रूप से सिन्थेटिक टेक्सटाईल उत्पादों के निर्यात संवर्द्धन व विकास में दिये गये योगदान पर प्रदान किया गया। नामचीन उद्योगपति लाडिया टेक्सटाईल्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से स्वर्णपदक प्राप्त टेक्सटाईल इंजीनियर तथा भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद से एमबीए है। वर्ष 2014 में इन्हें डॉक्टरेट ऑफ फिलासोफी की मानद उपाधि से सम्मानित भी किया गया था।

अंतरराष्ट्रीय स्टोन मार्ट में रोसावा पुरस्कृत

उदयपुर। शहर की रोसावा इंजीनियरिंग कंपनी को जयपुर में आयोजित नौवें अंतरराष्ट्रीय स्टोन मार्ट में मशीन कैटेगरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रथम पुरस्कार मिला है। उल्लेखनीय है कि कम्पनी ने मार्ट में कम्पनी के निदेशक रोहित शर्मा द्वारा देश के पहले ऑटोमेटिक मार्बल लोडिंग-अनलोडिंग रोबोट मशीन लगाई थी। जिसे दशे-विदेश के बायर्स की खूब सराहना मिली। कम्पनी के मैनेजिंग डायरेक्टर सीपी शर्मा ने पुरस्कार मिलने पर कहा कि हमारे प्रयास की सराहना पर हम बहुत उत्साहित हैं।

पिकअप श्रेणी के योद्धा की लॉचिंग

सी.के. मोटर्स के एम.डी. अनूप धोका, मनोज अरोड़ा, दीपक गौतम जिनोन योद्धा को लाँच करते हुए।

उदयपुर। टाटा मोटर्स द्वारा नवनिर्मित कॉमर्शियल पिकअप वाहन जिनोन योद्धा का उदयपुर में बिक्री के लिए लॉन्च किया गया। लॉन्चिंग के अवसर पर आयोजित समारोह में कम्पनी के रिजनल सेल्स मैनेजर मनोज अरोड़ा, एरिया सेल्स मैनेजर दीपक गौतम, कम्पनी के स्थानीय डीलर सी. के. मोटर्स के अनूप धोका एवं त्रिपरारी ने दो ग्राहकों फतहलाल जैन एवं शेरखान को चाबी सौंपी।

इस अवसर पर अरोड़ा ने बताया कि कॉमर्शियल वाहनों की श्रेणी में कम्पनी ने पिकअप सेगमेंट में जिनोन योद्धा को बेहतर फीचर्स के साथ पेश किया गया है। इस प्रकार तैयार किया गया है कि इसकी मेन्टीनेन्स कोस्ट काफी कम आए। इसका 20 हजार किमी का सर्विस इन्टरवेल दिया गया है जो इसी श्रेणी के अन्य वाहनों की तुलना में लगभग दुगुना है।

कम्पनी के एरिया सेल्स मैनेजर दीपक गौतम ने बताया कि टाटा ने 60 वर्ष पूर्व कॉमर्शियल वाहनों का निर्माण प्रारम्भ किया और आज भी देश में नं. 1 बनी हुई है। समारोह में सी. के. मोटर्स के अनूप धोका ने कम्पनी के बारे में जानकारी दी। प्रारम्भ में अतिथियों सहित मोड़सिंह एवं मुकेश कुमार खिलवानी ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की।

'फार्मा फेस्ट' सांस्कृतिक संध्या

सांस्कृतिक संध्या में अतिथि डॉ. जे.पी. छापरवाल, डॉ. भारत छापरवाल, डॉ. महेन्द्र सिंह राठौड़, गजेन्द्र सिंह शक्तावत एवं अन्य।

उदयपुर। भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय द्वारा पिछले दिनों सांस्कृतिक संध्या 'फार्मा फेस्ट' का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. भारत छापरवाल पूर्व कुलपति देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर ने किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. जे. पी. छापरवाल कॉर्डियोलोजिस्ट, अनन्ता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज थे। बी. एन. विवि के प्रेसीडेन्ट डॉ. महेन्द्र सिंह राठौड़, गजेन्द्र सिंह शक्तावत, दिलीप सिंह राठौड़ व कार्यकारिणी सदस्य मौजूद थे।

पालीवाल को श्रद्धांजलि

उदयपुर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं समाजसेवी स्व. सुरेश पालीवाल की पुण्यतिथी पर 17 फरवरी को पुष्पांजलि अर्पित करते गोपालकृष्ण शर्मा, मांगीलाल जोशी, गजेन्द्रसिंह शक्तावत, अर्चना शर्मा, धर्मपत्नी शीला पालीवाल, भाई राजेन्द्र-इंद्रा, पुत्र सौरभ-नेहा, लोकेन्द्र-भूमिका, भूपेन्द्र-राखी, अमरीश-शीतल, शैलेन्द्र-मीनाक्षी, मोनू, भव्यी, हियाश्री, ऋतिक, काव्याश्री, नीति, ग्रन्थ पौत्र प्रियहान एवं अन्य।

प्रियदर्शी नागदा को विधि में पी.एच.डी.

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की ओर से प्रियदर्शी नागदा को विधि विषय में पी.एच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने ''ए सोशियो लीगल स्टडी ऑफ प्रिजन सिस्टम एण्ड रिफॉर्म्स इन इंडिया'' विषय पर अपना शोध डॉ.रतनलाल जाट के निर्देशन में पूर्ण किया। उन्होंने अपने शोध में भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन सहित विश्व के कई देशों में कैदियों से संबंधित विभिन्न कानूनों एवम् सुधारों पर कार्य किया।

शर्मा अध्यक्ष निर्वाचित

उदयपुर। भारत विकास परिषद 'आजाद' में आगामी 2 वर्षों के लिए भारत विकास परिषद 'आजाद' के अध्यक्ष पद हेतु दीपक शर्मा का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। इसी तरह सचिव पद हेतु जगदीश जागेटिया एवं कोषाध्यक्ष पद हेतु भूपेन्द्र जैन को निर्वाचित घोषित किया गया। निर्वाचन अधिकारी डॉ. जैन थे।

डॉ.कोठारी को राती घाटी पुरस्कार

उदयपुर। इतिहासविद् एवं साहित्यकार डॉ.देव कोठारी को राती घाटी राष्ट्रीय शोध एवं विकास समिति बीकानेर की ओर से 51 सौ रूपए के नगद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली की ओर से प्रायोजित इतिहास पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय दृष्टि कार्यशाला के बीकानेर के राजकीय डूंगर महाविद्यालय में आयोजित समापन समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया गया। डॉ. कोठारी का स्व. मोहनसिंह बीका स्मृति राती घाटी पुरस्कार के लिए चयन प्राचीन हस्तलिखित साहित्य बीकानेर के शासक राव जैतसी द्वारा 26 अक्टूबर 1534 ई. को हुमायूं के भाई कामरान को राती घाटी युद्ध में हराने की सामग्री की खोज करने पर किया गया।

झाड़ोल में भौमट महोत्सव

विमोचन करते महेन्द्र सिंह मेवाड़, गिरिजा शंकर, नीतू सिंह, अशोक वर्मा एवं अन्य।

उदयपुर। राजस्थान बाल कल्याण समिति झाड़ोल(फ) के संस्थापक पंडित जीवत राम शर्मा की स्मृति में भौमट महोत्सव 2017 सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि महेन्द्र सिंह मेवाड़ ने कहा कि लालच छोड़ जनकल्याण की भावना से व्यक्ति कड़ी मेहनत कर विकास के ऊंचे पायदान को हासिल कर सकता है। उन्होंने भौमट खेलकूद प्रतियोगिता के लिए ओलंपिक झंडे का ध्वजारोहण कर स्पर्धा का आगाज किया। साथ ही पंडित शर्मा की स्मृति में लिखी गई पुस्तक का विमोचन किया। समारोह को विशिष्ट अतिथि उमाशंकर शर्मा, कुलपति महाराणा प्रताप कृषि एवं अभियांत्रिकी विश्वविद्यालय उदयपुर, भाजपा देहात जिला अध्यक्ष गुणवंत सिंह झाला एवं विधायक हीरा लाल दरांगी तथा संस्था के अध्यक्ष अशोक वर्मा ने भी सम्बोधित किया। संस्था निदेशक गिरजा शंकर शर्मा ने भौमट महोत्सव की जानकारी दी। संस्था व्यवस्थापक ललित शर्मा व गिरजाशंकर शर्मा ने माल्यार्पण कर अतिथियों को शॉल भेंट किए।

शिवकथा का महारुद्र आयोजन

उदयपुर। सावरकुण्डला गुजरात के अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातनाम कथा मर्मज्ञ गिरि बापू ने निम्बार्क शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में 17 से 25 फरवरी तक शिवकथा की। नौ कुंडीय महारुद्र यज्ञ भी सम्पन्न हुआ। कथा का मुख्य यजमान समाजसेवी पं. लक्ष्मीनारायण गौड़ परिवार था। आयोजन में मुख्य सान्निध्य महन्त रास बिहारी शरण, स्थल मंदिर का प्राप्त हुआ। कथा समिति के अध्यक्ष दिनेश भट्ट ने बताया कि आयोजन का आस्था चैनल से 180 देशों में सीधा प्रसारण किया गया।

नोटबंदी के प्रभावों पर लघु पुस्तिका

उदयपुर। सूक्ष्म पुस्तिका निर्माण कलाकार चन्द्रप्रकाश चित्तौड़ा ने नोटबंदी और उसके प्रभावों को एक लघु पुस्तिका में समाहित किया है। कलाकार ने पुस्तिका में 'प्रत्यूष' के दिसम्बर 2016 के अंक में नोटबंदी, आमजन को हुई परेशानी और इसके दूरगामी प्रभावों पर प्रकाशित 'सम्पादकीय' को भी शामिल किया है। पिछले दिनों चित्तौड़ा द्वारा ही निर्मित वर्ष 2017 के लघु कलैण्डर का विमोचन संभागीय आयुक्त भवानी सिंह देथा व एकलिंगगढ़ छावनी के स्टेशन कमाण्डर बिग्रेडियर एस. एस. पाटिल ने किया।

प्रो. शर्मा को अवार्ड

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. उमाशंकर शर्मा को कीट विज्ञान विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बायोवेड ऑनोरेरी फैलोशिप अवार्ड से नवाजा गया। इलाहाबाद में आयोजित भारतीय कृषि वैज्ञानिक एवं किसान कांग्रेस उद्घाटन में सोसायटी अध्यक्ष डॉ. एसडी मिश्रा व बायोवेड कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान अनुसंधान संस्थान इलाहाबाद के निदेशक डॉ. बृजेश द्विवेदी ने प्रो. शर्मा को अवार्ड प्रदान किया।

शोक समाचार

उदयपुर। कथा प्रवक्ता एवं सेवानिवृत्त शिक्षक **पं. जगन्नाथ प्रसाद जी वैष्णव** निवासी जगदीश चौक का 9 फरवरी 2017 को निधन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी देवी, पुत्र मधुसूदन वैष्णव, कांग्रेस के युवा नेता वीरेन्द्र वैष्णव व राजेश वैष्णव, पुत्रियां बेबी देवी, शशिकला व प्रमिला देवी सहित पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया, पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. सी. पी. जोशी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास, पूर्व सांसद रघुवीर सिंह मीणा, पूर्व विधायक सज्जन कटारा सहित अनेक नेताओं ने शोक व्यक्त किया है।

उदयपुर। अलख नयन मन्दिर के संस्थापक एवं महात्मा भूरीबाई सत्संग परिवार के प्रेरक **डॉ. हरिसिंह जी चूण्डावत** (ठि. रामपुरिया) का 26 जनवरी, 2017 को आकस्मिक देवलोकगमन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पत्नी श्रीमती बालकुंवर, पुत्री-जंवाई डॉ. लक्ष्मी-डॉ. लक्ष्मण सिंह झाला, श्रीमती मीनाक्षी-डॉ. कमल सिंह राठौड़ व भाई-भतीजों व दोहित्र-दोहित्रियों तथा विशाल सत्संग परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। हिन्दुस्तान जिंक के पूर्व प्रबंधक (वित्त) **श्री कन्हैयालाल जी खुरदिया** का 27 जनवरी 2017 को निधन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पत्नी श्रीमती कंचन देवी, पुत्र कमल, अशोक, अरूण व अजीत तथा पुत्रियां चंदनबाला रांका, अंगूरबाला जैन व मंजू बड़ाला सहित पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। दैनिक नवज्योति के स्थानीय संपादक प्रकाश शर्मा के पिताश्री सेवानिवृत्त शिक्षक **श्री घनश्याम जी शर्मा** का 4 फरवरी 2017 को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पुत्र कमलेश, प्रकाश, जयंत एवं पुत्री लक्ष्मी देवी सहित भाई-भतीजों एवं पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। स्व. शर्मा को संगीत विधा से भी बेहद लगाव था।

राजनगर। पत्रकार दिनेश श्रोत्रिय की पुत्री **सुश्री मीनल** का 4 फरवरी को आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल दादा-दादी पं. स्नेहीराज-शांता देवी माता-पिता व भाई-बहिनों का परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। वी. सी. कन्स्ट्रक्शन के **श्री चन्द्रेश जी औदिच्य** ईडाणा वाला का 1 फरवरी 2017 को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल माता हमेरी बाई, पत्नी कल्पना देवी, पुत्र प्रतीक व पुत्री सरोज सहित वृहद परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। मेसर्स ओमप्रकाश एसोसिएट्स के **श्री राजकुमार पाहुजा** का 25 जनवरी 2017 को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पत्नी श्रीमती सीमा देवी, पुत्र रिक्की व पुत्री चांदनी आहूजा सहित भाई-भतीजों का समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

THE LEADER IN WIRELESS INTEGRATED COMMUNICATION SOLUTION PROVIDER

MOTOROLA™
intelligence everywhere

(Sales & Maintenance of Wireless System)

Affordable, Efficient, Easy Customisation

Total Solution For Wireless Communication

Available Spares & Accessories, Contact for
Maintenance, Licence, Renewal, Additional, Cancellation.

Auth. Dealer

PYROSON ELECTRONICS

G-26, Anand Plaza, Near Ayad Pulia, Univ. Road, UDAIPUR
Telefax : 0294-2429633 (M) 9414167533
Web. : www.pyroson.com / e- mail : pyroson.mail@gmail.com

With Best Compliments

BALAJI KRIPA MARBLE
& GRANITE PVT. LTD.

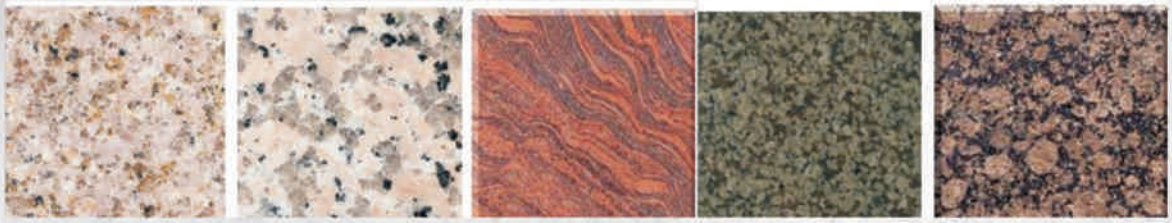

ALL KINDS OF MARBLE AND GRANITE BLOCK, SLABS & TILES.

398-399, Sukher Industrial Area, Sukher, Udaipur (Rajasthan) INDIA
Phone : +91-294-2442370, Fax : +91-294-2441773
e-mail : balajikripa-udr@gmail.com

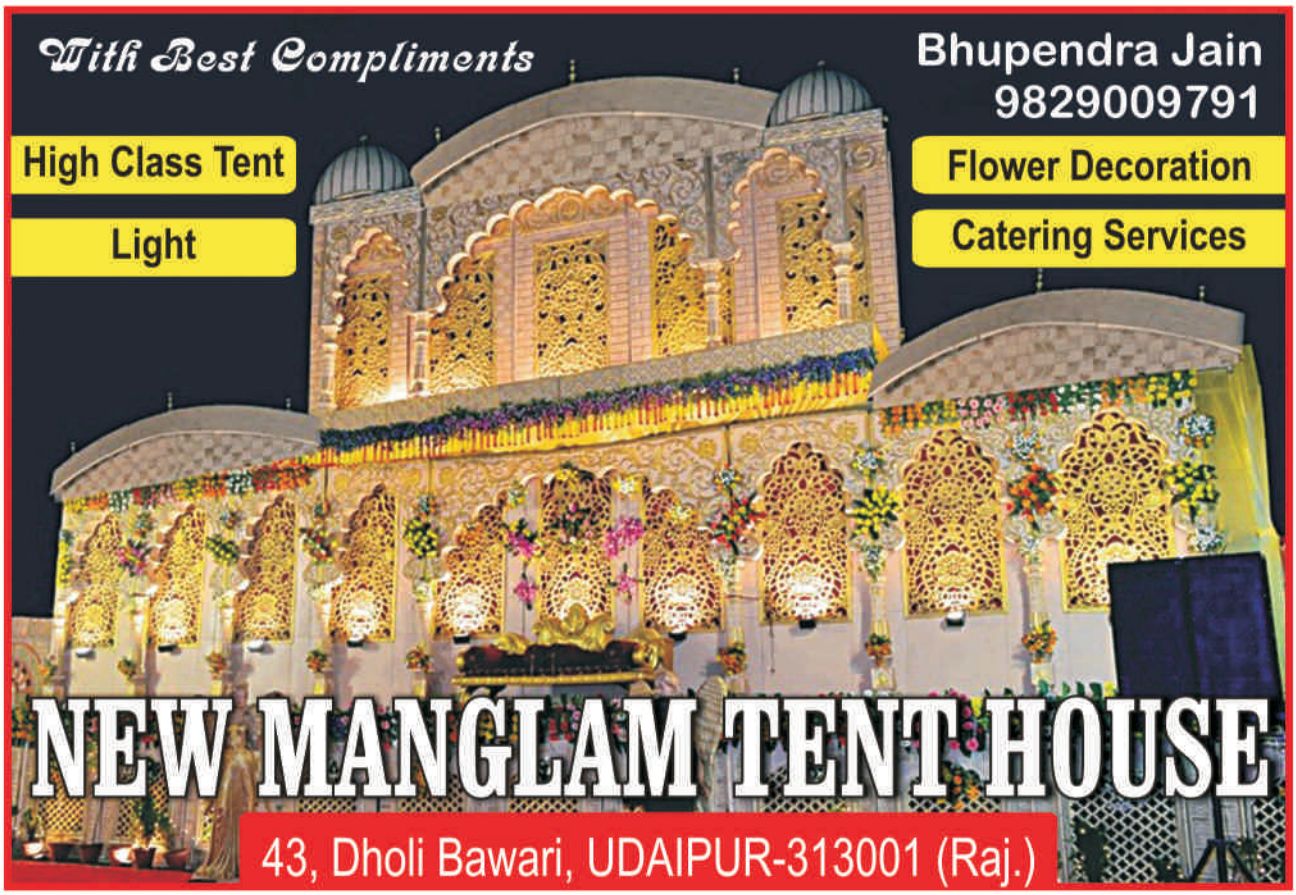
With Best Compliments
Bhupendra Jain
9829009791
High Class Tent
Light
Flower Decoration
Catering Services
NEW MANGLAM TENT HOUSE
43, Dholi Bawari, UDAIPUR-313001 (Raj.)

A Product of
अर्चना Panch 5 mani Fragrance
अर्चना एक्टिव
कपड़े रहे एक्टिव अर्चना एक्टिव डिटर्जेन्ट के साथ
1 Kg. वाले कट्टे में 25 पाउच
500 Gram वाले कट्टे में 40 पाउच
200 Gram वाले कट्टे में 80 पाउच
आधुनिक एवं सर्वश्रेष्ठ तकनीक का आविष्कार एक्टिव डिटर्जेन्ट पाउडर
निर्माता : पंचमणी फ्रेगरेन्स
कार्यालय : ने. हा. 76, एयरपोर्ट रोड
ग्लास फैक्ट्री चौराहा, खेमपुरा की तरफ
उदयपुर-313001 (राजस्थान)
वेबसाईट : www.archanaagarbatti.com
ई-मेल : sales@archanaagarbatti.com
www.facebook.com/Archana Agarbatti
फोन : 0294-2492161, 2490899
व्यावसायिक पूछताछ एवं डीलरशिप हेतु आर्थिक रूप से सुदृढ़ पार्टियां (वितरक रहित क्षेत्र में) सम्पर्क करें।
मो.: +91-98290 42705, +91-99508 15555

The KrishnaLiLA Regency

11, Sheetla Marg, Lake Palace Road,
Near Gulab Bagh, Udaipur (Raj.)
Tel. : 0294-2427755
Mobile : 94141 55441, 92510 34211, 98290 42278
E-mail : hotelkrishnalila@gmail.com
info@krishnalilaregency.com
support@krishnalilaregency.com
web. : www.krishnalilaregency.com
the krishnalilaregency

Royal Suite

Deluxe Room

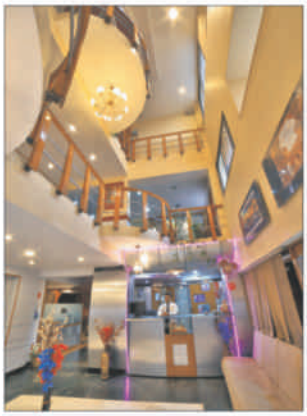

Location : Located in the Heart of the City, near famous places of tourist interest like Lake Palace, Pichola Lake, Jagmandir, Jagdish Temple, Doodh Talai, Musical Fountain, Karni Mata Ropeway, Gangour Ghat, Bagore ki Haweli. It is near Gulab Bagh Garden. 20 km Drive from Airport, 1.5 Km from Railway Station, 01 Km. from Bus Stand.

Facilites : 24 Hours Restaurant Service, 12 Hours Bar Service, Elevator Facility, Travels Desk, Same Day Postal & Courier Services, Foreign Currency Exchange, rent a car, Bath Tub in Deluxe & Royal Suite, All credit Card accepted. Business Centre, High Speed Free Wi-Fi all over, Yoga & Meditation Centre.

Room Service : 30 Air Conditioned rooms, attached bath, running hot & Cold water, In house movies, \Same day laundry service, 24Hrs room service.

Restaurant : Multi Cuisine restaurant with Indian, Chinese, Continental, Veg. & Non Veg.

Rooftop restaurant : The Cozy air restaurant with a clear view of world famous City Palace surrounded by greenery of Gulab Bagh & Aravali Hill with a capacity upto 200 people.

Conference & Banquet : Accommodating between 20 to 100 people. The hall is equipped with most modern system & conferencing equipments.

Bar : Metro Culture Bar serving all brands of Beer, Wines & IMFL Accommodating upto 80 people.

Special Packages for the Wedding Events

RSWM Ltd. (Fabric Division), an LNJ Bhilwara Group Company, LNJ Nagar, Mordi, District- Banswara-327001, Rajasthan, INDIA
Tel. No. +91-2961-231230, 231630, 231316, Fax. No. +91-2961-231250 | Website: www.mayurfabrics.in | mycannello.com